ISSN 2349-6614

जुलाई 2022

मूल्य 50 रु

# प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

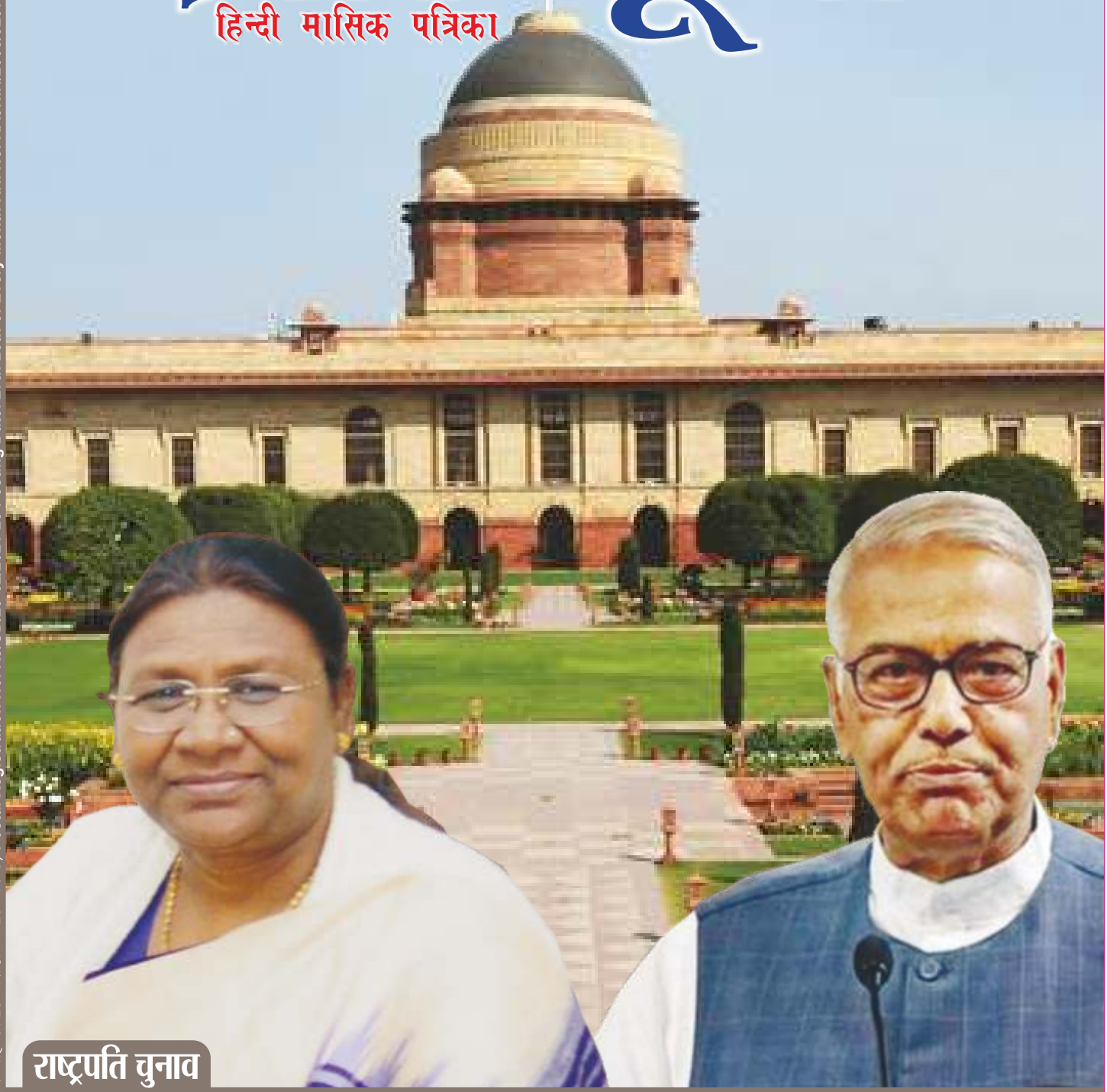

राष्ट्रपति चुनाव

## राजग प्रत्याशी द्रोपदी मुर्मू का विपक्ष के यशवंत सिन्हा से मुकाबला



प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 20 अंक 3, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

SANGAM UNIVERSITY
where Aspiration meets Opportunity
Accredited with NAAC

Promoted by
Value through values
Sangam Group Bhilwara

# FIND BRILLIANT MINDS @ SANGAM

## PROGRAMS OFFERED

**B.Tech | M.Tech | Poly. Dip. | BCA | MCA | PGDCA**

**PG | UG Diploma in Fire & Safety**

**Bachelor in Hotel Mgmt. | Diploma in Hotel Mgmt.**

**BBA | BBA-** Logistics | **BBA-** Retail | **B.Com | MBA** (Full Time) | **MBA** (1 Yr)

**BA-LLB** (Integrated) | **PG Diploma in Law | LLB | LLM | LLM+PHD**

**B.Voc -** Graphics | Interior | Fashion | Animation | Digital Marketing | Event Mgmt.

**B.Sc. Agriculture** (Hons.) | **B.Sc.** (Hons.) **Agri Business Mgmt**

**B.Pharma | D.Pharma**

**BA | MA | MA in Education**

**D.Lib | B.Lib | M.Lib**

**M.Sc. | B.Sc.** (PCM /CBZ)

**DHA**

**Mass Communication - BA.JMC | MA.JMC | DJMC**

**Ph.D | D.Litt. | PDF | LLD | D.Sc.**

**For more details, please visit our website:**

**+91 7891050000** **www.sangamuniversity.ac.in**

**IIRF Ranking 2022**

Ranked 6th
**in RAJASTHAN**
and 45th
**in INDIA**

जुलाई 2022 वर्ष 20, अंक 03

# प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

## अंदर के पृष्ठों पर...

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डागी
कुलदीप इन्दौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका

प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

राज्यसभा चुनाव

...भारी पड़े गहलोत
08

खतरा

नई चुनौतियों न बन जाए नए संक्रामक रोग
12

सेहत
बरसात में हेपेटाइटिस का खतरा ज्यादा
20

चिंताजनक

अलकनंदा की मछलियों में मिले प्लास्टिक के कण
30

उपलब्धि

हौंसले की उड़ान
34

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोगाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

GOLCHA ASSOCIATED

EGCIPL

एन्वायरोग्रीन कंसलटेंट (इण्डिया) प्रा.लि.

(Accredited with QCI-NABET & QCI-NABL)

हमारी सेवाएं

- जियोलॉजी एवं हाइड्रो जियोलॉजिकल (भू जल विज्ञान)
- हॉर्टिकल्चर ( वानिकी ) • खनन एवं सर्वे,
- खनिजों का रासायनिक विश्लेषण,
- खदानों में जोखिम आकलन (Risk Assessment) संबंधित सेवाएं

1-बी, माछला मगरा, पटेल सर्किल के पास, गोलछा पॉलिक्लिनिक, उदयपुर-313002 मो. 9352239829, 8003590552

www.egcipl.com email : info@egcipl.com

एसोसिएटेड डेल्टावेज लोजिस्टिक्स प्रा.लि.

हमारी सेवाएं

• रोड फ्रेट • पाउडर हेतु बलकर • वेयरहाउसिंग

• बल्क मटेरियल हैण्डलिंग कॉन्ट्रेक्ट

24-आकाशवाणी मार्ग, मादड़ी, उदयपुर

मो. 9352239832, 9353339830

# पर्यावरण क्षरण वर्तमान की बड़ी चिंता

**पर्यावरण** को लेकर आज पूरी दुनिया चिंतित है। यह चिंता हमारी भावी संततियों की जीवन रक्षा की भी है। उजाड़ होती धरती और धुंए से भरा आकाश देखते हैं तो लगता है कि दरअसल इस चिंता के कारण भी हम खुद ही हैं। इसकी जड़ में वह औद्योगिक क्रांति है, जिसके माध्यम से मनुष्य ने अपने लिए भौतिक सुविधाएं बटोरना आरंभ किया। अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध और उन्नीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में कतिपय पश्चिमी राष्ट्रों की तकनीकी सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक स्थिति में बड़ा बदलाव आया। औद्योगिक क्रांति के कारण मनुष्य को कई ऐसे लाभ भी हुए जिनसे वह जीवन में सुखद परिवर्तन मानने लगा था, किन्तु बीसवीं सदी के चौथे-पांचवें दशक में यह भी महसूस होने लगा कि यदि औद्योगिक विकास के इस रास्ते पर आगे सोच-समझ कर न बढ़ा गया तो अन्ततः यह जल, जंगल और धरती के समूचे पर्यावरण और पारिस्थितिकी प्रणालियों को प्रदूषित कर मानव और अन्य सभी जीवों का जीना दुभर हो जाएगा। अब यह शीशे की मानिंद बिल्कुल साफहै कि पर्यावरण क्षरण, जलवायु परिवर्तन के चलते ग्लोबल वार्मिंग मानव जनित अंधाधुध विकास का ही दुष्परिणाम है। इससे पार पाने का रास्ता उतना आसान नहीं है, जितना समझा जा रहा है। राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाषणबाजी और पेपर रीडिंग से इसका हल नहीं निकलेगा। इसका कारगर समाधान है, विकास के किफ़यती रास्तों की खोज, जिसका धरती और वायुमंडल पर भार न पड़े। पर्यावरण की कीमत पर विकास की अंधी दौड़ पर अंकुश लगाना बहुत ज़रूरी है। प्रकृति के पास सब प्राणियों की आवश्यकता को पूरा करने योग्य संसाधन हैं, लेकिन वह लालच किसी का भी पूरा नहीं कर सकती। इस वर्ष जून में हमने जो 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया था, संयुक्त राष्ट्र संघ ने उसकी थीम ही 'केवल एक पृथ्वी के आधार पर प्रकृति के साथ सद्भाव में रहना' निर्धारित की थी। भारतीय संस्कृति की बात करते हैं तो यह नहीं भूलना चाहिए कि भारतीय संस्कृति और परम्पराओं ने पृथ्वी को माता का ही स्वरूप ही माना है, सदैव उसकी पूजा-अर्चना करते रहने की हिदायत दी है। पृथ्वी-प्रकृति हमारा उसी तरह पोषण करती है, जैसे कोई मां अपनी सन्तान का करती है। लेकिन व्यक्तिगत स्वार्थों ने मनुष्य को इस हद तक नीचे गिरा दिया है कि वह उसके सम्मान-संरक्षण की तो छोड़िए अंधा होकर दिन रात उसके दोहन में संलिप्त है। दूसरी और अपने आप से भयभीत विस्तारवाद के समर्थक देशों के राष्ट्रनायक एक दूसरे को युद्ध में धकेल खेत- खलिहानों, वनों-उद्यानों को रौंद कर पृथ्वी जल, वायु, अग्नि और आकाश को बेदम करने पर आमादा हैं। भारत में प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या 28-30 से ज्यादा नहीं है। देश में सन 2014 से 2019 के बीच 1 करोड़ 10 लाख पेड़ विकास की बलि चढ़ गए।

यह प्रसन्नता और सन्तोष का विषय है कि जलवायु परिवर्तन में सुधार के लिए भारत सौर और वायु ऊर्जा की क्षमता विकसित कर रहा है। ई-मोबिलिटी के माध्यम से वाहन उद्योग को गैस मुक्त बनाया जा रहा है। बायो ईंधन के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है, पेट्रोल और डीजल में ईथेनॉल को मिलाया जा रहा है। भारत द्वारा आरंभ किए गए अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के अस्सी से अधिक देश सदस्य बन चुके हैं। वैश्विक तापमान के प्रभाव को कुछ हद तक कम करने के उद्देश्य से भारत ने पहले तय किया था कि देश में 175 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना की जाएगी। इस लक्ष्य को हासिल करने की ओर देश तेजी से बढ़ रहा है। भारत ने अपने लिए देश में नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना के लिए अब एक नया लक्ष्य अर्थात 450 गीगावॉट निर्धारित किया है। बावजूद इसके पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक-2022 में भारत की स्थिति को दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले ठीक नहीं माना जा रहा है। ऐसा कभी नहीं हुआ कि 180 देशों की सूची में पर्यावरण के संदर्भ में हम काफी नीचे हों। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की रिपोर्ट में इसका खुलासा भी हुआ है। सरकार को केवल अपनी पीठ ही ठोकते नहीं रहना है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और हर तरह के प्रदूषण के स्तर को शून्य करने की ओर लगातार ध्यान देना है प्रधानमंत्री ने पिछले साल ग्लासगो में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में अपने भाषण से खूब तालियां बटोरी थीं, लेकिन उनके अपने देश में उनकी सलाहों के क्रियान्वयन पर सरकारी मशीनरी फिसड्डी ही साबित हुई है। अनियोजित विकास को शह देती सरकारी मशीनरी और भू माफिया जंगल, जमीन, पहाड़, नदी-नाले सबके अस्तित्व को समाप्त करने पर आमादा हैं और केन्द्र व राज्य सरकारों के नीति-नियामक बस टुकुर-टुकुर देख रहे हैं।

प्रत्यूष

**राष्ट्रपति चुनाव**

# कोविंद की राष्ट्रपति भवन से 24 को विदाई, 25 को नए राष्ट्रपति का प्रवेश

# द्रौपदी मुर्मू V/S यशवंत सिन्हा

**देश** के 16 वें राष्ट्रपति के लिए 18 जुलाई को होने वाले चुनाव में सत्तारूढ़ एनडीए की प्रत्याशी द्रोपदी मुर्मू का मुकाबला विपक्ष के उम्मीदवार यशवन्त सिन्हा से होगा। मौजूदा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है। नए राष्ट्रपति के चुनाव के लिए 18 जुलाई को राज्यसभा, लोकसभा व राज्यों की विधानसभाओं के सदस्य मतदान करेंगे। मतगणना 21 जुलाई को होगी और विजेता प्रत्याशी 25 जुलाई को देश के सर्वोच्च संवैधानिक राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करेगा। दोनों ही प्रत्याशी नामांकन दाखिल करने के बाद राज्यों का दौरा कर मतदाताओं से व्यक्तिगत सम्पर्क में व्यस्त हैं। यह पहली बार है कि जब किसी सत्ताधारी पार्टी ने इस पद के चुनाव में किसी महिला आदिवासी उम्मीदवार को वरीयता दी है। एनडीए ने उपराष्ट्रपति वैंकय्या नायडू सहित 20 नामों पर चर्चा के बाद मुर्मू के नाम पर मोहर लगाई। इससे पूर्व विपक्ष ने अपने उम्मीदवार के रूप में यशवन्त सिन्हा के नाम की घोषणा की। इससे पहले 15 जून को प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई विपक्ष की बैठक में एनसीपी नेता शरद् पंवार, प.बंगाल के पूर्व राज्यपाल (महात्मा गांधी के पौत्र) गोपाल कृष्ण गांधी व जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्य मंत्री फ़ारूक अब्दुल्ला से राष्ट्रपति चुनाव में प्रत्याशी बनने का आग्रह किया गया था, लेकिन तीनों की इन्कारी के बाद ममता खुद ने इस दिशा में प्रयास से अपने पैर पीछे खींच लिए। इसके बाद बागडोर शरद् पंवार व अन्य नेताओं ने संभाली और यशवन्त सिन्हा को इस पद के चुनाव के सर्वथा योग्य मानते हुए उनके नाम की घोषणा की। इस बैठक में सिन्हा भी मौजूद थे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि यशवंत सिन्हा योग्य प्रत्याशी हैं। वह भारत की धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक ताने-बाने को मानते हैं। हमें दुख है कि सरकार राष्ट्रपति उम्मीदवार को लेकर एक राय बनाने के लिए गंभीर चर्चा नहीं कर सकी।

## टीएमसी छोड़ते ही शुरू हो गई थी चर्चा

यशवंत सिन्हा को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने की चर्चा तभी शुरू हो गई थी, जब उन्होंने ममता बनर्जी को धन्यवाद देते हुए टीएमसी छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि इसमय आ गया है कि अब वह एक बड़े राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए पार्टी से हटकर विपक्षी एकता के लिए काम करें। कभी भाजपा के कद्दावर नेता रहे यशवंत सिन्हा पार्टी से नाराजगी के बाद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ज्वॉइन की थी।

## जद–यू ने दो बार बदला था रूख...

**दो बार** ऐसा हो चुका है, जब जद–यू ने लीक से हटकर उम्मीदवार का समर्थन किया। एनडीए का हिस्सा होते हुए भी नीतीश कुमार ने इससे पहले प्रणव मुखर्जी का समर्थन किया था। पिछले चुनाव में उन्होंने रामनाथ कोविंद का समर्थन किया था, जबकि उस समय वह महागठबंधन का हिस्सा थे।

## मुर्मू की जीत पक्की

**भाजपा** ने आदिवासी चेहरा द्रौपदी मुर्मू को एनडीए की तरफसे राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाकर न सिर्फ वोटों का गणित बिगाड़ दिया, बल्कि एक तीर से कई निशाने साधे हैं। राष्ट्रपति चुनाव में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, बिहार के मुख्यमंत्री (जदयू) नितिश कुमार व आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री (वाईआरएस कांग्रेस) जगन मोहन रेड्डी के साथ आने से एनडीए प्रत्याशी की बड़ी पक्की हो गई है। द्रौपदी मुर्मू के ओडिशा निवासी होने के कारण भाजपा के मिशन पूरब को भी मजबूती मिलेगी।

## द्रौपदी मुर्मू

**द्रौपदी** मुर्मू का जन्म 20 जून 1958 को ओडिशा के मयूरभंज जिले के बैदापोसी गांव में बिरंची नारायण टुडू के घर हुआ था। वह एक आदिवासी जातीय समूह संथाल परिवार से ताल्लुक रखती हैं। ओडिशा के आदिवासी परिवार में जन्मी द्रौपदी मुर्मू झारखंड की नौवीं राज्यपाल बनी थीं। राजनीतिज्ञ होने के अलावा वह अनुसूचित जनजाति समुदाय से आती हैं। राज्यपाल बनने से पहले वह भारतीय जनता पार्टी की सदस्य रही हैं। यही नहीं द्रौपदी मुर्मू साल 2000 में झारखंड गठन के बाद से पांच साल का कार्यकाल (2015-2021) पूरा करने वाली झारखंड की पहली राज्यपाल हैं।

**उड़ीसा** में भारतीय जनता पार्टी और बीजू जनता दल गठबंधन सरकार के दौरान, वह 6 मार्च, 2000 से 6 अगस्त, 2002 तक वाणिज्य एवं परिवहन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रहीं। इसके अलावा 6 अगस्त 2002 से 16 मई 2004 तक मत्स्य पालन एवं पशु संसाधन विकास राज्य मंत्री थीं। मुर्मू ने एक शिक्षक के रूप में अपने करियर की शुरूआत की और फिर ओडिशा की राजनीति में प्रवेश किया। वह मयूरभंज (2000 और 2009) के रायरंगपुर से भाजपा के टिकट पर दो बार विधायक रहीं। उन्होंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में पार्टी के भीतर कई प्रमुख पदों पर कार्य किया है। मुर्मू 2013 से 2015 तक भगवा पार्टी एसटी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भी थीं। उन्होंने 1997 में एक पार्षद के रूप में चुनाव जीतकर अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की थी। उसी वर्ष, उन्हें भाजपा के एसटी मोर्चा का राज्य उपाध्यक्ष चुना गया।

## यशवंत सिन्हा

**यशवंत सिन्हा** का जन्म: 6 नवम्बर 1937 में हुआ। वे भारत के पूर्व वित्त मंत्री रहने के साथ-साथ अटल बिहारी वाजपेयी मंत्रिमंडल में विदेश मंत्री भी रहे। पटना (बिहार) के कायस्थ परिवार में जन्में सिन्हा ने 1958 में राजनीति शास्त्र में स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त की। इसके उपरांत उन्होंने पटना विश्वविद्यालय में 1960 तक अध्यापन किया। इसके बाद वे भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल हुए और कई महत्वपूर्ण पदों पर आसीन रहते हुए सेवा में 24 से अधिक वर्ष बिताए। बिहार सरकार के वित्त मंत्रालय में 2 वर्षों तक अवर सचिव तथा उप सचिव रहने के बाद उन्होंने भारत सरकार के वाणि%य मंत्रालय में उप सचिव के रूप में कार्य किया।

**1971** से 1973 के बीच उन्होंने बॉन, जर्मनी के भारतीय दूतावास में प्रथम सचिव (वाणिज्यिक) के रूप में कार्य किया था। उन्होंने 1973 से 1974 के बीच फ्रैंकफर्ट में भारत के कौंसुल जनरल के रूप में भी काम किया। 1980 से 1984 के बीच भारत सरकार के भूतल परिवहन मंत्रालय में संयुक्त सचिव के रूप में सड़क परिवहन, बंदरगाह और जहाजरानी (शिपिंग) उनके प्रमुख दायित्वों में शामिल थे।

**यशवंत** सिन्हा 1984 में भारतीय प्रशासनिक सेवा से इस्तीफ़ा देकर जनता पार्टी के सदस्य बने। 1986 में उनको पार्टी का अखिल भारतीय महासचिव नियुक्त किया गया और 1988 में राज्यसभा (भारतीय सांसद का ऊपरी सदन) का सदस्य चुना गया।

**1989** में जनता दल के गठन के बाद उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया। उन्होंने चन्द्र शेखर के मंत्रिमंडल में नवंबर 1990 से जून 1991 तक वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया।

**जून** 1996 में वे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता बने। मार्च 1998 में उनको वित्त मंत्री नियुक्त किया गया। उस दिन से लेकर 22 मई 2004 तक संसदीय चुनावों के बाद नई सरकार के गठन तक वे विदेश मंत्री रहे। 2004 के चुनाव में हजारीबाग सीट से उनकी हार को एक विस्मयकारी घटना माना जाता है। उन्होंने 2005 में फिर से संसद में प्रवेश किया। 13 जून 2009 को उन्होंने भाजपा के उपाध्यक्ष पद से इस्तीफ़ा दे दिया। 13 मार्च 2021 को सिन्हा ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस में शामिल होकर राजनीति में पुन: सक्रिय हुए। टीएमसी में उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया।

## असमंजस में विपक्ष

**भाजपा** के इस दांव से कई विपक्षी दल असमंजस में हैं। द्रौपदी मुर्मू का विरोध करने पर भाजपा विपक्षी दलों पर आदिवासी विरोधी होने का ठप्पा लगा सकती है। झारखंड की सत्ताधारी झारखंड मुक्ति मोर्चा से लेकर आदिवासी बहुल छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के सामने भी धर्मसंकट पैदा हो गया है।

### महान राष्ट्रपति होंगी

मुझे भरोसा है कि द्रौपदी मुर्मू देश की महान राष्ट्रपति साबित होंगी। उन्होंने अपना जीवन समाज की सेवा, गरीबों, दलितों तथा हाशिए पर खड़े लोगों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित किया है।

**– नरेन्द्र मोदी,** प्रधानमंत्री

### उदाहरण पेश करेंगी मुर्मू

मुझे भरोसा है कि द्रौपदी मुर्मू देश में महिला सशक्तिकरण का उज्ज्वल उदाहरण पेश करेंगी–

**नवीन पटनायक,**
मुख्यमंत्री, ओडिशा

## एनडीए की वोट वैल्यू पर्याप्त

एनडीए की प्रत्याशी द्रोपदी मुर्मू विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा पर भारी पड़ेंगी। क्यों कि बीजद ने मुर्मू को समर्थन दे दिया है। दूसरी वजह यह भी है कि विपक्ष के 18 दलों की वोट वैल्यू 3,81,051 ही है। 24 विपक्षी दल साथ हो जाएं तो भी 4,80,748 ही होंगे। वहीं, बीजद के आने से एनडीए की वोट वैल्यू 563,825 हो गई है, जबकि जीत के लिए 5.4 लाख से ज्यादा चाहिए थे।

**18 विपक्षी दलों के 219 सांसदों की वोट वैल्यू= 1,53,300**
**18 दलों के कुल 1550 विधायकों की वोट वैल्यू = 2,27,751**
**कुल आंकड़ा = 3,81,051**

**18 दल, जो साथ हैं:** कांग्रेस, डीएमके, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना, एनसीपी, सपा, सीपीआई (एम), आईयूएमएल, सीपीआई, आरएसपी, जेडीएस, आरएलपी, झामुमो, राजद, नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, सिक्किम डेमाक्रेटिक फ्रेंट, सीपीआई (एमएल)।

**इन 3 दलों का निर्णय शेष...**
टीआरएस, शिअद और आप।

**27 सांसदों का वेटेज = 18,900**
**261 विधायकों का = 28,194**
**कुल वोट वैल्यू = 47,094**

**इनका पाला तय नहीं...**
बसपा और एआईएमआईएम।

**37 सांसदो का वेटेज = 25,900**
**170 विधायकों का = 26,703**
**कुल वोट वैल्यू = 52,603**

**24 दलों के कुल 283 सांसदों और 1981 विधायकों के वोट की कुल वैल्यू = 4,80,748**

**जीत को 5,40,065 से ज्यादा चाहिए। चुनाव में 767 सांसद व 4033 विधायक वोट देंगे। कुल वोट वैल्यू 10.8 लाख।**

प्रत्यूष
विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें
75979 11992, 94140 77697

प्रत्यूष

## राज्यसभा चुनाव

## राजस्थान में भारी पड़े गहलोत

# हरियाणा में हारे माकन

### हरियाणा में कांग्रेस के कुलदीप व राजस्थान में भाजपा की शोभा ने की 'क्रॉस वोटिंग'

*दुर्गाशंकर मेनारिया*

**राज्यसभा** के द्विवार्षिक चुनावों में 57 सीटों के लिए पिछले महीने हुए चुनाव में भाजपा ने अपनी क्षमता से ज्यादा सीटें जीतकर न केवल विपक्ष को झटका दिया है, बल्कि राष्ट्रपति चुनावों के लिए भी स्थिति मजबूत की है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में उसने विपक्ष की कमियों को उजागर करते हुए अपना एक-एक अतिरिक्त उम्मीदवार जिताया है, वहीं हरियाणा में कांग्रेस के पास पर्याप्त नंबर होने पर भी उसमें सेंध लगाकर निर्दलीय को जितवा दिया। राजस्थान में पार्टी कांग्रेस का तोड़ नहीं खोज सकी, लेकिन वह सीधे लड़ाई में उतरी भी नहीं। राज्यसभा की इन 57 सीटों में भाजपा के पास 25 सीटें थीं। वह 22 फिर से जीतने में सफल रही। एक

निर्दलीय को भी शामिल करें तो यह संख्या 23 हो जाती है, जबकि भाजपा व सहयोगी दलों की क्षमता 19 सीटें जीतने की ही थी। ऐसे में 4 सीटें अतिरिक्त अपने साथ जोड़ने में पार्टी सफल रही। चुनाव वाली 57 में से 41 सीटों के लिए निर्विरोध निर्वाचन हुआ, जिनमें भाजपा ने अपनी रिक्त हुई 15 सीटों में 14 फिर से जीत ली। चार राज्यों की 16 सीटों के लिए मतदान में भाजपा ने 8 खुद की और एक निर्दलीय को जिताया। उसे अपनी क्षमता से ज्यादा कर्नाटक व महाराष्ट्र में एक सीट ज्यादा मिली, जबकि हरियाणा में उसने एक निर्दलीय को जितवा दिया। राजस्थान में उसने एक अतिरिक्त सीट के लिए निर्दलीय पर दांव लगाया, लेकिन सत्तारूढ़ कांग्रेस के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कुशल प्रबंधन को भेद नहीं सकी, उलटे उसकी एक महिला विधायक क्रास वोटिंग कर गई।

## सोलह सीटों पर जंग

**राजस्थान** में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की रणनीति से हर बार विरोधियों को मात ही खानी पड़ी है। इकतालीस सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा के बाद 10 जून को हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र और कर्नाटक की जिन 16 सीट के लिए चुनाव हुए, उनमें से भाजपा महाराष्ट्र और कर्नाटक में तीन-तीन सीटें और हरियाणा और राजस्थान में एक-एक सीट जीतने में सफल रही। भाजपा के बेहतर चुनाव प्रबंधन के कारण पार्टी के दो उम्मीदवार और उसके समर्थन वाले एक निर्दलीय उम्मीदवार ने कर्नाटक, महाराष्ट्र और हरियाणा में जीत हासिल की, जबकि उनके जीतने की संभावनाएं बेहद कम थीं।

क्रॉस वोटिंग: शोभारानी

कुलदीप विश्नोई

हरियाणा में निर्दलीय चुनाव जीतने वाले कार्तिकेय शर्मा को भाजपा और उसकी सहयोगी जननायक जनता पार्टी ने समर्थन दिया था। वहां कांग्रेस के कुलदीप बिश्नाई ने 'क्रास वोटिंग' की और पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार व वरिष्ठ नेता अजय माकन हार गए। राजस्थान में भाजपा ने मीडिया समूह से सम्बद्ध निर्दलीय उम्मीदवार सुभाष चंद्रा का समर्थन किया था, लेकिन वह चुनाव हार गए। राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अजय माकन को हरियाणा से जिताने की कमान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा को दी गई थी, लेकिन भाजपा की रणनीति के सामने ये दोनों दिग्गज फेल हो गए। हरियाणा में कांग्रेस के विधायक कुलदीप बिश्नोई, राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता शोभारानी कुशवाह और कर्नाटक में जनता दल (सेकु) के श्रीनिवास गौड़ा ने राज्यसभा चुनावों में अपने-अपने दलों के लिए मतदान

## राजस्थान से राज्यसभा में निर्वाचित

### रणदीप सुरजेवाला

**रणदीप** सिंह सुरजेवाला का जन्म 3 जून 1967 को चंडीगढ़ में हुआ। इनके पिता शमशेर सिंह सुरजेवाला हरियाणा के कृषि व सहकारिता मंत्री रहे। रणदीप सुरजेवाला हरियाणा के कैथल से विधायक रह चुके हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा नीत कांग्रेस सरकार में वे 2009 से 2014 तक मंत्री रहे। 2014 के चुनावों में कांग्रेस प्रदेश में तीसरे स्थान पर रही, लेकिन रणदीप अपनी सीट से पुनः निर्वाचित होने में सफल रहे।

### मुकुल वासनिक

**मुकुल** वासनिक को राजनीति का ज्ञान घुट्टी में मिला। उनके पिता बालकृष्ण रामचंद्र वासनिक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे और तीन बार सांसद रहे। मुकुल का जन्म 27 सितम्बर 1959 में हुआ । ये वर्ष 1984 से 1989 तक महाराष्ट्र के बुलढाणा संसदीय क्षेत्र से लोकसभा सदस्य रहे। वर्ष 1991 में भी दसवीं लोकसभा के सदस्य चुने गए थे। ये 1998 में पुनः सांसद निर्वाचित हुए, लेकिन 1999 में हार गए। वे 2009 में रामटेक लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुने गए, लेकिन वर्ष 2014 में लोकसभा चुनाव में हार गए।

### प्रमोद तिवारी

**प्रमोद** तिवारी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं। उनका जन्म 19 जुलाई 1951 में हुआ था। वे उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिला स्थित रामपुर खास विधानसभा क्षेत्र से नौ बार विधायक चुने गए। वे वर्ष 2013 में राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए। वे पहली बार 1980 में उत्तर प्रदेश विधानसभा सदस्य चुने गए थे। वर्ष 1984 से 1989 तक वे उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री भी रहे।

### घनश्याम तिवाड़ी

**घनश्याम** तिवाड़ी का जन्म 19 दिसंबर 1947 को हुआ। वे 2013 और 2018 के बीच राजस्थान के सांगानेर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक रहे हैं। तिवाड़ी भारतीय जनता पार्टी के सदस्य हैं। छह बार के विधायक तिवाड़ी एक ही निर्वाचन क्षेत्र से लगातार तीन बार चुनाव जीते। वह राजस्थान के उन प्रमुख नेताओं में हैं, जिनकी भाजपा की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका रही। राजस्थान में 2003 से 2008 की भाजपा सरकार में वे शिक्षा मंत्री रहे। पार्टी के प्रदेश नेतृत्व से नाराजगी के चलते उन्होंने पांच साल पहले भाजपा छोड़कर खुद की पार्टी भारत वाहिनी बनाई और उसकी के बैनर तले 2018 का चुनाव सांगानेर से लड़ा, लेकिन हार गए। बाद में कांग्रेस की सदस्यता ली।

नहीं करके अपनी पार्टी के समीकरण को गड़बड़ कर दिया। राजस्थान के धौलपुर से विधायक शोभारानी कुशवाह ने कांग्रेस उम्मीदवार प्रमोद तिवारी को अपना मत दिया। कुशवाह को भाजपा से निष्कासित कर दिया गया है। दो बार की विधायक कुशवाह पिछड़े समुदाय से संबंध रखती हैं। उन्होंने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सुभाष चंद्रा को हराने के लिए कथित रूप से कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया।

हरियाणा में बिश्नोई ने कांग्रेस उम्मीदवार अजय माकन के पक्ष में वोट नहीं डाला और अन्य दल के उम्मीदवार को अपना मत दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनने के बाद अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। कांग्रेस ने बिश्नोई को पार्टी में सभी पदों से हटा दिया है। बिश्नोई चार बार के विधायक हैं और वर्तमान में हिसार की आदमपुर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं।

### विपक्ष के लिए बढ़ी चिंताएं

**इन** नतीजों के बाद भी 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भाजपा व उसके सभी विरोधी दलों के एकजुट होकर आमने–सामने की स्थिति में भाजपा को कुछ और दलों के समर्थन की जरूरत होगी। लगभग 10.86 लाख मतों के निर्वाचक मंडल में, भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन के पास लगभग 49 फीसद मत होने का अनुमान है। ऐसे में उसे वाईएसआर कांग्रेस, बीजद जैसे क्षेत्रीय दलों का समर्थन मिल सकता है, जो आम तौर पर संसद में भी उसका साथ देते रहे हैं। दूसरी तरफ विपक्ष को भी राष्ट्रपति चुनाव में भाजपा से मुकाबला करने के लिए गंभीरता से रणनीति पर काम करना होगा, ताकि उसके घर में सेंध न लगे। इस दिशा में पं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सक्रिय हैं, लेकिन 15 जून को उनके बुलावे पर दिल्ली में हुई बैठक से नहीं लगता कि सभी विपक्षी पार्टीयां उनके पीछे हो लेंगी। इस बैठक में आप शिअद, टीआरएस, वाईएसआर कांग्रेस, बीजद आदि ने भाग नहीं लिया।

वह दो बार सांसद भी रह चुके हैं। कर्नाटक में गौड़ा ने कांग्रेस को वोट दिया और सार्वजनिक तौर पर यह बात स्वीकार की। इन चुनाव परिणामों का उच्च सदन में भाजपा की संख्या पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। उसके अपने 95 की जगह 3 सदस्य कम होकर 92 ही रह जाएंगे।

### राजस्थान में भाजपा को मंथन की जरूरत

**इन** नतीजों से भाजपा में महाराष्ट्र में पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई व हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर और मजबूत हुए हैं। खासकर बोम्मई के लिए यह नतीजे अहम हैं, क्यों कि कर्नाटक में पार्टी के भीतर लगातार उथल–पुथल है। कई बार नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें भी चली हैं। वहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। हालांकि, राजस्थान को लेकर भाजपा को मंथन करना पड़ सकता है। वहां भी अगले साल के आखिर में चुनाव होने हैं।

## कहां से कौन निर्विरोध जीता

**उत्तर प्रदेश:** कुल 11 में से भाजपा के 8 उम्मीदवार जीते। इनमें पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी, पूर्व विधायक डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल, महिला मोर्चा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दर्शना सिंह, पूर्व विधायक संगीता यादव, पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम के अध्यक्ष बाबूराम निषाद, राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र कुमार नागर, भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. के. लक्ष्मण तथा पूर्व सांसद मिथिलेश कुमार राज्यसभा पहुंचे। इनके अलावा सपा से जावेद अली, रालोद के जयंत चौधरी और सपा समर्थित कपिल सिब्बल जीते। सिब्बल ने हाल ही कांग्रेस को छोड़ा है।

**तमिलनाडु:** डीएमके से एस कल्याणसुंदरम, आर गिरिराजन और केआरएन राजेश कुमार, एआईएडीएमके के सी वी शणमुगम और आर धरमार व कांग्रेस नेता पी चिदंबरम।

**बिहार:** राजद से मीसा भारती, फैयाज अहमद, भाजपा के सतीश चंद्र दुबे और शंभु शरण पटेल, जदयू से खीरू महतो।

**आंध्र प्रदेश:** वाईएसआर कांग्रेस के वी विजय साई रेड्डी, बीडा मस्तान राव, आर कृष्णैया और एस निरंजन रेड्डी।

**पंजाब:** आप के संत बलबीर सिंह सीचवाल और कारोबारी विक्रमजीत सिंह साहनी।

**छत्तीसगढ़:** कांग्रेस के राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन

**झारखंड:** झामुमो से महुआ माजी और भाजपा से आदित्य साहू

**उत्तराखंड:** भाजपा की कल्पना सैनी

**मध्य प्रदेश:** कांग्रेस से विजय तनखा, भाजपा की कविता पाटीदार और सुमित्रा वाल्मीकि

# टिकैत को झटका, भाकियू दो फाड़

राजवीर

**तीन** कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन के दौरान ही ज्यादातर किसानों को लगने लगा था कि यह किसानों की आड़ में सियासी आंदोलन बनता जा रहा है। कोरोना को लेकर भाकियू नेता राकेश टिकैत जिस तरह से नकारात्मक और अनर्गल बातें कर रहे थे, उससे भी किसानों में गुस्सा था। नाराजगी और फूट की बड़ी वजह कृषि कानूनों की वापसी के बाद भी केन्द्र के प्रति टिकैत बंधुओं की हठधर्मिता थी।

भारतीय किसान यूनियन की चमक वैसे तो उसके संस्थापक महेन्द्रसिंह टिकैत के जीवनकाल में ही फीकी पड़ गई थी और उनके निधन के बाद तो वह तितर-बितर ही हो गई। इसे पुन: अस्तित्व का अहसास कराने का मौका मिला, 2020 में जब भाजपा की केन्द्र सरकार ने तीन नए कृषि कानूनों को अध्यादेश के माध्यम से लागू किया। बाद में इन्हें संसद से पारित कराने के दौरान भाकियू विरोध में उतर आया। इसे किसानों का जबर्दस्त समर्थन मिला। यह एक वर्ष से अधिक समय तक चला और इस दौरान व्यापक तोड़फोड़ हिंसा और आगजनी की घटनाएं हुई। मजबूर होकर केन्द्र सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े। दरअसल यह संगठन आंदोलन के अंतिम चरण में राह से भटक गया था। इसके नेता महेन्द्रसिंह टिकैत के ही दोनों बेटे थे, राकेश और नरेश। दरअसल दोनों भाई आंदोलन के दौरान और बाद में भी अपना राजनैतिक एजेंडा लेकर चल रहे हैं। समय रहते इसे किसानों ने भी भांप लिया। पिछले दिनों राकेश को बैंगलुरू में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। उन पर स्याही फेंकी गई। महेन्द्रसिंह टिकैत का निधन 15 मई 2011 को हुआ था और ठीक 11 साल बाद 15 मई 2022 को भारतीय किसान यूनियन दो फाड़ हो गई। टिकैत बंधु किसान आंदोलन को राजनैतिक रंग देने की भरपूर कोशिश करते हुए भाजपा सरकार को दबाव में लाने का प्रयास कर रहे थे। इनका गुप्त एजेंडा यूपी समेत अन्य राज्यों में भाजपा को चुनावों में पटखनी देने की जमीन तैयार करना था। इसे गैर राजनैतिक किसानों के एक बड़े धड़े ने आंदोलन के अंतिम चरण में ही भांप लिया था। टिकैत बंधुओं की अन्य राजनैतिक दलों विशेषकर आप और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के साथ बढ़ती पींगों का ठीक उसी दिन जवाब दिया जब इनके पिता की ग्यारहवीं पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित की जा रही थी। उल्लेखनीय है कि महेन्द्रसिंह टिकैत ने किसानों के मुद्दे को लेकर 1 मार्च 1987 को भाकियू का गठन कर इसी दिन करमूखेड़ी बिजलीघर पर पहला धरना शुरू किया। इस दौरान हिंसा के साथ किसान आंदोलन उग्र हो गया। पीएसी के सिपाही और एक किसान की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस के वाहन फूंक दिए गए। बाद में बिना किसी हल के धरना समाप्त करना पड़ा। 17 मार्च 1987 को भाकियू की पहली बैठक हुई, जिसमें निर्णय लिया गया कि संगठन किसानों की लड़ाई तो लड़ेगा, लेकिन वह हमेशा गैर राजनैतिक रहेगा। इसके बाद से पश्चिम उत्तर प्रदेश में भाकियू किसानों के मुद्दे उठाने लगी। लेकिन 2020 में तीन नए कृषि कानूनों के विरोध को लेकर वह फिर से केन्द्रीय भूमिका में आ गई। राकेश टिकैत उसके नेता बनकर उभरे। किसान आंदोलन के दौरान हिंसा और अन्य घटनाएं किसान नेताओं के एक धड़े को शुरू से अखरने लगी थी। शुरू में सरकार ने तीनों कानून अध्यादेश के जरिये लागू किए थे। फिर संसद से विधेयक पारित कराया तो विरोध में उत्तरी भारत के कई किसान संगठनों ने दिल्ली में इनके विरोध में विभिन्न राज्यों से जुड़ने वाली सीमाओं पर बेमियादी धरना शुरू कर दिया। गाजीपुर सीमा पर धरने का जिम्मा राकेश टिकैत की भारतीय किसान यूनियन ने संभाला तो सिंधू और टीकरी बॉर्डर पर पंजाब व हरियाणा के किसान संगठन डटे रहे। देर से ही सही पर केन्द्र सरकार को झुकना पड़ा। पहले तो सरकार ने खुद ही इन कानूनों पर अमल दो वर्ष के लिए स्थगित करने की घोषणा की फिर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो उसने भी कानूनों को लागू करने पर रोक लगा दी। इसके बाद भी किसान नेताओं और केन्द्र सरकार के बीच अनेक दौर की बातचीत के बावजूद कोई समझौता नहीं हो पाया। इस दौरान अनेक किसानों की कई कारणों से मौत भी हुई। उत्तरप्रदेश और चार अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव को देखते हुए आखिरकार प्रधानमंत्री ने खुद इन तीनों केन्द्रीय कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा कर दी। जिसकी बाद में संसद से भी औपचारिक प्रक्रिया के बाद वापसी की घोषणा हुई।

## हावी रही राजनीति

**अपने** पिता के दौर में राकेश टिकैत दिल्ली पुलिस में सिपाही थे। दस साल की नौकरी के बाद वे पिता की सरपरस्ती में किसान आंदोलन में कूद पड़े। उनकी रानीतिक महत्वाकांक्षा भी रही है। वे 2007 में कांग्रेस के उम्मीदवार की हैसियत से मुजफ्फरनगर से विधानसभा और 2014 में रालोद उम्मीदवार की हैसियत से अमरोहा से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं। पर दोनों बार करारी हार का मुंह देखना पड़ा। उनके संगठन के कुछ नेता पिछला विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते थे। टिकैत बंधुओं ने मदद नहीं की, फूट की एक वजह यह भी मानी जा रही है। बहरहाल भारतीय किसान यूनियन के लिए अपने कुनबे को सहेज कर न रख पाना उसे एक करार झटका तो है ही।

"श्री आदिनाथाय नमः"
Rishabh Jain
JAI-MEWAR
TOURIST AGENCY
An ISO 9001:2008 Certified Company
शत् शत् नमन
Contractor, Trave Agents & Tour Operator of A.C. Luxury Coaches & Mini Coaches, Tempo Travellers Tavera, Innova, Luxury Cars etc. & Hotel Reservations for Group Tours, Packages, L.T.C./L.F.C. All India Tours, Marriages, Picnics etc. Passport & Visa Assistance
(O) #0294-2485289, 3258999
+91 9414161999, (R) # 0294-2485669
jainmewar999@rediffmail.com
www.jaimewartravels.com
15, City Station Road, Nr. Hotel Pathik, Udaipur (Raj.) 313 001

# नई चुनौतियां न बन जाएं नए संक्रामक रोग

**कोरोना की पदचाप धीमी पड़ी तो नई संक्रामक बीमारियों की दस्तक से दुनिया हलकान है। कोरोना की रफ्तार भले ही धीमी पड़ गई हो, लेकिन यह अभी पूरी तरह गया नहीं है। इस बीच अन्य संक्रामक रोगों की चुनौती दुनिया के सामने है। बीस से अधिक देशों में 200 से ज्यादा मंकीपॉक्स रोगियों की पुष्टि हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने आशंका जताई है कि अगर बचाव के उपाय न किए गए तो इस बीमारी का सामुदायिक संक्रमण होगा।**

*डॉ. अनिता शर्मा*

**मंकीपॉक्स** एक ऑर्थोपॉक्सवायरस संक्रमण है, जो चेचक या चिकनपॉक्स के समान दिखाई देती है। यह सबसे पहले 1958 में बंदरों में दिखाई दी थी, जिसके कारण इसे मंकीपॉक्स नाम दिया गया। वर्ष 1970 में एक युवा में सबसे पहले मंकीपॉक्स का मामला सामने आया था।

## प्रसार के कारण

**मंकीपॉक्स** बीमारी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बड़ी आसानी से फैल सकती है। यह किसी संक्रमित व्यक्ति या जानवर के निकट सम्पर्क के माध्यम अथवा वायरस से दूषित सामग्री के माध्यम से मनुष्यों में फैलता है। यह चूहों, चूहियों और गिलहरियों जैसे जानवरों से फैलता है। यह चेचक की तुलना में कम संक्रामक है।

## मंकीपॉक्स के लक्षण

**इसमें** सबसे पहले हल्के से गंभीर बुखार हो सकता है। बुखार के साथ-साथ संक्रमित को मांसपेशियों में दर्द, जकड़न और कमजोरी महसूस हो सकती है। जैसे-जैसे बीमारी बढ़ने लगती है वैसे-वैसे संक्रमित रोगी के लिम्फ नोड्स में सूजन आने लगती है जो कि मंकीपॉक्स की सबसे आसान पहचान है।

**मंकीपॉक्स** होने पर रोगी के शरीर में पांच दिनों के भीतर शरीर पर चेचक जैसे निशान बनने लगते हैं, जिससे रोगी को अन्य समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है।

**डब्ल्यूएचओ** के एक प्रमुख सलाहकार ने विकसित देशों में दुलर्भ बीमारी मंकीपॉक्स के प्रकोप को अप्रत्याशित घटना बताया है। उन्होंने कहा कि यूरोप में हाल में दो रेव पार्टी में जोखिम भरे यौन व्यवहार के कारण संभवत: इसका प्रसार हुआ। डब्ल्यूएचओ के आपातकालीन विभाग के प्रमुख रहे डॉ. डेविड हेमन के अनुसार स्पेन और बेल्जियम में दो रेव पार्टी में समलैंगिकों और अन्य लोगों के बीच यौन संबंधों की वजह से इस बीमारी का प्रसार हुआ है। मंकीपॉक्स पूर्व में अफ्रीका के बाहर नहीं फैला था, जहां पर यह स्थानीय स्तर की बीमारी थी।

**ब्रिटेन,** स्पेन, पुर्तगाल, इटली, अमेरिका, बेल्जियम, स्वीडन और कनाड़ा में इसके मरीज सामने आए हैं। फ्रांस, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया में भी मंकीपॉक्स के मामले दर्ज किए गए हैं। ब्रिटेन में 183, फ्रांस 51, कनाडा 77, पुर्तगाल 143, स्पेन 156, इटली 20, नीदरलैंड 40, अमेरिका में 21 और जर्मनी में 33 मामले सामने आए हैं। 30 देशों में छह सौ से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

### मुंबई में भी अलर्ट जारी

**भारत** में भी मंकीपॉक्स का अलर्ट जारी किया गया है। मुंबई के बृहन्मुंबई नगर निगम ने कस्तूरबा अस्पताल में मंकीपॉक्स के संदिग्ध मरीजों के लिए 28 बेड का आइसोलेशन वार्ड तैयार कर दिया है। हालांकि, अभी देश में एक भी मामला नहीं मिला है। केन्द्र ने नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल और आइसीएमआर को अलर्ट जारी किया है। हवाई अड्डों, बंदरगाहों पर भी सतर्कता बरती जा रही है।

### हेपेटाइटिस

**रहस्यमयी** हेपेटाइटिस ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। यूरोपियन सेंटर फॉर डिजीज प्रिवेंशन एंड कंट्रोल (ईसीडीसी) के मुताबिक, दुनियाभर में घातक बीमारी से 12 बच्चों की जान चली गई और 450 से अधिक बीमार हैं। यह संख्या बढ़ना तय है, क्योंकि अब तक इस अज्ञात बीमारी पर शोध ही चल रहा है। वैज्ञानिक हैरान है कि असामान्य बीमारी का कारण क्या है। अप्रेल की शुरुआत से 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में अज्ञात और गंभीर हेपेटाइटिस का पता लगा है। अब तक 21 देशें में मामले दर्ज किए हैं। ब्रिटेन में 176 व अमेरिका में 110 मामले सामने आए हैं। इससे अमेरिका व इंडोनेशिया में पांच-पांच, जबकि आयरलैंड एवं फिलिस्तीन में एक-एक मौत हुई है।

## टोमैटो फ्लू

**एक** अन्य रोग जो इन दिनों चर्चा में है, वह है टोमैटो फीवर व टोमैटो फ्लू। इसकी चपेट में केरल के 80 प्रतिशत से ज्यादा बच्चे आ चुके हैं। इनमें से ज्यादातर की उम्र पांच साल से कम है। इस वायरल इंफेक्शन का नाम टोमैटो फ्लू इसलिए रखा गया है, क्योंकि टोमैटो फ्लू से संक्रमित होने पर बच्चों के शरीर पर टमाटर रंग के लाल दाने हो जाते हैं। इससे त्वचा पर जलन और खुजली होती है। इस बीमारी से संक्रमित होने वाले बच्चों को तेज बुखार भी आता है।

## 'बर्ड फ्लू' का नया वेरिएंट

कोरोना से जूझ रही दुनिया के लिए चीन में मिला एविएन बर्ड फ्लू का स्ट्रेन एच-3-एन-8 चिंता का सबब बन सकता है। इंसानों में पहली बार एच-3-एन-8 बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि पहली बार इंसानों में ये स्ट्रेन मिला है। हेनान प्रांत के मुर्गीपालक परिवार के एक चार साल के बच्चे में इसकी पुष्टि हुई है। बच्चे को बुखार की शिकायत के बाद पिछले दिनों अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

**पहले जानवरों में मिलता था:** अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एण्ड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुसार, पहली बार 2002 में एच-3-एन-8 एविएन फ्लू ने अमेरिकी पक्षी वॉटरफाउल को संक्रमित किया था। इसके बाद घोड़े, कुत्ते व दूसरे जानवर इसकी चपेट में आए थे। अब तक कोई इंसान इसकी चपेट में नहीं आया था। इंसानों में इसके पहुंचने से वैज्ञानिक चिंतित हैं।

## कोरोना जैसे 'लासा' के लक्षण

**लासा** फीवर दुनिया के लिए नई चुनौती खड़ी कर सकता है। नाइजीरिया सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल के अनुसार देश में इस वर्ष 88 दिन में लासा फीवर से 123 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं अब तक 659 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार लासा फीवर एक्यूट वायरल हैमोरेजिक फीवर होता है जो लासा वायरस के कारण होता है। लासा का संबंध वायरसों के परिवार एरिनावायरस से है। मनुष्य आमतौर पर इसकी चपेट में अफ्रीकी मल्टीमैमेट चूहों से आते हैं। खाद्य पदार्थ जो चूहों के यूरिन से संक्रमित होता है, उससे बीमारी फैलती है। लासा वायरस की चपेट में आने पर व्यक्ति को तेज बुखार, सिर दर्द, गले में खराश, मांसपेशी में दर्द, सीने में दर्द, डायरिया, खांसी, पेट दर्द और जी मिचलाता है। गंभीर मरीजों के चेहरे पर सूजन, फेफड़ों में पानी, मुंह और नाक से खून निकलने लगता है। मरीज के ब्लड प्रेशर में भी तेजी से गिरावट आने लगती है।

### 21 दिन तक असर

**मनुष्य** पर लासा फीवर का प्रभाव दो से 21 दिन तक रहता है। अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुसार इस बीमारी की पहली बार पुष्टि वर्ष 1969 में नाइजीरिया के लासा शहर में हुई थी। इसके बाद इसका नाम ही लासा रख दिया गया है। हर साल औसतन एक लाख से तीन लाख मामले आते हैं और पांच हजार मौत होती हैं। बेनिन, घाना, माली, सियरा लियोन, नाइजीरिया में इसका प्रकोप अधिक है।

*केन्द्र सरकार ने विदेशों में मंकीपॉक्स के बढ़ते मामलों को देखते हुए सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों को इससे निपटने के दिशा-निर्देश जारी किए है। राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से जिला तथा प्रखंड स्तर पर मंकीपॉक्स के संबंध में जागरूकता फैलाने को कहा गया है। रोगी के सम्पर्क में आने वाले लोगों को पीपीई किट का प्रयोग करना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि पूरी स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। विस्तृत दिशा-निर्देश मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा है कि देश में मंकीपॉक्स का अभी तक कोई मामला सामने नहीं आया है।*

अध्ययन

## 'जलपरी' की ममी पर अध्ययन

**जापान** में वैज्ञानिक सदियों पुरानी एक ममी का अध्ययन कर रहे हैं। यह ममी आधा इंसान और आधा मछली जैसी दिखती है। इस रहस्यमयी 'जलपरी' को कथित तौर पर 1736 और 1741 के बीच प्रशांत महासागर में पकड़ा गया था। करीब 300 सालों से यह असाकुची शहर के इंजुइन मंदिर में रखी गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस ममी के जटिल शरीर ने सबको हैरान किया हुआ है। इसका ऊपरी हिस्सा इंसान जैसा है, लेकिन निचला हिस्सा समय के साथ तेजी से पतला होता गया। इस वजह से यह किसी मछली की पूंछ जैसा दिख रहा है। ममी के रहस्यों का पता लगाने क लिए कुराशिकी विश्वविद्यालय के विज्ञान और कला के शोधकर्ता अध्ययन कर रहे हैं। सालों से लोग इसकी पूजा करते आए हैं। जापान में कहा जाता है कि एक महिला ने गलती से जलपरी का मांस खा लिया था तो वह 800 साल तक जीवित रही।

# सोए शिष्यत्व को उभारें

**यह जो जीवन की भागदौड़ है, उसमें कहीं न कहीं प्राप्ति की लालसा है। प्राप्ति की यह लालसा पूरी होती ही नहीं। व्यक्ति पाते ही रहना चाहता है, जिससे जीवन को पूर्णता मिले; पर ऐसा होता नहीं। अध्यात्म की सारी प्रक्रियाएं, मंत्र, जप, ध्यान, मन की बेचैनी के पार जाने की है, पर चैन तभी मिलता है, जब बेचैन व्यक्ति गुरू चरणों में नत मस्तक होता है। मुक्ति का मार्ग सिर्फ गुरू को ज्ञात है। गुरू पूर्णिमा (भगवान वेदव्यास जयंती) पर प्रस्तुत है, डॉ. प्रणव पंड्या का विद्वतापूर्ण आलेख।**

**गुरू** पूर्णिमा का दिन अध्यात्म जगत की सबसे बड़ी घटना के रूप में जाना जाता है। इस दिन गुरू और शिष्य की दो आत्माओं का मिलन, समर्पण तथा विसर्जन-विलय होता है। इस दिन गुरू के महाप्राण में शिष्य का विलीन हो जाता है। यह महापर्व जानने-समझने का कम, अनुभूति के महासागर में डूब जाने का अधिक है। यह पर्व अकथ-कथा है, अबोल-बोल है तथा अमूर्त-मूर्त है; क्योंकि गुरू शिष्य की आत्मा में जीता है। वह होता ही है सदैव शिष्य में और शिष्य का अपना कुछ नहीं होता। उसका अपना चोला भर होता है, भीतर तो गुरू की महाचेतना ही लहराती रहती है।

सद्गुरू सामान्य नहीं होते, वे महाचेतना के शक्तिपुंज होते हैं, परमात्मा के प्रखर प्रतिनिधि होते हैं। स्वयं परमात्मा इनकी नियुक्ति करता है और उनकी भावी कार्य योजना बनाता है। सद्गुरू भागवत योजना को लेकर धरती पर अवतरित होते हैं और कार्य को पूर्णता देकर पुन: भगवत् धाम लौट जाते हैं। उनकी कार्य-योजना में अपने शिष्य को खोजना, उसे गढ़ना और फिर उसे ढालना प्रमुख होता है। उन्हें सब कुछ योजना के अनुसार करना पड़ता है। उन्हें ही पता होता है कि वे क्या करते हैं और क्या करना है। उनके कार्य बड़े अजब-अनूठे व निराले होते हैं।

सामान्य ढंग से न तो उसे समझा जा सकता है और न उसका अंदाजा ही लगाया जा सकता है। गुरू का हर कार्य अनोखा और अद्भुत होता है। उसकी चाहत व प्रेम असाधारण होते हैं। उनका प्रेम शिष्य का परिष्कार कर उसे प्रेम के लायक बनाता है। शिष्य धुले और उसकी नस-नाड़ियों में प्रेम का रस बहे। बस, यही तो गुरू चाहते हैं। समर्थ गुरू की चाहत को पूरा करने का साहस समर्पित शिष्य को जुटाना पड़ता है। उसे इस कार्य में अपने समस्त अस्तित्व के साथ गुरू की शरण में जाना होता है। उसे हर परिस्थितियों में, मान-अपमान, लांछन-तिरस्कार में, यहां तक कि मृत्यु तुल्य कष्ट को झेलने के लिए सहर्ष तैयार एवं तत्पर रहना पड़ता है। यदि वह अपने मृत्यु के प्रमाण पत्र में अपने प्राण से हस्ताक्षर करता है, तभी वह अपने इष्ट की चाहत व प्रेम का सच्चा अधिकारी बन सकने की पहली शर्त पूर्ण करता है। इसके बाद गुरू का प्रेम जब शिष्य पर बरसता है, कृपा अवतरित होती है तो शिष्य का जीवन एक नये जन्म की ओर अग्रसर होता है।

गुरू उन पर दया करते हैं, जिनका मन और शरीर आध्यात्मिक शक्तियों को धारण और ग्रहण करने लायक नहीं होता और उन्हें उनके सांसारिक वैभव प्रदान करते हैं; परंतु जिनकी स्थिति इस लायक होती है, वे उन शिष्यों के चित्त में जमें सभी संस्कारों को धूल के समान झाड़ देते हैं। सत्पात्र शिष्यों पर गुरू-कृपा बरसती है। शिष्यत्व ग्रहण करने के लिए हमें उन्हीं के कार्यों को निष्काम भाव से करना चाहिए। गुरू स्मरण एवं गुरू कार्य से ही शिष्यत्व की पात्रता आती है।

# इंसानों में 'बर्ड फ्लू' का नया वेरिएंट

**कोरोना** से जूझ रही दुनिया के लिए चीन में मिला एविएन बर्ड फ्लू का स्ट्रेन एच-3-एन-8 चिंता का सबब बन सकता है। इंसानों में पहली बार एच-3-एन-8 बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि पहली बार इंसानों में ये स्ट्रेन मिला है। हेनान प्रांत के रहने वाले एक चार साल के बच्चे में इसकी पुष्टि हुई हैं। बच्चें को बुखार की शिकायत के बाद पिछले दिनों अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पहले जानवरों में मिलता था: अमेरिकी स्वास्थ्य एजेंसी सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एण्ड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुसार, पहली बार 2002 में एच-3-एन-8 एविएन फ्लू ने अमेरिकी पक्षी वॉटरफाउल को संक्रमित किया था। इसके बाद घोड़े, कुत्ते व दूसरे जानवर इसकी चपेट में आए थे। अब तक कोई इंसान इसकी चपेट में नहीं आया था। इंसानों में इसके पहुंचने से वैज्ञानिक चिंतित हैं।

मुर्गी पालन करता है बच्चे का परिवार: एनएचसी के अध्यक्ष संक्रमित बच्चे का परिवार मुर्गी पालन करता है। परिवार जहां रहता है वहां बत्तखों की संख्या भी अधिक हे। बच्चा पक्षियों के संपर्क में आने से संक्रमित हुआ है।

डॉ. अजय सिंह चुण्डावत
**M.B.B.S., M.D.**
एनेस्थिसियोलोजिस्ट

डॉ. (श्रीमती) कौशल चुण्डावत
**M.B.B.S., DGO**
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
गायनिक, सोनोलोजिस्ट

# संजीवनी हॉस्पीटल

50 बेड का मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पीटल आधुनिक मोड्यूलर ऑपरेशन थियेटर एवं सभी आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रसूति कक्ष

*साधारण, हाई रिस्क डिलीवरी, गर्भाशय का ऑपरेशन, सिजेरियन डिलीवरी, निसंतानता का निवारण, गर्भवती एवं समस्त प्रकार की स्त्री रोगों की नियमित जांच व इलाज*

पाठों की मगरी, सेवाश्रम चौराहा, उदयपुर (राजस्थान)

मोबाइल नं :- 9829934770

अपोईन्मेन्ट एवं पूछताछ के लिए सम्पर्क करें हेल्पलाइन :- 9829934770

Email:sanjivanihospitaludaipur@gmail.com
admin@sanjivanihospitaludaipur.org
Website : www.sanjivanihospitaludaipur.org

प्रत्यूष

# नए राज्यपालों की नियुक्ति की सुगबुगाहट

सत्यपाल मलिक

बी.डी. मिश्रा

गंगा प्रसाद

जगदीश मुखी

## सितंबर-अक्टूबर में खाली होने वाले पद अधिकांश पूर्वोत्तर राज्यों के, अंडमान-निकोबार के उप राज्यपाल का कार्यकाल भी पूरा हो रहा

**सितम्बर-अक्टूबर** में रिक्त होने वाले राज्यपालों और उप राजयपाल के कुछ पदों पर नियुक्तियों को लेकर राजनीतिक सुगबुगाहट शुरू हो गई है। जिन राज्यपालों का कार्यकाल खत्म हो रहा है, उनमें मेघालय, असम, अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम के राज्यपाल और अंडमान-निकोबार के उप राज्यपाल शामिल हैं।

वहीं, नगालैंड के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार अभी असम के राज्यपाल जगदीश मुखी के पास है। राज्यपालों की यह रिक्तियां राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव के ठीक बाद होगी। जिन पांच राज्यों के नए राज्यपालों की नियुक्ति संभावित है, वह सभी पूर्वोत्तर के हैं। ऐसे में इन राज्यों की मौजूदा राजनीति स्थिति को भी देखा जाएगा। क्योंकि इन नियुक्तियों में राजनीतिक संदेश भी होता है, जिसका सीधा असर चुनावी राजनीति पर पड़ता है। असम के राज्यपाल जगदीश मुखी, अरुणाचल के राज्यपाल बीडी मिश्रा, सिक्किम के राज्यपाल गंगा प्रसाद और अंडमान-निकोबार के उप राज्यपाल डीके जोशी का कार्यकाल अक्टूबर में खत्म हो रहा है, जबकि मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक का कार्यकाल, सितम्बर में समाप्त हो जाएगा। पुडुचेरी में भी उप राज्यपाल का पद रिक्त है, जिसका अतिरिक्त प्रभार तेलंगाना की राज्यपाल तमिल साई सुंदरराजन के पास है। इसके अलावा दो राज्यपाल ऐसे हैं, जिनका पांच साल का कार्यकाल पहले ही पूरा हो चुका है और उनका दूसरा कार्यकाल चल रहा है। इनमें पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत हैं। हालांकि इस दौरान इन दोनों के राज्य जरूर बदले हैं। दिल्ली के उप राज्यपाल अनिल बैजल का भी दूसरा कार्यकाल ही चल रहा है।

**मुखर हैं मलिक:** मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक केन्द्र सरकार और भाजपा को लेकर मुखर रहे हैं। वह किसान आंदोलन के समय व उसके बाद मुद्दों पर भी आलोचना करते रहे हैं। ऐसे में उन्हें बीच में ही हटाए जाने की अटकलें भी चलीं, लेकिन सरकार ने उनके कार्यकाल को पूरा कराना ही उचित समझा।

*- रामनारायण श्रीवास्तव*

### राज्यपाल के लिए चर्चित नाम

**भाजपा** में जिन नेताओं का नाम भावी राज्यपालों के लिए चल रहा है, उनमें कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा प्रमुख हैं। कर्नाटक में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले उन पर दांव लगाकर भाजपा राज्य के सबसे मजबूत माने जाने वाले लिंगायत समुदाय को एक बड़ा संदेश दे सकती है। राज्य के मुख्यमंत्री बसवाराज बोम्मई भी लिंगायत समुदाय से ही आते हैं। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रेमकुमार धूमल और बिहार के वरिष्ठ नेता सीपी ठाकुर का नाम भी चर्चा में हैं।

**कैसा लगा यह अंक**

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे? किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें। आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

Khiv Singh Rajpurohit
(Managing Director)
94141-04766

# BKMGPL

*All Kinds of Marble and Granite Block, Slabs & Tiles*

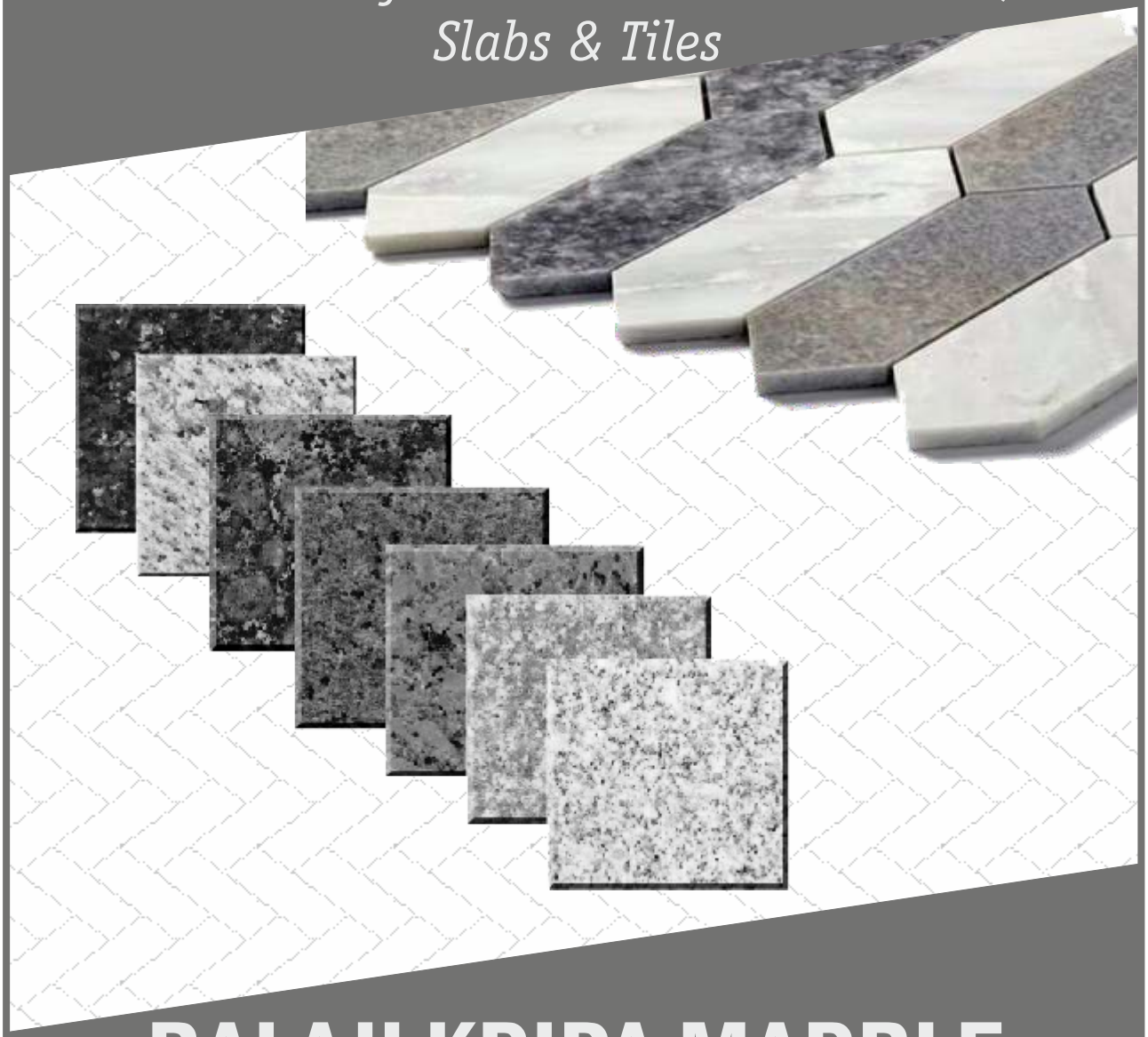

# BALAJI KRIPA MARBLE & GRANITE PVT. LTD.

398-399, Sukher Industrial Area, Sukher, Udaipur (Rajasthan) India
Phone : +91-294-2442370, Fax : +91-294-2441773
e-mail: balajikripa.udr@gmail.com

# तिलक के नारे से मजबूत हुआ आज़ादी का संघर्ष

*डॉ. अंजना गुर्जरगौड़*

**आजादी** कहें या स्वतंत्रता ये ऐसा शब्द है जिसमें पूरा आसमान समाया है। आजादी एक स्वाभाविक भाव है या यूं कहें कि आजादी की चाहत मनुष्य को ही नहीं जीव-जंतु और वनस्पतियों में भी होती है। सदियों से भारत अंग्रेजों की दासता में था। उनके अत्याचार से जन-जन त्रस्त था। खुली फिजां में सांस लेने को बेचैन भारत में आजादी का पहला बिगुल 1857 में बजा, किंतु कुछ कारणों से वह गुलामी के बंधन से मुक्त नहीं हो सका। वास्तव में आजादी का संघर्ष तब अधिक तेज हो गया, जब बाल गंगाधर तिलक ने कहा कि स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

बालगंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के गांव चिखली में हुआ। उन्हें बचपन से पढ़ाई-लिखाई का माहौल मिला। उनके पिता गंगाधर शास्त्री रत्नागिरी में संस्कृत विद्वान और स्कूल शिक्षक थे। उनकी माता पार्वती बाई थीं। 1871 में तिलक ने तापीबाई से शादी की, जो बाद में सत्यभामा बाई के रूप में प्रख्यात हुई। अंग्रेजी शिक्षा के आलोचक तिलक स्कूल और कॉलेज में गणित पढ़ाते थे। उन्होंने भारत में शिक्षा सुधार के लिए दक्खन शिक्षा सोसायटी की स्थापना की। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध और जनता में आजादी की चाह जगाने के लिए तिलक ने अंग्रेजी में 'मराठा दर्पण' और मराठा में 'केसरी' नामक दैनिक समाचार पत्र शुरू किए। इन्हें जनता ने खूब सराहा। सत्ता के विरुद्ध पत्रकारिता करने की वजह से उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा।

भारतीय राजनीति में लाल-बाल-पाल की जोड़ी ने कमाल कर दिखाया। इनकी जोड़ी के संघर्ष के कारण ही देश को आजादी का स्वाद चखने को मिला। बाल गंगाधर तिलक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में 1890 में शामिल हुए। 1907 में कांग्रेस गरम दल और नरम दल में विभाजित हो गई। इसलिए तिलक गरम दल में शामिल हो गए। गरम दल में तिलक के साथ लाला लाजपत राय और बिपिन चन्द्र पाल शामिल थे। 1908 में उन्हें प्रफुल्ल चाकी और खुदीराम बोस के बम हमले का समर्थन करने पर म्यांमार स्थित मांडले की जेल भेज दिया गया। जेल से छूट कर वे फिर कांग्रेस में शामिल हो गए और 1916 में एनी बेसेंट और मुहम्मद अली जिन्ना के साथ अखिल भारतीय होम रूल लीग की स्थापना की। तिलक कई बार जेल गए, लेकिन अपने लक्ष्य पर डटे रहे। वे एक आंदोलनकारी और शिक्षक के अलावा समाज सुधारक भी थे। उन्होंने बाल विवाह जैसी कुरीतियों का विरोध किया और इसे प्रतिबंधित करने की मांग की। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह का भी समर्थन किया। आंदोलन, विभिन्न पत्रों और भाषणों के माध्यम से देश की आवाम को एक साथ लाने वाले तिलक कुशल संयोजक भी थे। उन्होंने गणेश उत्सव और शिवाजी जन्मोत्सव जैसे सामाजिक उत्सव शुरू किए।

तिलक ने कई पुस्तकें लिखीं, लेकिन उनके द्वारा मांडले जेल में लिखी गई गीता रहस्य सर्वोत्कृष्ट है, जिसका कई भाषाओं में अनुवाद हुआ है। उनकी प्रमुख पुस्तकें हैं-वेदकाल का निर्णय, श्रीमद्भागवतगीता रहस्य या कर्मयोग शास्त्र, आर्यों का मूल निवास स्थान, हिंदुत्व, श्यामजी कृष्ण वर्मा को लिखे तिलक के पत्र, वेदों का काल निर्णय और वेदांग ज्योतिष आदि।

बाल गंगाधर तिलक मधुमेह के शिकार हो गए और उनका स्वास्थ्य दिन-प्रतिदिन बिगड़ता चला गया। जुलाई 1920 में उनकी हालत खराब हो गई और 1 अगस्त को मुंबई में उनका निधन हो गया। मरणोपरांत श्रद्धांजलि देते हुए गांधीजी ने उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता कहा और जवाहरलाल नेहरू ने भारतीय क्रांति का जनक बताया। आजादी का बिगुल बजाने वाले तिलक ने ब्रिटिश राज की क्रूरता की निंदा अपने लेखों में भी की। उन्होंने देश की जनता को आजादी के लिए प्रेरित किया। इसलिए उन्हें लोकमान्य की उपाधि दी गई। बाल गंगाधर तिलक को हिंदू राष्ट्रवाद का पिता भी कहा गया।

# With Best Compliments

**Dr. Sunil Goyal**
M.S. (Surgery)

Tel. : 0294-2640852 (Hosp.)
2640251, 3291459 (R)

# RAJASTHAN HOSPITAL & RESEARCH CENTRE

● MEDICAL ● SURGICAL ● MATERNITY

69, I-Block, Sector-14, Goverdhan Villas, UDAIPUR (Raj.)

Res. : 54, I-Block, Sector-14, Goverdhan Villas, UDAIPUR (Raj.)

E-mail : Karunagoyal@hotmail.com, rajhospital20@yahoo.com

*Suyog Mattha*
*Director*

# With Best Compliments

# Shree Matta Fabrication Works

***Automation System For Rolling Shutter, Gates, Doors and Barriers***

**17, B Surbhi Vihar I/s Keshav Nagar, Udaipur (Raj.)**
Mobile : 9414158875, 9414168935
E-mail : smatthafabrications@gmail.com

# बरसात में 'हेपेटाइटिस' का खतरा ज्यादा

**हेपेटाइटिस एक जानलेवा बीमारी है, जिसका आतंक बरसात के मौसम में और अधिक बढ़ जाता है। इस मौसम में इस बीमारी से बचाव के लिए क्या करें, क्या नहीं, विश्व हेपेटाइटिस दिवस (28 जुलाई) के मौके पर आपको पूरी जानकारी दे रही हैं- 'विनीता झा'**

बारिश के मौसम में कई बीमारियों की आशंका रहती है। हेपेटाइटिस इनमें प्रमुख है, जो काफी खतरनाक है। यह एक वायरसजनित रोग है, जो लीवर को नुकसान पहुंचाता है। अंतिम स्थिति में हेपेटाइटिस लीवर सिरोसिज और लीवर कैंसर का कारण भी बनता है। हेपेटाइटिस को एड्स से भी ज्यादा घातक रोग माना जाता है। हेपेटाइटिस से मरने वालों की संख्या एड्स से मरने वालों की तुलना में 10 गुना अधिक बताई जाती है। भारत में हेपेटाइटिस के टीके उपलब्ध होने के बावजूद हर साल दो लाख से ज्यादा लोग हेपेटाइटिस की वजह से मरते हैं।

## विभिन्न रूपा यह रोग

हेपेटाइटिस मूल रूप से पांच प्रकार का होता है- ए,बी,सी,डी और ई। भारत की बात करें तो यहां हेपेटाइटिस के सभी रूप मिलते हैं। हेपेटाइटिस डी डेल्टा वायरस है, जो बी के साथ ही मिलता है। हेपेटाइटिस ए और ई का संक्रमण प्रदूषित खाद्य पदार्थों और दूषित पानी पीने से होता है। साफ-सफाई से न रहने और खाने से पहले कीटाणुनाशक साबुन से हाथ न धोने से इस रोग का जोखिम बढ़ जाता है। हेपेटाइटिस बी और सी का संक्रमण कई कारणों से रक्त के जरिये होता है। जैसे सुई से लगी चोट, इंजेक्शन द्वारा ड्रग लेना और हेपेटाइटिस से संक्रमित किसी व्यक्ति के रक्त के संपर्क में आना। टैटू गुदवाना, किसी संक्रमित व्यक्ति का टूथब्रश और रेजर इस्तेमाल करना और असुरक्षित यौन संपर्क जोखिम बढ़ा सकता है।

## पहचानें कैसे?

हेपेटाइटिस के लक्षणों में उल्टी, बुखार और पीलिया शामिल है। हेपेटाइटिस ए और ई के लक्षण 15 से 30 दिन के भीतर दिखाई देने शुरू होते हैं। हेपेटाइटिस बी के लक्षण क्रमिक होते हैं। जी मिचलाना, भूख कम लगना, पेट के ऊपरी दाहिने भाग में दर्द होना, पेशाब का गाढ़ा पीले रंग का होना, कुछ रोगियों के मल का रंग पीला होना आदि प्रमुख हैं।

## क्या है उपचार

चिकित्सक को सबसे पहले यह देखना होता है कि रोगी को किस प्रकार का हेपेटाइटिस है, इस बात पर उपचार का विकल्प निर्धारित होता है। यह देखना होता है कि संक्रमण तीव्र है या फिर पुराना। हेपेटाइटिस ए और बी के अधिकतर मामलों में लक्षणों के आधार पर इलाज किया जाता है। जैसे बुखार के लिए अलग से दवा दी जाती है और पेट में दर्द के निवारण के लिए अलग से। जो रोगी क्रोनिक हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी से ग्रस्त हैं, उनका इलाज एंटी वायरल दवाओं (जिन्हें इंटरफेरन्स कहा जाता है) से किया जाता है। इस प्रकार लीवर सिरोसिस और लीवर कैंसर होने का जोखिम कम हो जाता है। हेपेटाइटिस बी या हेपेटाइटिस सी के कारण होने वाली लीवर की बीमारी की गंभीर अवस्था में लीवर ट्रांसप्लांट ही एकमात्र कारगर विकल्प होता है। हेपेटाइटिस डी का इलाज अल्फा इंटरफेरन्स के इंजेक्शन से किया जाता है।

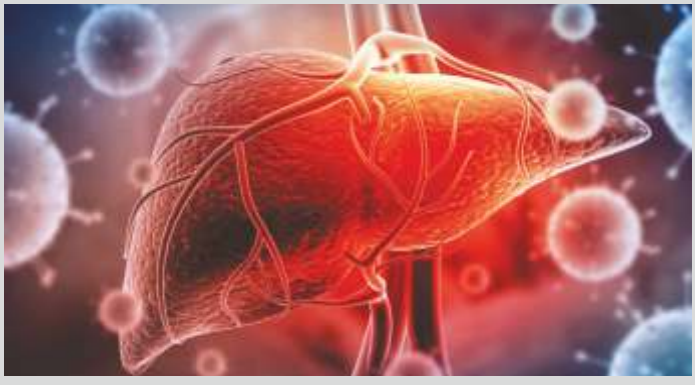

## बरसात में असरकारी

**हेपेटाइटिस** ए वायरल संक्रमण है, जो बारिश के कारण हुए संक्रमित भोजन अथवा पानी के सेवन से होता है। यह लीवर को प्रभावित करता है। हेपेटाइटिस 'ई' बीमारी वैसे तो साल भर होती रहती है, लेकिन बरसात के मौसम में और बरसात खत्म होते ही इसका प्रकोप बहुत बढ़ जाता है। इससे बचने का एकमात्र उपाय स्वच्छ पानी पीना है। अगर संभव हो तो पानी को फिल्टर करने के बाद भी उबालकर ही पीना चाहिए, ताकि हेपेटाइटिस 'ई' के विषाणुओं से पूरी तरह बचाव हो सके।

## वैक्सीन पहले ही लगवाएं

हेपेटाइटिस ए और बी की रोकथाम के लिए वैक्सीन उपलब्ध है। नवजात बच्चों को ये वैक्सीन लगवानी चाहिए। फ्लिहाल हेपेटाइटिस ई से बचाव के लिए कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है।

## इनसे कैसे बचे रहें

बचाव के लिए पहले तो स्क्रीनिंग जरूरी है। एक साधारण खून की जांच से यह पता चल जाए कि आप इस संक्रमण से बचे हुए हैं। ऐसी स्थिति में कोई देरी किए बगैर टीका ले लें। खुद ही नहीं, परिवार के हर सदस्य को टीका लगवा दें, अगर वे सभी संक्रमण से बचे हुए हैं। आसपास का माहौल साफ-सुथरा रखें।

## डाइट का रखें ध्यान

लीवर की बीमारियों में मरीज को पौष्टिक खाना लेना चाहिए। कार्बोहाइड्रेट वाली सब्जियां खाने से शरीर को ज्यादा ताकत मिलती है। घर में बने जूस का सेवन करें। सही खानपान से अलग- अलग तरह के विटामिन भी शरीर में पहुंचते हैं, जिससे रोगों से लड़ने की क्षमता का विकास होता है। इसके लिए ताजे फ्ल, हरी सब्जियां और दालों का सेवन ठीक मात्रा में करें। दही का प्रयोग भी करना चाहिए। शरीर में विटामिन सी की मात्रा को पूरा करने के लिए हरी सरसों, नींबू, संतरा, फूलगोभी, स्ट्राबेरी, आम, शिमला मिर्च और ब्रोकली का सेवन करना चाहिए। विटामिन ई की कमी को पूरा करने के लिए बादाम, सूर्यमुखी के बीज, नाशपाती, टमाटर, सभी तरह के अनाज और हरी पत्तेदार सब्जियों का प्रयोग करें। सोयाबिन, मछली, चना और ब्राउन राइस अपने भोजन में उचित मात्रा में शामिल करें।

## आम, अंगूर, बादाम खाएं

■ गरम मसालेदार व भारी भोजन से बचें।
■ शाकाहारी भोजन का सेवन करें।
■ मैदा, पॉलिश्ड राइस व बहुत मात्रा में सरसों का तेल, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, हींग, मटर, पेस्ट्री, चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक के सेवन से बचें।
■ गेहूं का आटा, आम, चावल, केले, टमाटर, आंवला, अंगूर, नींबू, सूखे खजूर, किशमिश, बादाम, और इलायची का सेवन करना चाहिए।
■ अनावश्यक व्यायाम व तनाव की स्थिति से बचें। ■ धूप में अधिक कार्य न करें।

**डॉ. प्रताप चौहान, आयुर्वेदाचार्य**

# डॉ. सुशान्त जोशी

**(एम.एस., ई.एन.टी.), कान, नाक, गला, मुख और गला कैंसर रोग विशेषज्ञ**

## !! एक छोटी सी पहल !!

*अगर आपकी आयु 65 वर्ष से अधिक है तो आपसे 40 प्रतिशत कम परामर्श शुल्क लिया जाएगा (मात्र 200/- रुपए)*
*अगर आप गर्भवती महिला या दिव्यांग हैं तो आपको बिना प्रतीक्षा तुरंत सेवा दी जाएगी।*

**अगर आप महीने के पहले व तीसरे मंगलवार को दिखाने आए तो आपसे कोई परामर्श शुल्क नहीं मांगा जाएगा एवं इच्छानुसार प्राप्त शुल्क की असहाय एवं गरीब बच्चों के स्वास्थ्य व शिक्षा के लिए उपयोग में लिया जाएगा।**

ENT FOR ALL

# जोशी ई.एन.टी. क्लिनिक

आकार कॉम्पलैक्स के पास, पवन मेडिकल के पीछे, मैन यूनिवर्सिटी रोड, उदयपुर ( राज. ) 313001

✆ 0294-2940888, 8003494667

प्रत्यूष

# कोविड से लड़खड़ाई अर्थव्यवस्था

**उबरने में लगेंगे 12 साल**

**2020-21, 2021-2022 और 2022-2023 में उत्पादन को हुआ नुकसान क्रमशः 19.1 लाख करोड़, 17.1 लाख करोड़ और 16.4 लाख करोड़ रूपए रहा है।**

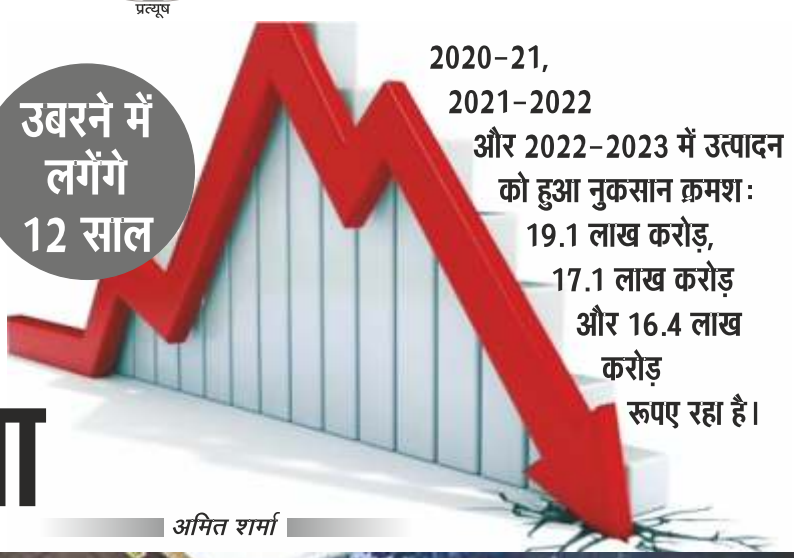

*अमित शर्मा*

**भारतीय** रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की एक रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 महामारी से हुए नुकसान से पूरी तरह उबरने में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक दशक से भी अधिक वक्त लग सकता है। इस रिपोर्ट में अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि महामारी की अवधि में भारतीय अर्थव्यवस्था को लगभग 52 लाख करोड़ रूपए की उत्पादन क्षति हुई है। भारत कोविड-19 से हुए नुकसान की भरपाई 2034-35 तक कर पाएगा।

रिजर्व बैंक की वर्ष 2021-22 के लिए 'मुद्रा व वित्त पर रिपोर्ट (आरसीएफ)' के 'महामारी के निशान' अध्याय में ऐसा अनुमान जताया गया है। इसके मुताबिक, कोविड-19 की बार-बार लहरें आने से पैदा हुई अव्यवस्था अर्थव्यवस्था के सतत पुनरूद्धार के आड़े आई और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के तिमाही रूझान में भी महामारी के मुताबिक उतार-चढ़ाव आए।

रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में महामारी की पहली लहर आने से अर्थव्यवस्था में गहरा संकुचन आया था। हालांकि उसके बाद अर्थव्यवस्था ने तेज गति पकड़ ली थी। लेकिन 2021-22 की अप्रैल-जून तिमाही में आई महामारी की दूसरी लहर ने इस पर गहरा असर डाला। फिर जनवरी 2022 में आई तीसरी लहर ने पुनरूद्धार की प्रक्रिया को आंशिक रूप से बाधित किया। रिपोर्ट में कहा गया,'महामारी बहुत ही बड़ा घटनाक्रम रहा है और इससे उत्प्रेरित होकर चल रहे ढांचागत परिवर्तनों से

**कोविड से पहले के समय में वृद्धि दर 6.6 फीसद (2012-13 से 2019-20 के लिए चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) के आसपास थी। मंदी के समय को छोड़ दें तो यह 7.1 फीसद (2012-13 से 2016-17 में चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) रही है।**

मध्यवधि में वृद्धि की राह बदलने की आशंका है।'रिपोर्ट के मुताबिक, कोविड से पहले के समय में वृद्धि दर 6.6 फीसद (2012-13 से 2019-20 के लिए चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) के आसपास थी। मंदी के समय को छोड़ दें तो यह 7.1 फीसद (2012-13 से 2016-17 में चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) रही है।

इसके मुताबिक,'2020-21 के लिए वास्तविक वृद्धि दर नकारात्मक 6.6 फीसद, 2021-22 के लिए 8.9 फीसद और 2022-23 के लिए 7.2 फीसद की अनुमानित वृद्धि दर को देखते हुए अनुमान है कि भारत कोविड-19 से हुए नुकसान की भरपाई 2034-35 तक कर पाएगा।'रिपोर्ट में बताया गया कि 2020-21, 2021-22 और 2022-23 में उत्पादन को हुआ नुकसान क्रमशः 19.1 लाख करोड़ रूपए, 17.1 लाख करोड़ रूपए और 16.4 लाख करोड़ रूपए रहा है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट बता रही है कि देश की अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियां अभी कम नहीं हुई हैं। हालांकि अर्थव्यवस्था अब संकट के उस दौर से बाहर आ चुकी है जो कोरोना महामारी से उपजे हालात के कारण पैदा हो गया था। इसलिए जोखिम का स्तर अब पहले वाला तो नहीं ही है। पर अभी हालात पूरी तरह से पटरी पर आने में काफी समय लगेगा।

# हार्दिक श्रद्धांजलि

भगवती लाल जी साहू
12.03.2022

उल्लासी बाई साहू
05.12.2015

RTN

# राज तिलक नमकीन

*नमकीन एवं मठड़ी के होलसेल व रिटेल विक्रेता*

❖ गाठिया ❖ जीरा मठड़ी ❖ मैथी मठड़ी ❖ मैथी कतली
❖ शक्कर पारा ❖ नमकीन काजू ❖ ड्राय समोसा ❖ हींग कचौरी

**भाखरवड़ी**

एवं सभी प्रकार के मैदे के आइटम के होलसेल विक्रेता

*नवीन साहू, डायरेक्टर,* **9214441288**

1, तीज का चौक, संतोषी माता के मंदिर के पास, धानमण्डी (राज.)

*Jinendra Vanawat*
*Director*

# RS-CIT

*Mob. No. 8003699621*

# Everest Technical EDUCATION PVT. LTD.

(A Company Dedicated for Skill Development)
**Corp. Off.:** 229, IInd Floor, Anand Plaza
University Road, Udaipur (Raj.) 313 001
**Ph.: (0294) 5101501 E-mail.: j_vanawat@hotmail.com**

**Authorised Service Provider**

RKCL
*IT shapes future*
(Rajasthan Knowledge Corporation Limited)

## RAJASTHAN KNOWLEDGE CORPORATION LIMITED

(A Public Limited Company Promoted by Govt. of Raj.)
Head off.: 7 A, Jhalana Institutional Area, Jaipur - 302004 www.rkcl.in

# रचना की सखेद वापसी

*डॉ. श्याम मनोहर व्यास*

**संपादक** और लेखक का चोली दामन का साथ होता है। लेखक चाहे कितना ही ख्यात साहित्यकार हो, सम्मनित हो, पुरस्कृत हो पर कोई संपादक अपनी पत्रिका में उनकी रचना नहीं छापता तो वह अपने को अपमानित ही महसूस करेगा। पुराने समय की तुलना में आज पत्र-पत्रिकाएं नए रूप में अधिक निकल रही हैं पर गुणात्मक व चिंतन की दृष्टि से पुरानी पत्रिकाओं से उन्नीस ही ठहरती है। पहले पत्र-पत्रिकाओं के संपादक जाने-माने लेखक-साहित्यकार हुआ करते थे। आज वह बात नहीं है। आज कोई पत्रकारिता का कोर्स पासकर अपनी पहुंच के आधार पर पहले किसी बड़ी पत्र-पत्रिका का उपसंपादक बन जाता है, फिर संपादक बनकर अपनी विचारधारा बलात दूसरों पर लादना चाहता है। खैर अब रचना प्रकाशन की बात करें। आजकल कई संपादक लेखक की रचना सखेद लौटा देते हैं। इसमें असली खेद संपादक को नहीं, वरन लेखक को ही होता है। यह तो मात्र औपचारिकता है। इसमें भी संपादकगण अपनी अलग ही प्रतिभा का परिचय देते हैं। एक बार एक लेखक ने संपादन को रचना भेजी, संपादक ने रचना अस्वीकृत कर लिखा-

महोदय,

आपकी रचना के लिए धन्यवाद, पर रचना का स्तर इतना उच्च कोटि का है कि हमारी समझ के बाहर है। अत: आप इसे अन्यत्र भेज दें।

कई बार संपादक के पास इतनी संख्या में रचनाएं आ जाती हैं कि वह उन्हें पूरी तरह से पढ़े बिना ही लौटा देता है। एक बार लेखक ने प्रेषित रचना के बीच के पन्ने मामूली रूप से चिपका कर भेंजे, आप विश्वास कीजिए वह रचना अस्वीकृत होकर आई और रचना के बीच के पृष्ठ चिपके ही थे। एक बार एक पत्रिका से रचना सखेद वापस आ गई। लेखक ने उसे अन्य पत्रिका को भेज दिया। रचना उसमें ससम्मान प्रकाशित हो गई। यह पत्रिका पूर्व पत्रिका से सामग्री की गुणवत्ता की दृष्टि से भी श्रेष्ठ थी। कई बार नवोदित लेखकों के पास लौटी गई रचनाओं का ढेर लग जाता है। इस पर एक ने तो कविता ही लिख डाली।

***देखिये, उनकी साहित्यिक उपलब्धि***
***जमा हो गई, पांच सात किलो रद्दी।***

नए लेखक घबराएं नहीं, धैर्य रखें। घूरे के दिन फिरेंगे और आपकी रचनाएं भी पत्र-पत्रिकाओं में अवश्य छपेगी। यदि रचना लौटती है तो इस पर भी विचार करें कि भेजी गई रचना में क्या कमी रही, जिसके कारण वह लौटा दी गई। उसे दुबारा पढ़िए और कांट-छांट कर संशोधन कर पुन: भेजे। स्तरीय रचना होने पर वह अवश्य पत्रिका में स्थान पाएगी। विदेशों में भी ऐसे कई साहित्यकार हुए जिनकी प्रारंभ में संपादकों ने रचनाएं लौटा दी, पर उन्होंने हार नहीं मानी। लेखन के बल पर उन्होंने नाम कमाया, उच्च कोटि की पुस्तकें लिखी। लेखन के बल पर धनोपार्जन भी किया। लेखक अस्वीकृति की दशा में यदि रचना वापस मंगवाना चाहता है तो टिकट लगा लिफाफा भी भेजना चाहिए। अन्यथा अस्वीकृत रचनाएं नष्ट कर दी जाती है। रचना भेजते समय लिफाफे पर पर्याप्त डाक टिकट भी लगाएं अन्यथा कई बार रचनाएं बेरंग लौट आती हैं। अच्छी व स्तरीय पत्रिका में रचना छपने पर लेखक का उत्साह बढ़ता है। उसे आगे के लिए प्रोत्साहन मिलता है। एक लेखक ने लिखा है कि आजकल मीडिया व कम्प्यूटर के युग में कलम के मजदूर की कीमत कम हो गई है। पत्र-पत्रिकाओं को इंटरनेट व फीचर सेवाओं ने घेर लिया है। लेखक को इस घेरे को तोड़कर अपनी रचना छपवाना कठिन हो रहा है। पत्र-पत्रिका का कलेवर, पाठ्य सामग्री शैली आदि बदलते जा रहे हैं। अत: नवोदित लेखकों को ये सब बातें ध्यान में रख कर ही लिखना होगा। धैर्य रखें, रचना अवश्य छपेगी।

**कैसा लगा यह अंक**

**प्रत्यूष**

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे?
किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें।
आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

HONDA
The Power of Dreams
सच कर देंगे सपने
ACTIVA 6G
6 Changes the game
A QUIET REVOLUTION
Commerce House, Town Hall Road, Udaipur City, Udaipur-Rajasthan – 313001
+919672978090,+919672978096
Honda is HONDA

# जगन्नाथ रथयात्रा औपचारिकता नहीं, अनुष्ठान

*विष्णु शर्मा हितैषी*

**हिन्दू** धर्म में चार धाम का बहुत महत्व है। इन्ही में से एक है, जगन्नाथपुरी जो भारत के पूर्वी हिस्से में स्थित ओडिशा प्रदेश के तटवर्ती क्षेत्र में है। भगवान विष्णु के आठवें अवतार श्रीकृष्ण का रूप हैं श्री जगन्नाथ, यानी जगत के स्वामी। भारतीय पुराणों में जिन सात नगरियों को मोक्ष देने वाली माना गया है, उनमें पुरी भी एक है। जगन्नाथपुरी को 'पुरूषोत्तम क्षेत्र' व 'श्री क्षेत्र' भी कहा जाता है। अथर्ववेद से लेकर ब्रह्म पुराण तक सारे ग्रन्थों में भगवान जगन्नाथ की अनुपम महिमा का वर्णन है। यहां निर्मित भव्य मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण 'जगन्नाथ' रूप में अपने ज्येष्ठ भ्राता बलभद्र जी और भगिनी सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। तीनों के विग्रह काष्ठ निर्मित हैं।

कहा जाता है कि सबसे पहले भगवान जगन्नाथ की पूजा आदिवासी समुदाय के विश्ववसु ने नीलमाधव के रूप में की थी। इस मंदिर का निर्माण कलिंग राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव ने करवाया था। ओडिशा शासक अनंग भीमदेव ने 12वीं शताब्दी में मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया। मंदिर का स्थापत्य कलिंग शैली का है। सबसे पहले मालवा नरेश इन्द्रद्युम्न को स्वप्न में नीलमणि से निर्मित जगन्नाथ की मूर्ति स्वप्न में दिखाई दी थी। जगन्नाथपुरी में प्रतिवर्ष आषाढ़ शुक्लपक्ष की द्वितीया तिथि से रथ यात्रा का आयोजन होता है। तीनों भाई-बहन काष्ठ निर्मित अलग-अलग भव्य रथों में बैठकर 3 किलोमीटर दूर गुंडिचा मंदिर जाते हैं। गुंडिचा इनकी मौसी का घर है। इस दिन जगन्नाथपुरी में इन रथों को खींचने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित होते हैं। खुले आसमान के नीचे कभी वर्षा में भीगते तो कभी तेज धूप में अपने तेज को प्रकट करते हुये गुलाब की पंखुरियों के सौरभ के बीच विराजित भगवान जगन्नाथ मानव समाज को आनंद बांटते हुए शनै-शनै अपने लाखों भक्तों के साथ आगे बढ़ते हैं। आषाढ़ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को तीनों भाई-बहन पुन: अपने धाम लौट आते हैं। इस बार इस विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का 5-5 लाख का बीमा भी होगा। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के लिए रथों का निर्माण प्रतिवर्ष नई लकड़ी से किया जाता है और इसे वे लोग ही बनाते हैं, जिन्हें इसका वंशानुगत विशेषाधिकार है। तीनों रथों के नाम भी अलग-अलग हैं। भगवान जगन्नाथ का रथ 'नन्दीघोष' के नाम से जाना जाता है। जबकि उनके बड़े भाई बलभद्र के रथ को 'तालध्वज' कहते हैं। सुभद्रा जिस रथ में विराजती हैं, वह 'देवदलन' होता है। इस यात्रा में कृष्ण के चार मधुर विग्रह भी शामिल होते हैं। मदनमोहन को भगवान जगन्नाथ के रथ में बिठाया जाता है जबकि भगवान श्रीराम और कृष्ण के दो विग्रह बलभद्र के साथ उनके रथ में सवार होते हैं। सुभद्रा के 'देवदलन' रथ में 'सुदर्शन' विग्रह विराजमान होता है। भगवान जगन्नाथ का रथ 45 फीट ऊंचा और करीब इतना ही चौड़ा होता है इसमें 7-7 फीट व्यास के 16 पहिये होते हैं। बलभद्र जी के 'तालध्वज' में 14 और सुभद्रा के 'देवदलन' रथ में 12 पहिये होते हैं। प्रत्येक रथ में भिन्न-भिन्न सारथी होते हैं। भगवान जगन्नाथ के सारथी मातलि हैं। बलभद्र के दारूक और सुभद्रा के सारथी अर्जुन स्वरूप होते हैं। रथ यात्रा 10 दिन का ही पर्व नहीं, बल्कि यह वर्षभर चलने वाला अनुष्ठान है। माघशुक्ल पंचमी से रथ निर्माण के लिए मंदिर में नई लकड़ियों का आना शुरू हो जाता है, अक्षय तृतीया से रथों का निर्माण शुरू होता है। इस बार रथ के निर्माण में करीब 200 कारीगरों व शिल्पियों का योगदान रहा है।



## खिचड़ी का भोग

**जगन्नाथपुरी** में खिचड़ी भोग की परम्परा है, कहा जाता है कि पुरी कि कर्मा बाई भगवान जगन्नाथ को रोज़ाना पुत्र रूप में याद करते हुए उनकी पूजा करती थीं, एक दिन उसकी इच्छा भगवान को अपने हाथों से बनाकर कुछ खिलाने की हुई। भक्तमाता कर्मा की इच्छा जानते हुए भगवान उसके समक्ष प्रकट हुए और बोले– 'माता, बहुत भूख लगी है।' कर्माबाई ने खिचड़ी बनाई थी, जिसे उसने भगवान को परोसा उन्होंने रूचि के साथ खिचड़ी खाई और कहा– 'माँ, मेरे लिये रोज खिचड़ी बनाया करो।' एक दिन कर्माबाई को पूजापाठ में विलम्ब हो गया, इसी दौरान भगवान खिचड़ी खाने पहुंच गए। बोले– 'शीघ्र करो माँ, मंदिर के पट खुल जाएंगे, मुझे जाना है।' उन्होंने जल्दी–जल्दी खिचड़ी खाई और मंदिर की ओर दौड़ पड़े। उनके मुंह पर जूठन लगी रह गई। मंदिर के पुजारी ने देखा, तो पूछा–'यह क्या है भगवन्! भगवान ने अपनी भक्तमाता के यहां रोज सुबह खिचड़ी खाने की बात बताई। एक दिन कर्माबाई की मृत्यु हो गई। मंदिर के पुजारी ने देखा, भगवान की आंखों से अश्रुधारा बह रही है। पुजारी ने कारण पूछा तो भगवान ने बताया–'मेरी माँ परलोक चली गई, अब मुझे इतने स्नेह से खिचड़ी कौन खिलाएगा? 'पुजारी ने कहा–'प्रभु, यह काम हम करेंगे।' माना जाता है कि तब से रोज़ सुबह भगवान जगन्नाथ को खिचड़ी का ही भोग लगता है। चैतन्य महाप्रभु ने जीवन के आखिरी वर्ष अपने इष्ट भगवान जगन्नाथ की नगरी में ही व्यतीत किए थे।

## यहां भी निकलती है रथ यात्रा

### रांची

**जगन्नाथपुरी** जैसा भगवान जगन्नाथ का एक और मन्दिर झारखंड की राजधानी रांची में है। इसका निर्माण नागवंशीय राजा ठाकुर एनीनाथ शाहदेव ने 1691 में करवाया था। इस मंदिर का वास्तुशिल्प पुरी के मंदिर से मिलता–झुलता है। यहां भी आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को रथयात्रा का विहंगम दृश्य देखने को मिलता है। मुख्य मंदिर से मौसीबाड़ी तक रथयात्रा निकाली जाती है। इस दौरान 7 दिनों तक भारी मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी भी शामिल होते हैं।

### उदयपुर

**पुरी** में जहॉ भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा की परम्परा सदियों पुरानी है, वहीं उदयपुर (राजस्थान) में भगवान जगदीश की नगर भ्रमण परम्परा भी करीब 368 साल पुरानी है। यहां जगन्नाथराय जी के मंदिर का निर्माण महाराणा जगतसिंह प्रथम ने करवाया था। यहां 1996 तक भगवान जगदीश रथ पर सवार होकर मंदिर क्षेत्र क्व ही परिभ्रमण करते थे। पहली बार 2002 में श्रीजगदीश रजत रथ में सुशोभित होकर भक्तजन को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकले थे। उनके रथ के आगे सर्वप्रथम महाराणा मेवाड़ परिवार के सदस्य मार्ग बुहारते और रथ को खींचकर आगे बढ़ाते हैं। इस यात्रा की तैयारियां महिनेभर से ही शुरू हो जाती हैं। यात्रा का समापन रात्रि करीब 12 बजे मंदिर में महाआरती के साथ होता है। उपनगर हिरणमगरी स्थित मंदिर से भी शोभा यात्रा निकलती है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहिन सुभद्रा एक ही रथ में सवार होते हैं।

# राजस्थान विद्यापीठ दीक्षांत समारोह : आस्थाओं का आदर सिखाए, वही शिक्षा : कल्ला

**उदयपुर।** भाषा, जाति मजहब व धर्म से ऊपर उठकर एकता से आगे बढ़ें। सच्ची शिक्षा वही है, जो आस्थाओं का आदर सिखाए। यह बात शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय के 14वे दीक्षांत समारोह में बतौर प्रमुख अतिथि कही। मद्रास उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एपी साही ने कहा कि भारतीय शिक्षा जीवन के दर्शन को सिखाने के साथ-साथ स्वयं को अनुशासित करने और समाज के लिए कर्तव्य पालन के लिए प्रेरित करती है। स्वामीनारायण मंदिर लोया धाम गुजरात के संत डॉ. वल्लभदास स्वामी ने दीक्षार्थियों से आत्मसम्मान बनाने और स्वयं को सर्वशक्तिमान मानते हुए मूल्यों के साथ जीवन पथ पर अग्रसर होने की सलाह दी। कुलाधिपति प्रो बलवंतराय जानी ने कहा कि समय के साथ-साथ विश्वविद्यालय नए-नए पाठ्यक्रम व कोर्सेज विद्यार्थियों के उपलब्ध करवा रहा है। कुल प्रमुख बीएल गुर्जर, कुलसचिव डॉ. हेमशंकर दाधीच, भीमसिंह चुण्डावत, सुशील कुमार सतारावाला ने भी विचार रखे। संचालन डॉ. हीना खान व डॉ. हरीश चौबीसा ने किया।

**कुलपति ने पेश किया शैक्षणिक प्रतिवेदन:** कुलपति कर्नल प्रो एस.एस सारंगदेवोत ने शैक्षणिक प्रतिवेदन का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया। दीक्षांत समारोह में 80 गोल्ड मेडल प्रदान किए गए, इनमें से 42 गोल्ड मेडल महिलाओं व 38 छात्रों के नाम रहे। पीएचडी की उपाधियों में भी महिलाओं ने बाजी मारी। कुल 26 छात्राओं व 22 छात्रों को पीएचडी की उपाधि मिली। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020,2021 में कुल 2085 स्नातक, 885 स्नातकोत्तर 456 डिप्लोमा धारको को डिग्री, प्रमाण पत्र दिये गए। दीक्षांत समारोह में निजी न्यूज चैनल के हेड डॉ. जगदीश चन्द्र को विशिष्ट योगदान के लिए डीलिट की मानद उपाधि से नवाजा गया। उन्होंने कहा कि सफलता हासिल करने के लिए कठोर परिश्रम करना जरूरी है।

# यूसीसीआइ को सीआइआइ एवं फिक्की स्तर तक ले जाएंगे : सिंघल

**उदयपुर।** उदयपुर चैम्बर ऑफकॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (यूसीसीआइ) की वार्षिक साधारण सभा की 13 जून को यूसीआई भवन में सम्पन्न चुनावी बैठक में नए अध्यक्ष के रूप में सिक्योर मीटर के चेयरमैन संजय सिंघल निर्वाचित हुए। वर्ष 2022-2023 की कार्यकारिणी समिति के गठन के लिए ऑनलाइन चुनाव में सिंघल को 284 तथा रमेश सिंघवी को 145 वोट मिले। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर डॉ. अंशु कोठारी व उपाध्यक्ष पद पर दिलीप तलेसरा निर्वाचित घोषित किए गए। चुनाव अधिकारी बी.आर भाटी थे। नव निर्वाचित अध्यक्ष सिंघल ने कहा कि यूसीसीआइ को सीआइआइ एवं फिक्की के स्तर तक ले जाने, सदस्यों की समस्याओं के निराकरण के लिए ऑनलाइन सिंगल विंडो एप की लॉचिंग तथा युवा उद्यमियों को मार्गदर्शन देने के लिए हेल्प डेस्क की स्थापना के प्रयास किए जाएंगे। यूसीसीआइ के संरक्षक अरविन्द सिंघल व निवर्तमान अध्यक्ष कोमल कोठारी ने भी नव निर्वाचित कार्यकारिणी को संबोधित किया।

**कार्यकारिणी सदस्यों में ये जीते- दीर्घ एवं मध्यम उपक्रम श्रेणी:** संदीप बापना, शशिकांत खेतान, सौरभ कोठारी, अनिल मिश्रा, अभिषेक सिंघवी व पुनीत तलेसरा। **लघु एवं माइक्रो उपक्रम श्रेणी:** अचल अग्रवाल प्रखर बाबेल, सिद्धार्थ चतुर, प्रदीप गांधी, नरेन्द्र जैन, राजेश खमेसरा, उमेश मनवानी, हितेश पटेल व सोनल राठी। **ट्रेडर्स:** प्रकाश बोल्या, अरिहन्त दुगड़ व जतिन नागौरी। **प्रोफेशनल्स तथा शैक्षणिक संस्थान वर्ग:** सुधीर मेहता व पवन तलेसरा। **महिला सदस्य वर्ग:** हसीना चक्कीवाला व रूचिका गोधा। **मेम्बर बॉडीज एवं एसोसिएशन वर्ग:** केजार अली, पंकज कुमार गंगावत व रवि शर्मा। **पूर्व अध्यक्ष श्रेणी:** एम.एल लुणावत, विनोद कुमट तथा कोमल कोठारी

# गजानंद ड्राई फ्रूट्स का शुभारम्भ

**उदयपुर।** श्रेयांश काम्प्लेक्स में गजानंद ड्राई फ्रूट्स एंड स्पाइसेज का उद्घाटन सिरोही विधायक संयम लोढ़ा ने किया। इस अवसर पर एमडी हनुमानाराम घांची भी उपस्थित थे। लक्ष्मणराम माली ने बताया कि यहां अंतराष्ट्रीय स्तर पर निर्यात होने वाले सूखे मेवे अब आम लोगों के लिए होलसेल दरों पर उपलब्ध होंगे। आउटलेट में कैलफेर्निया के बदाम, मामरा बदाम, पिस्ता, अखरोट, ईरानी पिस्ता, चिल्ली, ईरानी अखरोट, इम्पोर्टेड चॉकलेट व मसाले के पैक की रेंज होगी।

# राज्यवर्धन सिंह का स्वागत

सांसद राज्यवर्धन सिंह का स्वागत करते वीरमदेव सिंह कृष्णावत व अन्य।

**उदयपुर।** सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के गत दिनों उदयपुर आगमन पर मार्बल एसोसिएशन ने स्वागत कर उन्हे अपनी समस्याओं से अवगत कराया व निराकरण में सहयोग का अनुरोध किया। इस दौरान अध्यक्ष पंकज गंगावत, वीरमदेव सिंह चूण्डावत, यदुराज सिंह चूण्डावत, वीरमदेव सिंह कृष्णावत, तनवीर सिंह कृष्णावत आदि उपस्थित थे।

# हीरो स्प्लेंडर की लॉचिंग

**उदयपुर।** रॉयल हीरो डीलरशिप पर हीरो स्प्लेंडर एक्स टेक की लॉचिंग बड़गांव पंचायत समिति के उपप्रधान प्रतापसिंह राठौड़ एवं हीरो मोटोकॉर्प के सेल्स एरिया मैनेजर भाविक सरीन, हरीश गर्ग, आरजे अंशुमान के सानिध्य में हुई। इस अवसर पर कस्टमर्स को नई हीरो स्प्लेंडर एक्स टेक बाइक डिलीवर्ड की गई। रॉयल हीरो के निदेशक हुसैन मुस्तफा ने कस्टमर्स व अतिथियों का स्वागगत किया।

Mahendra Singhvi

GSTIN : 08AFBPS9355Q1ZH

KANAK CORPORATION

General Merchant & Commission Agent

337, 338, 3rd Floor, Samridhi Complex,
Opp. Main Gate Krishi Upaj Mandi, Udaipur (Raj.)
Ph. : 0294 2482911 to 16 Mo.: 93528 55555
Email: vpsinghvi@gmail.com

With Best Compliments

Narayan Asawa, Director
Chirag Asawa, Director

0294-2526882 (O)
2451454 (R)
Mobile : 94141 66882

MAHESHWARI

Construction & Colonizer

G 4-5, Krishna Plaza, Hazareshwar Colony, Court Choraha, Udaipur-313001 (Raj.)

# अलकनंदा की मछलियों में मिले प्लास्टिक के कण

*निष्ठा शर्मा*

**मनुष्यों** द्वारा उपयोग में लाए जा रहे घातक प्लास्टिक के प्रभाव से नदियों की मछलियां भी अछूती नहीं रह गई है और उनके शरीर में भी प्लास्टिक के कण मिल रहे है। पालतू पशुओं सहित अन्य जानवरों के शरीर में जहरीले प्लास्टिक की उपस्थिति एक आम बात मानी जाने लगी है, लेकिन नदियों में पाई जाने वाली मछलियों के पेट में भी प्लास्टिक के कण पाए जाने से वैज्ञानिक हैरत में हैं।

उत्तराखंड के पौड़ी जिले के श्रीनगर से होकर बहने वाली प्रमुख नदी अलकनंदा में मछलियों के पेट में हानिकारक पालीमर के टुकड़े और माइक्रोप्लास्टिक सहित नाइलोन के महीन कण मिलने का खुलासा हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के हिमालयी जलीय जैव विविधता विभाग के शोध से हुआ है। प्लास्टिक के ये कण मछलियों के साथ ही मांसाहारी मनुष्यों के लिए भी हानिकारक सिद्ध हो सकते हैं। विभाग के अध्यक्ष डॉ. जसपालसिंह चौहान के अनुसार शोधार्थियों नेहा और वैशाली की टीम के साथ पिछले कई महीनों से अलकनंदा की मछलियों पर शोध कर रहे हैं। इस दौरान मछलियों के शरीर में प्लास्टिक पदार्थों के छोटे-छोटे कणों एवं रेशों की मौजूदगी सामने आई है।

अगर पहाड़ों की मछलियों की स्थिति यह है तो मैदानी क्षेत्रों की स्थिति तो इससे भी खतरनाक हो सकती है, जहां बड़े पैमाने पर प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट सीधे नदियों में फेंका जा रहा है। इन मछलियों का सेवन करने वाले मनुष्यों के शरीर में भी ये कण प्रवेश कर सकते हैं और उन्हें हानि पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज गंगा और उसकी सहायक नदियों में भारी मात्रा में प्लास्टिक कचरा और पॉलीथिन फेंका जा रहा है, जिससे नदियों की जैव विविधता प्रभावित हो रही है।

## अंटार्कटिका की ताजा बर्फ में भी माइक्रोप्लास्टिक

**वैज्ञानिकों** को पहली बार अंटार्कटिक में गिरी बर्फ में प्लास्टिक के कण मिले हैं। न्यूजीलैंड में कैंटरबरी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अंटार्कटिक में 19 साइट्स से नमूने लिए, जिनमें प्लास्टिक के छोटे टुकड़े थे। माइक्रोप्लास्टिक प्लास्टिक सामग्री के क्षरण से बनता है और चावल के दाने से भी छोटा होता है। शोधकर्ताओं ने प्रति लीटर पिघली बर्फ में औसतन 29 कण पाए। उन्होंने 13 अलग-अलग प्रकार के प्लास्टिक की पहचान की। इसमें पॉलीएथिलीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी) था, जिसका प्रयोग ज्यादातर सॉफ्ट ड्रिंक की बोतल और कपड़ों में किया जाता है। यह 79% नमूनों में पाया गया।

### पहला मामला

शोधकर्ताओं के अनुसार हवा के साथ इस माइक्रोप्लास्टिक के सबसे संभावित स्त्रोत स्थानीय वैज्ञानिक अनुसंधान स्टेशन हैं। यह भी संभावना है कि यह 6000 किमी दूर से आया हो सकता है। इससे पूर्व हुए शोधों में अंटार्कटिक की समुद्री बर्फ और सतही जल में माइक्रोप्लास्टिक पाया गया था, लेकिन ताजा बर्फ में यह पहला मामला है। प्रदूषण के इस रूप के स्थानीय और व्यापक, दोनों प्रभाव हो सकते हैं।

### नया खतरा

**दुनियाभर** में बर्फ के मैदान और ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इन स्थानों पर जमा गहरे रंग के माइक्रोप्लास्टिक सूरज की रोशनी को अवशोषित कर स्थानीय ताप को और बढ़ा देते हैं, जिससे चीजें प्रभावित होती हैं। माइक्रोप्लास्टिक एक नया खतरा है। एक बार वायुमंडल में प्रवेश करने के बाद प्लास्टिक के ये महीन कण कई दिनों तक हवा में रह सकते हैं। इतने समय में ये कई महाद्वीपों की यात्रा कर सकते हैं।

# ABHINAV SCHOOL

Play goup To 12th

ADMISSIONS OPEN

SCIENCE - ARTS - COMMERCE
AGRICULTURE

NCC | Scout/ Guide | Atal Tinkering Lab

7048741704 - www.abhinavschool.com

**Main Branch**
Adarsh Nagar, Bh. Police Line, Udaipur

**Ext. Branch**
Nr. CM Mega Housing, Rakampura, Udaipur

GMS Since 1976

*with best compliments*

*Hitesh Gandhi*
Managing Partner

# GUJARAT MACHINERY STORES

*Auth. Distributors For:*

DUTRON® Kanaflex
DUPLON NYLON BRADED FLEXIBLE PVC PIPE
DUTRON H.D.P.E. R. PVC. C. P.V.C. PLUMBING & SWR Pipes
वासल P.V.C. TUBING
Ventura Pumps
Pluga Franklin Electric
PRAKASH SURYA GI PIPE
TUFROPES DESIGNED TO OUTPERFORM
neoseal Seal of Trust

*21, Ashwini Bazar, Udaipur (Raj.) Ph.: 0294-2526784, 2422446*
*gmsudp@yahoo.in sachinsaleco@yahoo.com*
*Godown: E-42, M.I.A., Road No. 4, Opp. Adarsh Automobiles, Udaipur (Raj.) Ph.: 0294-2493839*

# बारिश की उमस में स्वच्छता पर दें ज्यादा ध्यान

**गर्मी में झुलसने और तपने के बाद बारिश की बूंदे अच्छी तो लगती हैं, पर ये अपने साथ लाती हैं सेहत का ज्यादा ध्यान रखने की चेतावनी भी। इस मौसम की उमस और बीमारियों से बचने के लिए सलाह दे रहीं हैं- रजनी अरोड़ा**

**मानसून** का मौसम जहां बारिश की ठंडी फुहारों संग उमगें और खुशियां लाता है, वहीं साथ लाता है- पानी के वाष्प कणों और नमी से भरी हवाओं वाला उमस का मौसम। नमी से भरा यह मौसम कई बार असहनीय ही नहीं होता, बल्कि हमारे स्वास्थ्य खासकर त्वचा के लिए खतरनाक भी साबित होता है। इस समय संक्रमण फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और धूल के कण सक्रिय हो जाते हैं, जिनसे कोई भी व्यक्ति इसका शिकार हो सकता है। इस नमी का असर शरीर से निकलने वाले पसीने पर आसानी से देखा जा सकता है। गर्मी में पसीना वाष्पित होकर शरीर को ठंडा रखता है, उसकी नमी बनाए रखता है, लेकिन उमस के मौसम में सूख न पाने के कारण यह पसीना शरीर को चिपचिपाहट से भर देता है। हमारी त्वचा के पोर बंद हो जाते हैं, जिससे अंदरूनी त्वचा सांस नहीं ले पाती और त्वचा संबंधी रोग पनपने लगते हैं। ध्यान न दिए जाने पर रैशेज, मुंहासे, घमौरियां, फोड़े-फुंसियां जैसे त्वचा संबंधी रोगों की चपेट में आ जाते हैं।

## स्वच्छता का रखें ध्यान

**चिपचिपाहट** भरे इस मौसम में व्यक्तिगत स्वच्छता का खाास ख्याल रखना चाहिए। एंटीबैक्टीरियल या ग्लिसरीन युक्त साबुन से दिन में दो बार स्नान करें और अंडरगारमेंट्स जरूर बदलें। बाल एक दिन छोड़कर जरूर धोएं। रूसी से बचने के लिए नहाने से एक घंटा पहले तेल को गर्म करके या नींबू मिलाकर लगाएं। त्वचा संबंधी संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी हैं कि प्रभावित क्षेत्र को सूखा रखा जाए। एंटीबैक्टीरियल पाउडर, मेडीकेटिड क्रीम या लोशन का इस्तेमाल करें।

### अगर संक्रमण हो जाए

अगर तमाम सावधानियों के बावजूद संक्रमण हो जाता है, तो घरेलू नुस्खों पर अधिक भरोसा न करें, तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और जांच कराकर उचित निदान की प्रक्रिया अपनाएं।

## खाने–पीने में एहतियात

**डिहाइड्रेशन** से बचने के लिए एक दिन में करीब 8-10 गिलास पानी जरूरी पिएं। पानी फिल्टर किया या उबला हुआ हो। घर में तैयार जूस, नींबू पानी, लस्सी, सूप फायदेमंद होता है। विषाक्त पदार्थों से बचने और डिटॉक्सीफाई करने के लिए पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर पिएं। एंटीबॉयोटिक्स गुणों से भरपूर तुलसी और अदरक की चाय लें। ये उमस की नमी के प्रभाव से पाचन तंत्र को बचाकर इम्यून सिस्टम मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

गर्म, ताजा कम मसाले और कम चिकनाई वाला हल्का खाना खाएं। बारिश के मौसम में पत्तेदार सब्जियां खाने से बचना चाहिए। भोजन में अदरक, अजवायन का प्रयोग करें।

## सूती और हल्के कपड़े पहनें

**इस** मौसम में सिंथेटिक, मोटे और टाइट फिटिंग के कपड़ों के बजाय हल्के रंग, पतले और सूती वस्त्र पहनें। इनसे एक तो आपको गर्मी कम महसूस होगी, दूसरी पसीने से गीले हुए कपड़े भी सूख जाएंगे।

# हार्दिक श्रद्धांजलि

जन्म 23.10.1930 देवलोकगमन 14.06.2003

## परम श्रद्धेय आदरणीया

# श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा

**॥ श्रद्धानवत ॥**

पंकज-रेणु, नीरज-डॉ. अनिता ( पुत्र-पुत्रवधु ), अभिजय, मेघांश ( पौत्र ), आर्षेयी, प्रिशा ( पौत्री )
शोभा-सुरेन्द्र, सुधा-ओम, डॉ.वीणा-स्व. गौरव, अरुणा-पद्म, रश्मि-अनिल ( पुत्री-दामाद )
दोहित्र-दोहित्री :- प्रत्यूष, मोहित, स्व. चिन्मय, तन्मय, भार्गवि,
नयन नारायण, पूर्वा, हार्दिक, चिर्कीषु, जिगिषा

**रक्षाबन्धन, धानमण्डी,उदयपुर**

## दुनिया की पांच ऊंची चोटियों पर प्रियंका ने फहराया तिरंगा

# हौंसले की उड़ान

**वर्ष 2020 में तेनजिंग नार्गे एडवेंचर पुरस्कार से सम्मानित महाराष्ट्र की 25 वर्षीय प्रियंका मोहिते ने विश्व की पांच ऊंची चोटियों पर जीत दर्ज करने का साहसिक रिकॉर्ड कायम किया है। आठ हजार मीटर से अधिक ऊंची इन पांच चोटियों पर तिरंगा फहराने वाली प्रियंका पहली भारतीय महिला पर्वतारोही हैं।**

*प्रिशा शर्मा*

**प्रियंका** का जन्म 30 नवम्बर 1992 को महाराष्ट्र के सतारा जिले में हुआ था। वह दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट (8848 मीटर) पर कदम रखने वाली महाराष्ट्र की सबसे छोटी और देश की तीसरी सबसे छोटी पर्वतारोही हैं। उन्होंने 2013 में माउंट एवरेस्ट के शिखर को छुआ था। वह तंजानिया में स्थित अफ्रीका की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट किलीमंजारो (5895 मीटर) को 2016 में फतह कर चुकी है। हालांकि, इस चोटी तक पहुंचने में उन्हें तीसरे प्रयास में सफलता मिली।

इसके दो बरस बाद 2018 में प्रियंका ने माउंट ल्होस्ते (8516 मीटर) पर सफल चढ़ाई की। 2019 में वह दुनिया की पांचवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट मकालू (8485 मीटर) को फतह करने वाले भारत की पहली महिला पर्वतारोही बनीं। अप्रेल 2021 में प्रियंका ने दुनिया की दसवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट अन्नपूर्णा (8091 मीटर) पर कदम रखा। यह आठ हजार से ऊंची पांच पर्वत चोटियों तक पहुंचने के उनके अभियान का चौथा पड़ाव था।

प्रियंका के अभियान का पांचवां पड़ाव दुनिया की तीसरी सबसे ऊंची पर्वत चोटी कंजनजंगा (8586 मीटर) थी। इसी वर्ष 5 मई की शाम 4.52 बजे प्रियंका ने इस पर कदम रखा और इसके साथ ही वह आठ हजार से अधिक ऊंचाई वाली पांच चोटियों को फतह करने में सफल हो गई। बचपन से ही सह्याद्रि पर्वत श्रृंखला के पहाड़ों पर चढ़ते-चढ़ते प्रियंका ने अपने इस साहसिक, लेकिन खतरनाक शौक में ही करियर बनाने का फैसला किया और 2012 में सतारा में बीएससी की पढ़ाई के साथ ही पर्वतारोहण में भी प्रशिक्षण पूरा कर लिया।

इसके तुरंत बाद प्रियंका ने 2012 में उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल में स्थित पर्वत बंदरपूंछ के शिखर पर कदम रखकर अपने प्रशिक्षण को परख लिया। इसी बीच उन्हें दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट को फतह करने का मौका मिला। जब उन्हें पता चला कि दार्जिलिंग का हिमालयन माउंटनियरिंग स्कूल कम उम्र के पर्वतारोहियों के साथ एवरेस्ट पर अपना एक दल भेजने वाला है। उन्होंने इस दल का हिस्सा बनने के लिए आवेदन किया। उनका चयन हो गया और इस तरह एक छोटी-सी लड़की दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर जा पहुंची।

# बच्चन का काव्य: अभिव्यंजना और शिल्प

*डॉ. लक्ष्मीनारायण नंदवाना*

**डॉ.** जयप्रकाश भाटी के 'बच्चन का काव्य: अभिव्यंजना और शिल्प' सद्य प्रकाशित ग्रंथ में सुप्रसिद्ध कवि डॉ. हरिवंश राय बच्चन के काव्य का सुन्दर विश्लेषण है। बच्चन जी पर यह इनकी तीसरी पुस्तक है। इनके पांच काव्य संग्रह भी है। बच्चन हिन्दी साहित्यकारों के

प्रकाशमान नक्षत्र हैं। उनके सन्दर्भ में सुप्रसिद्ध कवि सुमित्रानन्दन पंत जी का यह कथन मील का पत्थर है 'बच्चन मुख्यत: मानव-भावना अनुभूति, प्राणों की ज्वाला तथा जीवन संघर्ष का आत्मनिष्ठ कवि हैं।' डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन उन्हें स्मरण करते हुए कहते हैं कि 'ऐसी अभिव्यक्तियां' नई पीढ़ी के लिए पाथेय बन सकेंगी, इसी में उनकी सार्थकता भी है।' डॉ. जयप्रकाश भाटी 'नीरव' कवि बच्चन जी के बड़े प्रशंसक हैं और पूरी निष्ठा व ईमानदारी से उनके साहित्य से जुड़ाव रखते हैं। डॉ. भाटी ने बच्चन जी के व्यक्तित्व को उनकी आत्मकथा के माध्यम से समझने का प्रयास किया है। अपने नैराश्य को बच्चन जी ने कभी अपने पर हावी नहीं होने दिया और कविता के माध्यम से उसे प्रसन्नता में परिवर्तित करते रहे। डॉ. भाटी ने 286 पृष्ठ के इस ग्रंथ में बच्चन के काव्य का क्रमिक विकास, तत्कालीन प्रवृत्तियों के साथ उनकी काव्य अभिव्यंजना, शैली, शिल्प रचना प्रक्रिया विषयक विचार, अभिव्यक्ति और जीवन से जुड़ाव संबंधी वैचारिक मान्यताओं को स्पष्ट किया है। डॉ. भाटी स्वयं जुझारू व्यक्ति हैं। जीवन-संघर्ष के बोझिल क्षणों में किस प्रकार के अदम्य साहस की अपेक्षा रहती है वे स्वयं भलीभांति परिचित हैं। वे सरस रोमान्टिक कवि हैं और बच्चन जी के व्यक्तित्व व कृतित्व के रेखांकन में उनकी अनुभूति व अभिव्यक्ति भलीभांति उचित समन्वय के साथ प्रस्तुत हुई है। बच्चन जी के साहित्य में गद्य व पद्य का सुन्दर समन्वय भी है। बच्चन जी ने छायावादी दौर में सरल और सुन्दर भाषा में काव्य रचना कर हिन्दी साहित्य को आलोकित किया है। बच्चन जी ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में पीएच.डी की लेकिन अपने पैर हिन्दी की भूमि पर जमाए रखे। वे जन-भाषा के रचनाकार थे। हिन्दी और अंग्रेजी पर उनकी गहरी पकड़ थी। बच्चन जी श्रेष्ठ अनुवादक भी थे। उन्होंने जितनी निष्ठा और कर्मठता से अपनी अनुभूतियों को अभिव्यक्त किया उतने ही भावपूर्ण तरीके से अनुवाद कार्य भी किया। बच्चन जी ने साहित्य की एक नई धारा का सूत्रपात किया। उनकी बहुमुखी प्रतिभा की झलक उनके रचना संसार में मिलती है। बच्चन जी की 'मधुशाला' एक ऐसी अनूठी कृति है जिसने साहित्य रसिकों और आम लोगों को दीवाना बना दिया था। मधुशाला दरअसल जीवन की पाठशाला है। उन्होंने इसके माध्यम से जीवन के मूल उद्देश्य को समझाया है।

बच्चन के साहित्य पर कलम चलाना गहरी समझ का कार्य है। लेखक ने यह कार्य परिश्रम से किया है। मेरे विचार से इस ग्रंथ को बच्चन जी के साहित्य के अध्ययन के लिए कसौटी तथा शोध के लिए एक मापदंड माना जा सकता है। हिन्दी में इतने ऊंचे स्तर के कार्य बहुत कम देखने को मिल रहे हैं। अपनी श्रेष्ठता के कारण यह कार्य अपवाद है। अपनी स्तरीयता और मौलिकता को लेकर यह ग्रंथ अपनी विशिष्ट पहचान बनाता है। ऐसे अध्ययन की अपेक्षा है जिसमें बच्चन के काव्य का व्यापक और समग्र विश्लेषण व्याख्या उपलब्ध हो। मेरे विचार से इस दिशा में लेखक का यह सार्थक प्रयास है। एतदर्थ उन्हें धन्यवाद।

लेखक ने यह ग्रंथ अपने गुरूवर प्रबुद्ध लेखक -साहित्यकार डॉ. कृष्ण कुमार शर्मा को सादर समर्पित किया है। आर्य पब्लिशर्स, उदयपुर ने इसे मनायोग और कलात्मकता के साथ प्रकाशित किया है। हिन्दू कॉलेज, हिन्दी विभाग दिल्ली के प्रोफेसर एवं 'बनास जन' के सम्पादक डॉ. पल्लव ने अपने अभिमत में लिखा है कि जिस दौर में आलोचना का आशय प्रशंसा तक अवमूल्यित हो चुका है और साफबात कहना- सुनना चलन से बाहर हो तब पिछली शताब्दी के एक पुरोधा कवि पर कोई बड़ा आलोचना ग्रंथ लिखे यह दुर्लभ बात ही है। डॉ. भाटी की यह पुस्तक बच्चन जी के काव्यसोपान का क्रमिक परिचय तो देती ही है उनके काव्य स्त्रोतों की तलाश भी करती है। आशा है सहृदय पाठक इस कृति का सहर्ष स्वागत करेंगे।

**नई दवा**

### कोरोना वायरस के संक्रमण में सर्वाधिक मौतें फेफड़े के सफेद होने-कड़ापन आने से, नहीं था कोई इलाज

# बचाएगी 'एविप्टाविल' नाम की नई दवा

**कोरोना** में सबसे अधिक मौतों की वजह बने एक्यूट रेस्पाइरेटरी डिस्ट्रस सिंड्रोम (एआरडीएस) यानी फेफड़े सफेद पड़ जाने और कड़ापन से बचाने के लिए डॉक्टरों ने एक नई दवा पर सफल ट्रायल किया है।यह रिसर्च किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ के एस्पाइटरी मेडिसिन विभाग के जरिए किया गया, जिसे देश के 25 जाने माने पल्मोनालॉजिस्ट ने हरी झंडी दी है। रिसर्च पर उनकी भी नजर थी। एविप्टाविल नाम की दवा पर सफल ट्रायल के बाद इसे आम मरीजों में इस्तेमाल के लिए ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआई) को ट्रायल रिपोर्ट अनुमति के लिए भेजी गई है। शोधकर्ता डॉक्टरों का कहना है कि यह दवा कोरोना के साथ-साथ दूसरी बीमारियों से होने वाले एआरडीएस से बचाएगी।वायरस और बैक्टीरिया दोनों की वजह से होने वाले निमोनिया को कमजोर करेगी। मरीज को फेफड़े की फाइब्रोसिस से भी बचाया जा सकेगा। शोध के नतीजे बेहतर आए हैं। इसमें कई मरीजों को एआरडीएस के खतरे से बचाया गया है और कई मरीजों को एआरडीएस होने के बाद उन्हें बचाया गया है। कोमाविंड मरीजों में दवा का असर अलग तरह से देखा गया है। कोरोना में अधिक केस, वैसे दो लाख लोगों में तीन मरीज: कोरोना की वजह से एआरडीएस अधिक रिपोर्ट किया जा रहा है। वैसे देश में सामान्य स्थिति में दो लाख लोगों में तीन लोगों को ही एआरडीएस होता है। कोरोना में 50 फीसदी से अधिक मरने वाले एआरडीएस से पीड़ित थे।

प्रत्यूष
प्रत्यूष पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें
75979 11992, 94140 77697

# मक्का-धान से भी बन रहा इथेनॉल

**43 हजार किलोलीटर इथेनॉल का उत्पादन रोजाना विदेशक मुद्रा की भी होगी बचत**

## 20 प्र.श. इथेनॉल मिलाया जा सकता है पेट्रोल व डीजल में

**मक्का धान से इथेनॉल बनाने वाला बिहार देश का पहला राज्य बन गया है। राज्य के पूर्णिया नगर के प्रखंड परोरा में देश के पहले ग्रीन फील्ड ग्रेन बेस्ड प्लांट का पिछले दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उद्घाटन किया। बिहार में मक्का का बहुतायत से उत्पादन होता है।**

*जगदीश सालवी*

**मक्का-धान** से इथेनॉल तैयार करने वाला बिहार देश का पहला राज्य बन गया है। बिहार सरकार की इथेनॉल उत्पादन प्रोत्साहन नीति 2021 की मंजूरी के बाद पूर्णिया नगर प्रखंड के परोरा में देश के पहले ग्रीन फील्ड ग्रेन बेस्ड प्लांट ने 30 अप्रैल से काम शुरू कर दिया।

राज्य में पहले चरण में 17 इथेनॉल प्लांट लगाए जाएंगे। पहले पेट्रोल-डीजल में इथेनॉल के उपयोग की सीमा 10 प्रतिशत थी, पर अब इसका उपयोग 20 प्रतिशत तक होगा। इथेनॉल बनने से औद्योगिक लाभ के साथ किसानों को भी फायदा होगा। मक्का बेचने के लिए अब दक्षिणी भारत के व्यापारियों का मुंह नहीं देखना होगा। न ही उनके द्वारा तय भाव से फसल बेचनी होगी।

यहां मोटे चावल की भी अधिक पैदावार होती है। इथेनॉल इकाई में टूटे चावल व मक्के की दरकार होगी, जिसकी आपूर्ति किसानों से होगी। किसान सीधे मिल तक अनाज नहीं पहुंचाएंगे, राइस व मेज सप्लायर द्वारा मिल तक अनाज पहुंचेगा। तरीका जो हो, मगर किसानों को फसल का अच्छा मुनाफा तय है, क्योंकि इस प्लांट में रोजाना 65 हजार किलोलीटर इथेनॉल का उत्पादन होगा।

### परंपरागत ईंधन की तुलना में प्रदूषण कम

इथेनॉल का प्रयोग पेट्रोल में मिलाकर वाहनों के ईंधन के रूप में किया जाता है। इससे परंपरागत ईंधन की तुलना में प्रदूषण कम होता है। राष्ट्रीय स्तर पर इथेनॉल का उत्पादन बढ़ने से विदेशों से पेट्रोलियम के आयात पर हमारी निर्भरता कम होगी।

### क्या है इथेनॉल

इथेनॉल को एथिल अल्कोहल या ग्रेन अल्कोहल भी कहा जाता है। यह वाष्पशील, ज्वलनशील एवं रंगहीन द्रव्य है। इथलीन का हाइड्रेशन करके पेट्रोकेमिकल के रूप में बायोलॉजिकल तरीके से इसे तैयार किया जाता है। इसका उपयोग वार्निश, पॉलिस, दवाओं के घोल, इथर, क्लोरोफॉर्म, कृत्रिम रंग, पारदर्शी साबुन, सेंट तैयार करने आदि में होता है।

### व्यापक क्षेत्र में मक्का की खेती

बिहार में मक्का का बहुतायत उत्पादन होता है। इसमें सीमांचल सिरमौर है। इसके चारों जिले पूर्णिया, अररिया, कटिहार, किशनगंज के अलावा कोसी में सहरसा, सुपौल, मधेपुरा में मक्का का उत्पादन काफी हो रहा है। पूर्णिया में इस वर्ष 7 लाख 88 हजार 654 मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान है। पंजाब से लेकर दक्षिण भारतीय राज्यों के व्यापारी यहां से मक्का खरीद कर अच्छे दाम में बाहर भेज देते हैं। मगर इथेनॉल प्लांट लगने से मक्का बाहर नहीं जाएगा। बाहर के व्यापारी भी अब अच्छे दाम देंगे। 2021-2022 में पूर्णिया से 3 लाख 66 हजार 600 मीट्रिक टन मक्का विशाखापट्टनम, काकीनाडा, उत्तराखंड़, पंजाब, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना भेजा गया।

महेश सेवा संस्थान

रजत जयन्ति विशेषांक

रजत जयन्ती वर्ष की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

# परतानी

## नाक कान गला अस्पताल

ISO 9001 2008 CERTIFIED

• डायोड लेजर • माइक्राडिब्राइडर • साइलोएंडोस्कोप (लार की ग्रंथी)
• कोबलेटर एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों द्वारा सर्जरी व जांच सुविधा
VERTIGO CLINIC चक्कर आने की जांच • स्पीच थैरेपी एवं डिजिटल हियरिंग एड

**डॉ. लोकेश परतानी**
एम. एस. (ई. एन. टी.)

**डॉ. गरिमा गुप्ता**
डी. एन. बी. (ई. एन. टी.)

**डॉ. त्वरिता भरसाकले**
एम. एस. (ई. एन. टी.)

**मलोनी काबरा**
ऑडियोलोजिस्ट एवं स्पीच पैथोलोजिस्ट

14, नाकोड़ा कॉम्पलेक्स, हंसा पेलेस के पास, सेक्टर 4, हिरणमगरी, उदयपुर
फोन : 0294-2462150 मो. : 9982362150

# रफ्तार की नई सनसनी : उमरान

*सुरेश कौशिक*

**जम्मू-कश्मीर के क्रिकेटर उमरान मलिक का आइपीएल के माध्यम से राष्ट्रीय टीम में जगह बना लेने का सफर किसी चमत्कार से कम नहीं है। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम से आइपीएल में डेब्यू करने वाले उमरान ने लगातार 150 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी कर देश के क्रिकेट प्रेमियों को रोमांचित कर दिया। फल विक्रेता के 22 साल के इस अनजान लड़के की तेज गेंदबाजी के कमाल ने बीसीसीआई को आइपीएल में खेलने के पहले अवसर से सीधे नेशनल टीम में जगह देने के लिए मजबूर कर दिया।**

**उमरान** की तेज गेंदों ने बल्लेबाजों में खौफपैदा किया, गलतियां करने पर मजबूर किया। यार्कर हो या बाउंसर उन्होंने ख्याति प्राप्त बल्लेबाजों की हवा खराब कर दी। उनकी तेज गेंदों पर बिखरते विकेट का नज़ारा ही अद्भुत था। 14 मैचों में 22 विकेट उनकी सफलता बयां करते हैं।

उमरान ने इस आइपीएल में 14 बार मैच की सबसे तेज गेंद फेंकने का कमाल किया। इस दौरान उन्होंने आइपीएल इतिहास की दूसरी सबसे तेज गेंद फेंकी-157 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से। उनसे ज्यादा तेज गेंद आस्ट्रेलिया के शान टैट ने फेंकी थी- 157 किलोमीटर प्रति घंटा। यानी माना जाए तो वे संयुक्त रूप से भारत के सबसे तेज गेंद फेंकने वाले गेंदबाज बन गए हैं। रेकार्ड जवागल श्रीनाथ के नाम था, जिन्होंने फरवरी, 1997 में त्रिकोणीय सीरिज के दौरान 157 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी थी। दक्षिण अफ्रीका और जिंबाब्वे की टीमों ने इसमें हिस्सा लिया था।

इस तेज गेंदबाज की गूंज देश में ही नहीं, दुनिया भर में सुनाई पड़ रही है। इसके मुरीद वे खिलाड़ी भी हैं जिनकी क्रिकेट जगत में तूती बोलती रही है। यही नहीं ब्रायन लारा, सुनील गावस्कर और रवि शास्त्री जैसे पुराने धुरंधरों की भी यही धारणा थी कि उमरान को तुरंत टीम इंडिया में जगह मिलनी चाहिए। इनके विचारों से भारतीय चयनकर्ता भी सहमत दिखे जिन्होंने जून में दक्षिण अफ्रीका के साथ भारत में सम्पन्न घरेलू टी-20 सीरिज के लिए उन्हें चुन लिया।

यों तो इस बार इंडियन प्रीमियर लीग में कई भारतीय तेज गेंदबाजों ने जलवा बिखेरा लेकिन सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी उमरान ने। उनकी तूफानी गेंदबाजी का ऐसा रंग जमा कि हर कोई कायल हो गया। जो गेंदबाज पिछले सीजन में अपनी गेंदों की दिशा और लम्बाई के लिए संघर्ष कर रहा था, आज सफलता का स्वाद चख फ्रेंचाइजी ही नहीं राष्ट्रीय टीम में भी जगह बना गया। पिछले सीजन में सिर्फ तीन मैच खेले उमरान को इस बार नीलामी में सनराइजर्स हैदराबाद ने चार करोड़ देकर अपने पास रखा। टीम प्ले आफ के लिए भले ही क्वालीफाई नहीं कर पाई पर उमरान मैच विजेता गेंदबाज के तौर पर सामने आए।

हाल ही में खेल को अलविदा कहने वाले दक्षिण अफ्रीका के तूफानी गेंदबाज डेल स्टेन तो उमरान को भावी स्टार मानते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के कोच के तौर पर उन्होंने उमरान की गेंदबाजी को निखारा है। पिछले सीजन की तुलना में इस बार उमरान की गेंदबाजी और विकेट लेने की क्षमता में काफी सुधार दिखाई दिया। उमरान के आदर्श आस्ट्रेलियाई गेंदबाज ब्रेट ली हैं। इस तूफानी गेंदबाज की सलाह है कि उमरान को अपनी गति में किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। वे जितनी तेजी से गेंद फेंक सकते हैं, फेंके। उसका एक्शन परफेक्ट है। गेंदबाजी खर्चीली जरूर है पर समय के साथ उसमें सटीकता और धार आ जाएगी।

इस आइपीएल के शुरू में वे खचीर्ले साबित हुए। पर बाद में उनकी रफ्तार के खौफ ने बल्लेबाजों के आत्मविश्वास को डिगा दिया। हार्दिक पांड्या हों या श्रेयस अय्यर, आंद्रे रसल हों या शुभमन गिल सभी परेशानी में नजर आए। यार्कर और बाउंसर उनकी ताकत है तो कमजोरी भी। अभी इसमें पारंगत होने में उन्हें वक्त लगेगा।

कुछ साल पहले जम्मू-कश्मीर के टीम के सलाहकार रहे इरफान पठान ने भी उमरान की खामियों पर काम किया था। फिर डेल स्टेन से मार्गदर्शन मिला और साथ ही टीम सहयोगियों से भी। जिस खिलाड़ी ने 17 साल तक की उम्र तक कोई कोचिंग नहीं पाई हो, लैदर की गेंद का इस्तेमाल नहीं किया हो, उसके लिए परीक्षा का समय है। लेकिन आइपीएल में उन्होंने जिस तरह की सनसनी फैलाई, उसी तरह अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वे टिक गए तो टीम इंडिया की सफलता का ग्राफ और ऊंचा हो जाएगा।

1970 के दशक में आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ज्योफ थामसन ने कहा था कि मुझे पिच पर खून गिरा हुआ देखकर मजा आता है। यानी उसका निशाना बल्लेबाज को घायल करने का रहता था। उमरान को भी बल्लेबाजों के हेलमेट पर गेंद मारने में आनंद आता है। इसका मतलब है अपनी गेंद की तेजी से बल्लेबाज को संभलने का मौका नहीं देना, खौफ में डालना। आउट करने का एक तरीका यह भी है। उमरान मलिक जम्मू कश्मीर के दूसरे ऐसे क्रिकेटर हैं जिन्हें राष्ट्रीय टीम में खेलने का मौका मिला है। इससे पहले आफ स्पिनर परवेज रसूल को यह श्रेय मिला था। पर वे ज्यादा कामयाब नहीं हो पाए। उमरान से काफी अपेक्षाएं हैं।

# माता-पिता बनने की राह हुई आसान

*नंदकिशोर*

**नीलकंठ** आईवीएफ अपने 19वें वर्ष के सफर से इसलिए पूरी तरह संतुष्ट हैं, क्योंकि इस दौरान उसने उन अनगिनत परिवारों को किलकारियों से गूंजाया जो वर्षों तक इससे वंचित थे। अपनी प्रभावी कार्यप्रणाली के फलस्वरूप आज यह प्रदेश का सफलतम फर्टिलिटी हॉस्पीटल है। जो उदयपुर, कोटा और जयपुर के बाद अन्य शहरों में भी अपने केन्द्र स्थापित कर रहा है। भारत में संतानहीनता या बांझपन प्रमुख समस्याओं में से एक है। इंडियन सोसायटी ऑफ असिस्टेड रिप्रोडक्शन के अनुसार बांझपन से वर्तमान में भारतीय आबादी का लगभग 10 से 14 प्रतिशत भाग प्रभावित है। बड़ी संख्या में नि:संतान दम्पती बांझपन के उपचार के लिए विभिन्न प्रयास कर रहे हैं। नि:संतान पुरुषों को एकाधिक विवाह के लिए मजबूर और नि:संतान महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता रहा है, इस समस्या को जड़ से समाप्त करने के लिए शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र के नि:संतान दम्पतियों के जीवन में खुशियों का संचार करने के उद्देश्य से डॉ. आशीष सूद और डॉ. सिमी सूद ने 19 वर्ष पूर्व नीलकंठ आईवीएफ की स्थापना की थी। नीलकंठ आईवीएफ सामाजिक सरोकारों में भी अपनी अग्रणी भूमिका का निर्वाह करता है। अपने क्षेत्र के आसपास संचालित

डॉ. सिमी सूद डॉ. आशीष सूद

आंगनवाड़ी के बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा व गर्भवती स्त्रियों के पोषण आहार व चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था में सदैव अमूल्य सहयोग प्रदान करता है। नीलकंठ आईवीएफ ने जयपुर और कोटा में भी अपने केन्द्र खोले हैं। डॉ. सूद दम्पती ने 'प्रत्यूष' को बताया कि दर्द मिटाने और मुस्कान लाने का सफर, वर्जनाओं को तोड़ने और विज्ञान को स्वीकार करने की यात्रा, अपने स्वयं के बच्चे को गोद में खिलाने की अपेक्षा करने वाले जोड़ों की यात्रा, आशा लाने और एक नए जीवन का स्वागत करने की यात्रा, अभी लम्बा सफर बाकी है, बहुत कुछ तय करना है। जनजाति और ग्रामीण क्षेत्रों में नीलकंठ आईवीएफ ने शिविरों और जागरूकता अभियानों की स्थापना की और टीम ने पुरुषों और महिलाओं को शिक्षित करने के साथ बांझपन और कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए लगातार कई प्रयास किए। डॉ. सूद दंपती ने ने आईवीएफ तकनीक द्वारा बच्चियों के जन्म के अवसर पर पौधरोपण कर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी लेकर एक सफल अभियान भी चलाया। डॉ. सूद दम्पती की भविष्यगामी योजनाओं के तहत राजस्थान के कई जिलों में नीलकंठ आईवीएफ सेंटर की स्थापना की जानी है। जिससे कि उस क्षेत्र विशेष के नि:संतान दम्पती कम खर्च और आने-जाने की परेशानी से बचते हुए आधुनिक तकनीक का लाभ उठा पाएंगे। नीलकंठ आईवीएफ ने अब तक हजारों सफल आईवीएफ किए हैं। शीर्ष भ्रूण विज्ञानियों, डॉक्टर्स और स्टाफ के सहयोग द्वारा बेहतर क्वालिटी और पेशेंट की देखभाल के लिए एनएबीएच पूर्व मान्यता प्राप्त करने वाला यह राजस्थान का एकमात्र अस्पताल है। नीलकंठ के पास एक उच्च सफलता दर और कैरी होम बेबी दर है जो दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आईवीएफ क्लीनिकों को टक्कर देती है। डॉ. सिमी सूद और डॉ. आशीष सूद को दक्षिण राजस्थान में आईवीएफ तकनीक लाने और इस क्षेत्र में पहले टेस्ट ट्यूब बेबी को जन्म दिलवाने का श्रेय प्राप्त है। इन्होंने उदयपुर में 2003 में अपने पहले आईवीएफ सेंटर की स्थापना की। इनका लक्ष्य आईवीएफ द्वारा माता-पिता बने सफल जोड़ों की संतुष्टि को देखना है और साथ ही साथ जो दंपती अभी तक सफल नहीं हुए हैं, उनके घर में नयी खुशियों को जन्म देना है।

# अस्सी पार, जोश अपार

*डॉ. दीपक आचार्य*

**एक** ओर जहाँ अधिकांश बुजुर्ग सेवानिवृत्ति के बाद केवल और केवल टाईमपास के लिए ब्रह्माण्ड भर की चर्चाओं में व्यस्त पाटों, पेढ़ियों, चौपालों अन्य जगहों पर रमे नजर आते हैं, वहीं बहुत सारे ऐसे भी हैं जो शरीर के स्वस्थ रहने तक समाज को अपने ज्ञान एवं अनुभवों का लाभ प्रदान करते ही रहते हैं। निष्काम सेवा और परोपकार को जीवन का लक्ष्य मानने वाले प्रायः ऐसे बुजुर्गों से साक्षात होता रहता है। धन्य हैं वे जो दिन-रात समाज का चिन्तन करते हुए किसी न किसी प्रकार से अपने अनुभवों, ज्ञान और समय का लाभ समाज को प्रदान करते हैं।

समाज भी ऐसे लोगों का सम्मान करता है, दिल से कद्र करता है। यौवन और पदीय अहंकारों से लथ-पथ युवाओं और ज्ञानी-अनुभवी बुद्धिजीवियों की अपार भीड़ देखने को मिलती है। जिसके पास न संस्कार हैं, न सेवा भाव, और न ही समाज और मातृभूमि के लिए कुछ करने का माद्दा। ऐसे तथाकथित प्रबुद्धजनों की ढेरों किस्में हमारे सामने हैं जो या तो तटस्थ होकर कायर और मुर्दाल पड़ी रहती हैं या फिर उनके जीवन का एकमात्र उद्देश्य

भोग-विलास, नशाखोरी और येन-केन धनसंग्रह ही रह गया है।

इन तमाम प्रकार की नैराश्यपूर्ण और विषमताजनक, दुर्भाग्यशाली परिस्थितियों में ऐसे बुजुर्ग भी कम नहीं हैं जो समाज की किसी न किसी सेवा में अग्रणी हैं, भले ही आयु 70-80 पार ही क्यों न हो। सच्चा इंसान वही है जो अंतिम श्वास तक निष्काम सेवा, परोपकार और लोकमंगल के भावों को अपनाता कर्मयोग की सुगंध के कतरों से प्रेरणा जगाता रहे। पिछले दिनों जोधपुर में अनेक ज्ञानी-अनुभवी वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात ने हमें काफी प्रभावित किया। इनमें सेवानिवृत्त मुख्य लेखाधिकारी एन.के. जोशी और पुरातत्व विभाग में निरीक्षक के पद से सेवानिवृत्त पुरातात्विक विषयों के जानकार अर्जुनराज मेहता शामिल हैं। अस्सी पार होने के बावजूद इनमें युवाओं जैसा जोश और समाज के लिए समर्पित भाव से जीने का इनका जज्बा मुझे भीतर तक अभिभूत कर गया। धन्य हैं परहित परंपरा के वाहक, जो आयु के नैराश्य को पराजित कर जनकल्याण के लिए समर्पित जीवन जीते हैं। वस्तुतः जीवन वही सार्थक है जो समाज में जीवनी शक्ति का संचार करने के साथ ही भावी पीढ़ियों में प्रेरणा जगाता है। पुरखों के निष्काम कर्मयोग, लोकमंगलकारी सेवाव्रत और पराक्रमी जीवन के बीज अभी पुष्पित हैं भारत की पुण्य धरा पर।

प्रत्यूष

# हरियाली तीज पर बनाएं खास मीठे –नमकीन व्यंजन

**अपने मंगलमय दांपत्य जीवन के लिए विवाहित महिलाएं हरियाली तीज का व्रत रखती हैं। इस अवसर पर खास तरह के मीठे नमकीन व्यंजन बनाए जाते हैं। श्रावण शुक्ला तृतीया (31 जुलाई) को हरियाली तीज का पर्व है। *रेणु शर्मा* बता रही हैं, इस पर्व पर बनाए जा सकने वाले कुछ खास व्यंजनों की रेसिपी।**

## हरियाले मावा परवल

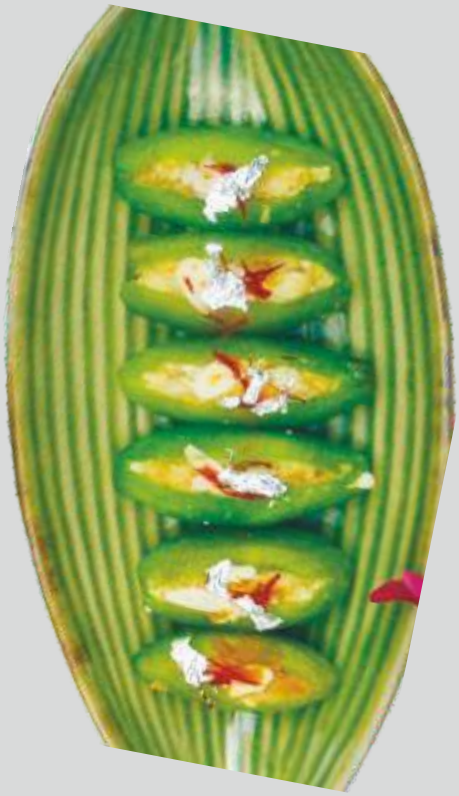

**सामग्री:**- परवल: 250 ग्राम, मावा: 100 ग्राम, पनीर: 125 ग्राम, हरा धनिया, कॉर्न फ्लोर, काली मिर्च: 1 कटोरी बरीक कटा हुआ, चावल भीगे और पिसे हुए: आधा कटोरी।

**विधि:**- मावा भून कर घी निकाल ठंडा कर ले और मिक्सी में मिक्स कर लें। पनीर को घिस लें। अब पनीर, मावा और परवल के मैटेरियल को मिक्स कर उसमें थोड़ा नींबू रस, कटी हरी मिर्च, नमक, काली मिर्च मिलाकर रख लें। परवल में मसाला भर कर आधा घंटा फ्रिज में रख दें। अब थोड़े से कॉर्न फ्लोर में पिसे हुए चावल का घोल और दरदरी काली मिर्च मिलाकर डीप फ्राई कर लें। पेपर नेपकिन में रखकर फैला दें। कटा हुआ हरा धनिया डाल कर सर्व करें।

## गुलाब लड्डू स्पेशल

**सामग्री :–** कंडेन्स्ड मिल्क: 400 ग्राम, नारियल का बूरा: 350 ग्राम, गुलकंद: 200 ग्राम, हरी इलायची (पिसी हुई) एक छोटा चम्मच।

**विधि :–** कड़ाही में पूरा कंडेन्स्ड मिल्क और 300 ग्राम नारियल का बूरा अच्छे से मिक्स करें (50 ग्राम नारियल–बूरा गोले रोल करने के लिए अलग बचा कर रखें) जब मिक्स हो जाए तो धीमी आँच पर लगातार चलाते हुए दो मिनट के लिए इसे गर्म करें। जब मिश्रण ठंडा हो जाए, तो इसमें इलायची मिक्स करें और हाथों में थोड़ा सा घी लगाकर इसमें से एक नींबू के बराबर लोई तोड़े, उसे चपटा करके थोड़ा फैला लें और बीचों–बीच एक छोटा चम्मच गुलकंद रखें। किनारों को आपस में मिलाते हुए इसे गोल–गोल लड्डू की शक्ल दें और बचे हुए नारियल के बूरे में इसे रोल करें। सारे लड्डू इसी तरह बना लें।

## घेवर

**सामग्री :–** मैदा: 3 कप, आइस क्यूब्स: 3–4, पानी: 4 कप, दूध: 1/2 कप, पीला रंग: 1/4 चम्मच, शुद्ध घी: 1 किलो, चाशनी के लिए, चीनी: डेढ कप, इलायची पावडर: 1 चम्मच, बादाम (कटे हुए): 1 चम्मच, पिस्ता: 1 चम्मच, दूध: 1 बड़ा चम्मच, दूध में भिगोया हुआ केसर: 1/2 चम्मच, चांदी का वर्क: सजावट के लिए।

**विधि :–** सबसे पहले चीनी की चाशनी तैयार करके रख दें। उसके बाद एक बड़े कटोरे में घी डालें, फिर दूध, मैदा और एक कप पानी डालकर घोल बनाएं। अब थोड़े से पानी में पीला रंग मिला लें और उस पानी को मैदे के घोल में डाल दें, जरूरत के हिसाब से घोल में और अधिक पानी मिलाएं, क्योंकि घोल पतला होना चाहिए। अब एक स्टील का गहरा बर्तन लें इसमें आधे तक घी भर दें और गरम कर लें। जब घी गरम हो जाए, तब 50 एमएल गिलास भर के घोल लें और उसे घी के किनारे किनारे डालिए और बीच में एक छेद बनाइए। घोल डालने के बाद उसे थोडा–सा समय दीजिए, जिससे वह बैठ जाए, इसके बाद फिर से गिलास भर कर दुबारा वही विधि अपनाइए। जब घेवर एक बार बैठ जाए, तब उसे पकने दीजिए। जब घेवर भूरा होने लगे तो एक करछी को घेवर के बीच के छेद में डाल कर सावधानी से निकाल लें। अब इसका अतिरिक्त घी निकल जानें दें और इसे चाशनी में डुबों दें। थोड़ी–देर के बाद इसे निकाल कर किनारे रख दें, जिससे चाशनी रम जाएगी, जब यह हल्का ठंडा हो जाए, तब इस पर चांदी का वर्क लगा दें और केसर का दूध डालें। कटे हुए मेवे डाल कर इलायची पावडर छिड़क दें। घेवर तैयार है।

# इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

## मेष

अपने अहंकार से विभिन्न संबंधों में तथा जीवन साथी से मतभेद रहेंगे, यह माह कई क्षेत्रों में अच्छा भी रहेगा, आप पूर्ण पुरुषार्थ एवं मनोयोग से कार्य करेंगे, आर्थिक लाभ बना रहे। पुराने कर्ज से मुक्ति मिलेगी, स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव रहेगा। नौकरी के लिए प्रयत्नशील जातकों का मनोरथ पूरा होगा।

## वृषभ

मानसिक संतुलन में कमी रहेगी, पारिवारिक सदस्यों से आपसी प्रेम बनाए रखें। स्वास्थ्य, व्यापार एवं काम धंधे पर ध्यान दें। किसी वरिष्ठजन का मार्गदर्शन लाभ देगा, नौकरी पेशा जातक भी अपने से असंतुष्ट पाएंगे। भाई–बहिनों के सहयोग से लाभ।

## मिथुन

विवाह के प्रस्ताव आएंगे, भाई–बहिनों से मन मुटाव हो सकता है, बोलने से पहले विचार करें। अहम व्यापारिक निर्णय लेने पड़ेंगे जो आगे लाभप्रभ सिद्ध होंगे, बच्चों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, आय पक्ष सामान्य, शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत जातक नई बुलंदियां छुएंगे।

## कर्क

सकारात्मक एवं नकारात्मक विचारों के बीच द्वंद्व रहेगा एवं अड़चने रहेंगी। राजनीति से जुड़े जातकों को सावधानी से काम करना होगा, वित्तीय मामले सुदृढ़ होंगे। परिवारजनों के साथ समय व्यतीत होगा। माह के उत्तरार्द्ध में घर में धार्मिक आयोजन होंगे, सरकारी कर्मचारियों पर भारीपन रहे।

## सिंह

घर में किसी बात को लेकर क्लेश हो सकता है, नौकरी व्यापार, धंधे में संकट का सामना करना पड़े। विद्यार्थी वर्ग को कुछ नया करने का समय है, आय पक्ष सामान्य रहेगा, शासकीय मसले पक्ष में रहेंगे। भाग्य के भरोसे कोई कार्य नहीं करे। माह का पूर्वार्द्ध शुभ फल दे सकता है।

## कन्या

आर्थिक स्थिति खराब चलने से परेशानियां आएंगी, कर्ज लेने से बचें, माह का पूर्वार्द्ध भाग्योदय करेगा। परंतु योजना सुव्यवस्थित करें, कर्म क्षेत्र में नई चमक आएगी, सरकारी अधिकारी व कर्मचारी संतुष्ट रहेंगे। शत्रु पक्ष पराजित होगा। दिनचर्या व्यवस्थित रखें।

## तुला

माह का पूर्वार्द्ध अच्छा रहेगा, प्रोपर्टी के लाभ के आसार, दाम्पत्य जीवन में उलझने बनी रहेगी, भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि, विचारों में असमंजसता से किसी भी निर्णय पर नहीं पहुंच पाएंगे, ध्यान योग का सहारा लेंगे, संतान की ओर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

## वृश्चिक

भाई–बहिनों के संबंध मजबूत होंगे। घरेलू मामलों में अड़चनें आएंगी। फिजुल खर्च से बचे, परिवार में बड़ों के परामर्श से कार्य करें, रोग, ऋण एवं शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी, स्वास्थ्य संबंधित उलझनें बनेगी, परिश्रम की अधिकता रहेगी। विवाहेत्तर संबंधों से सावधान रहें।

## इस माह के पर्व/त्योहार

| | | |
|---|---|---|
| 1 जुलाई | आषाढ़ शुक्ला द्वितीया | जगन्नाथ रथयात्रा |
| 4 जुलाई | आषाढ़ शुक्ला पंचमी | द्वारिकाधीश महोत्सव |
| 10 जुलाई | आषाढ़ शुक्ला एकादशी | देवशयनी एकादशी चार्तुमास व्रतारंभ |
| 13 जुलाई | आषाढ़ी पूर्णिमा | गुरू पूर्णिमा/ व्यास पूजा |
| 22 जुलाई | श्रावण कृष्णा नवमी | गुरू हरकिशन जयंती |
| 23 जुलाई | श्रावण कृष्णा दशमी | तिलक जयंती |
| 26 जुलाई | श्रावण कृष्णा त्रयोदशी | कारगिल दिवस |
| 28 जुलाई | श्रावणी अमावस्या | हरियाली अमावस्या |
| 31 जुलाई | श्रावण शुक्ला तृतीया | हरियाली तीज |

## 10 जुलाई से शुभ कार्य निषिद्ध

दस जुलाई को आषाढ़ शुक्ल देवशयनी एकादशी से वैवाहिक और अन्य शुभ कार्य बंद हो जाएंगे। चार माह के लिए भगवान विष्णु क्षीरसागर में विश्राम करते हैं। इसके बाद देवउठनी एकादशी या तुलसी विवाह के मौके पर नवंबर माह से ही शुभ विवाह और मांगलिक कार्यक्रमों की शुरूआत होगी।

## विवाह के शुभ मुहूर्त्त

4 जुलाई, आषाढ़ शुक्ल-5, नक्षत्र-मघा, दिवा लग्न-मिथुन, रेखा-6

8 जुलाई, आषाढ़ शुक्ल-9, नक्षत्र-स्वाति, दिवालग्न-मिथुन/कन्या या रात्रिलग्न- गोधूलि/मकर/कुम्भ/मेष, रेखा-9

9 जुलाई, आषाढ़ शुक्ल-10, नक्षत्र-स्वाति, दिवा लग्न-मिथुन/कर्क, रेखा-8

## धनु

वित्तीय मामले अपने से वरिष्ठजनों के सहयोग से पूरा करे, किसी पुरानी बात से सावधान रहे। घर में विवाद संभव, सयंम से काम लेंवे। स्वास्थ्य संबंधित मामले तकलीफदेह रहेंगे। आय पक्ष प्रभावित होगा। व्यापार में भी अनुकूलता नहीं बने, नौकरी पेशा जातक मान सम्मान प्राप्त करेंगे।

## मकर

परिवार का भरपूर सहयोग मिलेगा। मेहमानों की आवभगत और कर्म क्षेत्र में प्रतिकूलताओं का सामना करना पड़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में अपयश की संभावनाएं रहेगी। शत्रु पक्ष हावी हो सकता हैं, व्यापारिक प्रतिस्पर्द्धा के कारण वाद–विवाद, लड़ाई झगड़ा संभव है।

## कुम्भ

मित्रों के साथ संबंधों में घनिष्ठता आएगी, चिकित्सा क्षेत्र में ज्यादा खर्च करना पड़े। वित्तीय लाभ मिलेगा, सहकर्मी आपके काम से खुश रहेंगे, पदोन्नति हो सकती है, व्यापार में नए ग्राहकों से संबंध जुड़ेंगे। स्वास्थ्य खराब रह सकता है। संतान पक्ष आपको प्रसन्न रखेगा।

## मीन

अजनबी से वाद–विवाद न करें, कोर्ट कचहरी के चक्कर लग सकते हैं, आर्थिक स्थिति सुदृढ रहेगी, विद्यार्थी वर्ग को शुभता की प्राप्ति होने, मन चाहे परिणामों की प्राप्ति होवे, परंतु परिश्रम की अधिकता रहेगी, स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहेंगे। अपनी योजना सार्वजनिक नहीं करें।

### इंसानों को जवां रखने की कोशिश

# बूढ़े चूहे फिर से हो गए जवान

**इंसान** खुद को जवान रखने के लिए सदियों से नई-नई तरकीबें अपनाता रहा है और शोध करता रहा है। हालांकि अब तक उसे कामयाबी नहीं मिली है। हाल ही में वैज्ञानिकों ने इंसाानों को बूढ़ा से जवान बनाने की दिशा में एक नया प्रयोग किया, जो काफी हद तक सफल भी रहा। हालांकि यह शोध इंसानों पर नहीं, बल्कि चूहों पर किया गया। ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने युवा चूहे के फीकल माइक्रोब्स (मल) को बूढ़े चूहे में ट्रांसप्लांट किया, जिसके परिणाम आश्चर्यचकित करने वाले थे। शोध में बताया गया कि ऐसा करने से बूढ़े चूहे फिर से जवान हो गए। युवा चूहों से पुराने चूहों में फीकल माइक्रोब्स के ट्रांसप्लांट से बूढ़े चूहों की आंत, आंखों और दिमाग में युवा चूहों जैसी क्षमता नजर आई।

## उल्टे प्रयोग पर भी वही नतीजे

**इतना** ही नहीं जब बूढ़े चूहों के फीकल माइक्रोब्स (मल) को युवा चूहों में ट्रांसप्लांट किया गया तो युवा चूहों में बूढ़ें चूहों जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। इनके दिमाग में सूजन बढ़ गई और जरूरी प्रोटीन में भी कमी पाई गई। शोध में कहा गया जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, हमारी आंतें कमजोर होने लगती हैं। इन प्रयोगों से पता चलता है कि आंत को लेकर बहुत कुछ किया जा सकता है।

## माइक्रोबायोम में शोध

**माइक्रोबायोम** में प्रकाशित इस शोध में बताया किया कि यह प्रयोग इसलिए किया गया कि आंतों के माइक्रोबायोटा में हेरफेर करने से उम्र से जुड़ी बीमारियों के बढ़ने पर असर पड़ता है। खासकर मस्तिष्क और रेटिना पर असर डालने वाली सूजन।

## प्रतिरक्षा कोशिकाएं सक्रिय

**वैज्ञानिकों** के इस प्रयोग से आंत की परतों पर खासा असर पड़ता दिखाई दिया, जिससे बैक्टीरिया रक्त में जा सकता है। शोध में रेटिनल डिजनरेशन से जुड़े प्रोटीन का ऊंचा स्तर मिला और प्रतिरक्षा कोशिकाएं भी अति सक्रिय दिखाई दीं।

## पाठक पीठ

महाराणा प्रताप से सम्बंधित इतिहासकार डॉ.के.एस गुप्ता का आलेख शोध-परक तो था ही, स्वतंत्रता और स्वाभिमान को अक्षुण्ण रखने के लिए प्रेरित करने भी वाला था। नई पीढ़ी महाराणा प्रताप के त्याग, बुद्धि-चातुर्य, रण कौशल और प्रशासनिक सूझबूझ से अनुप्राणित होगी।

**नीलाभ सक्सेना,**
जिला कलेक्टर, राजसमंद

मुझे 'प्रत्यूष' के अंक नियमित रूप से मिल रहे हैं, इसके लिए मेरा हार्दिक आभार स्वीकार कीजिए, आपके इस सौजन्य के कारण मैं अपने मूल निवास नगर उदयपुर से और गहराई से जुड़ा महसूस कर रहा हूं। मेरे लिए यह बात और अधिक आनंद की है कि इस पत्रिका का सम्पादन मेरे पुराने मित्र श्री विष्णु शर्मा हितैषी जी कर रहे हैं। अभी आपने जो मई 2022 अंक भेजा है उसकी सामग्री की विविधता प्रशंसनीय है, इस एक अंक में जैसे गागर में सागर सिमट आया है. अंक का प्रस्तुतिकरण नयनाभिराम है. इस अंक के लिए मेरी बधाई स्वीकार करें।

**–डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,**
साहित्यकार, जयपुर

'प्रत्यूष' के जून अंक में 'उधार का घी पीकर जर्जर हुआ श्रीलंका' आलेख उन तमाम विकासशील राष्ट्रों के लिए एक कड़ा संदेश है, जो अंधाधुंध कर्ज लेकर विकास और अर्थ व्यवस्था को सक्रिय रखते हैं। श्रीलंका में राजनेताओं की अदूरदर्शिता का भुगतान जनता को करना पड़ रहा है। यह अच्छी बात है कि भारत आत्म निर्भरता के रास्ते पर चल पड़ा है।

**–अरविंद माथुर,**
मुख्य अभियंता, राज. हाउसिंग बोर्ड

मई-22 के दूसरे सप्ताह में उदयपुर में अ.भा. कांग्रेस के नवसंकल्प चिंतन शिविर सम्बंधी दोनों आलेख अच्छे लगे। कांग्रेस को सिर्फ चिंतन करके ही नहीं रह जाना है, निर्णयों पर अमल भी करना है, उसे वर्तमान में विपक्ष में एकजुटता का प्रयत्न करना चाहिए। मज़बूत लोकतंत्र के लिए सकारात्मक विपक्ष बहुत जरूरी है।

**महेन्द्रपाल सिंह छाबड़ा**
उद्योगपति

प्रत्यूष के जून अंक की प्राप्ति सुखद रही। लेखन, साज सज्जा और कलेवर आकर्षक व लुभावना है। पठन सामग्री ज्ञानवर्द्धक। ऐसे उत्कृष्ट प्रकाशन के लिए बधाई और शुभकामनाएं।

**एम.एल. मलकानी,**
व. पत्रकार, जोधपुर

# चित्तौड़ अरबन बैंक को 'बैंकों ब्लू रिबन अवॉर्ड'

**चित्तौड़गढ़.** चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड को राष्ट्रीय स्तर का 'बैंको ब्लू रिबन अवॉर्ड' - 2021 प्रदान किया गया है। होटल रेडिसन ब्लू रिसोर्ट एण्ड स्पा, लोनेवाला, महाराष्ट्र में प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी ने 100-125 करोड़ की जमाओं वाले बैंकों की श्रेणी में प्रथम स्थान मिलने पर यह अवार्ड प्राप्त किया। प्रबन्धक (प्रशासन) जे.पी. जोशी के अनुसार अविनाश शिन्त्रे, चीफ एडिटर बैंकों, अशोक नायक, निदेशक गलेक्सी इन्मा, डी.जे काले (पूर्व सीजीएम, भारतीय रिजर्व बैंक) ने देशभर से आये लगभग 500

प्रतिभागियों के मध्य गत दिनों त्रिदिवसीय सम्मेलन में यह सम्मान प्रदान किया। बैंक के सम्मानित होने पर संस्थापक अध्यक्ष डा. आई. एम सेठिया, चेयरपर्सन विमला सेठिया, उपाध्यक्ष शिवनारायण मानधना, निदेशक हस्तीमल चोरडिया, शान्तिलाल पुंगलिया, आदित्येन्द्र सेठिया, विनोद कुमार आंचलिया, राधेश्याम आमेरिया, चांदमल नन्दावत, बालकिशन धुत, सुनीता सिसोदिया, रणजीत सिंह नाहर व सीए बालकिशन डाड एवं प्रबन्ध मण्डल के अध्यक्ष हेमन्त शर्मा, सदस्य नितेश सेठिया, दीपसिंह आहूजा ने प्रसन्नता व्यक्त की।

## ओसवाल बड़े साजन सभा की कार्यकारिणी का चयन
# नाहर अध्यक्ष व पगारिया मंत्री बने

**उदयपुर.** ओसवाल बड़े साजन सभा के चुनाव में नव निर्वाचित प्रतिनिधियों ने 11 जून को नव निर्वाचित कार्यकारिणी का चयन किया। कुलदीप नाहर अध्यक्ष एवं मंत्री आलोक पगारिया चुने गए। चुनाव में चयनित 51 प्रतिनिधियों व 2 संरक्षकों सहित 53 प्रतिनिधियों ने अध्यक्ष पद के लिए 27 मतों से कुलदीप नाहर, 28-28 मतों से उपाध्यक्ष के लिए अनिल कोठारी, मंत्री के लिए आलोक पगारिया, 27 मतों से सह मंत्री के लिए अशोक लोढ़ा एवं 28 मतों से कोषाध्यक्ष पद के लिए गजेंद्र जोधावत को चुना। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डॉ. अनिल कटारिया, गजेंद्र सामर, हर्ष मित्र सरूपरिया, रवि मांडावत, संजय कावड़िया, ललित वर्डिया, नवीन मोदी, भगवतीलाल सुराणा, मन्नालाल सामर और मानसिंह पानगड़िया को चुना गया।

# आदिठाणा-3 का चातुर्मास प्रवेश 10 को

**दिल्ली.** उपाध्याय प्रवर रविन्द्र मुनि का पष्ठीपूर्ति समारोह 6 मई को ऋषभ आश्रम में सानंद सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश चोरडिया, प्रशांत जैन, विपिन जैन, कार्यकारी महामंत्री राजीव जैन, युवा व महिला शाखा के पदाधिकारी, साधु-साध्वी वृंद भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अपाध्यक्ष प्रशांत जैन के अनुसार श्रमण संघीय प्रवर्तक डॉ. राजेन्द्र मुनि म.सा. साहित्य दिवाकर सुरेन्द्र मुनि जी व नव दीक्षित पार्श्वेन्द्र मुनि आदि ठाणा-3 का 10 जुलाई को न्यू शक्ति नगर, जैन सभा में चातुर्मास प्रवेश होगा।

# फोर्टी अध्यक्ष का स्वागत

**उदयपुर.** फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, संरक्षक सूरजाराम मील और कार्यकारिणी अध्यक्ष पीडी गोयल गत दिनों उदयपुर आए और उदयपुर टीम से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। फेर्टी ब्रांचेज के चेयरमैन प्रवीण सुथार ने बताया कि चौथे कार्यकाल में पहली बार उदयपुर आए अग्रवाल ने बताया कि फोर्टी राजस्थान ही नहीं देश के अन्य राज्यों और विदेशों में भी अपनी उपस्थिति रखता है और व्यापारियों और उद्यमियों की समस्याओं को सरकार के सामने रख रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हमारा फोकस एमएसएमई समस्याओं के समाधान और राजस्थान में निवेश बढ़ाने पर है।

# महिला समृद्धि बैंक देश का सर्वश्रेष्ठ महिला बैंक

**उदयपुर.** उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड ने सहकारिता क्षेत्र

में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ महिला नागरिक सहकारी बैंक का अवार्ड प्राप्त कर राजस्थान में सहकारिता का नाम अखिल भारतीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। बैंक अध्यक्ष विद्याकिरण अग्रवाल ने बताया कि प्रतिष्ठित मैगजीन बैंकों पुणे द्वारा आयोजित समारोह में महिला समृद्धि बैंक की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद चपलोत एवं आईटी हेड निपुण चित्तौड़ा ने भाग लेकर सम्मान को ग्रहण किया।उल्लेखनीय है कि बैंक ने इस वर्ष हर क्षेत्र में प्रगति करते हुए 91 लाख का लाभ कमाया है।

# माता-पिता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म : लक्ष्यराज

**उदयपुर.** तारा संस्थान ने अपना 12वां स्थापना दिवस 11 जून को वृद्धाश्रम में मनाया। समारोह के मुख्य अतिथि मेवाड़ राजपरिवार के सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि अपने-अपने घरों और अपने बेटे-बेटियों से बिछड़े बुजुर्ग तारा संस्थान में एक परिवार की तरह रह रहे हैं। लक्ष्यराज सिंह ने तारा संस्थान में निवासरत सभी बुजुर्गों को सिटी पैलेस में भोजन पर भी आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि माता-पिता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। हर व्यक्ति और हर समाज को धरोहर रूपी बुजुर्गों की सेवा के लिए बढ़-चढ़कर आगे आने की जरूरत है। तारा संस्थान अध्यक्ष कल्पना गोयल व सचिव दीपेश मित्तल ने बताया कि तारा संस्थान ने अब तक 1,25,000 मोतियाबिन्द के नि:शुल्क ऑपरेशन किए हैं। वृद्धाश्रम में भारत के विभिन्न राज्यों के बुजुर्ग नि:शुल्क रहते हैं। कार्यक्रम में वृद्धाश्रम आवासी रामचन्द्र कुमावत व दिल्ली की पुष्पा गुप्ता ने गीत प्रस्तुति दी। धन्यवाद संस्थान निदेशक विजय सिंह चौहान ने ज्ञापित किया।

# धीरज गुर्जर का सम्मान

**उदयपुर.** किसानों की स्थिति को सुधारने और कृषि को उन्नत बनाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि परंपरागत कृषि के साथ उन्नत किस्म के कम लागत के ऐसे बीजों का उपयोग किया जाए, जिससे अधिकतर पैदावार मिले। यह बात जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विवि के डबोक स्थित कृषि भवन सभागार में राजस्थान बीज निगम अध्यक्ष धीरज गुर्जर ने अपने सम्मान में आयोजित समारोह में कही। कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत, कुलप्रमुख भंवरलाल गुर्जर ने धीरज गुर्जर का सम्मान किया।

# क्रिकेट : अरावली को मिला वेटरन्स खिताब

**उदयपुर.** वेटरन्स क्रिकेट एसोसिएशन की मेजबानी में वेटरन्स क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब अरावली क्रिकेट क्लब ने जीता, पारितोषिक वितरण समारोह में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। नरेन्द्र चूंडावत सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, नितिन मेनारिया, सर्वश्रेष्ठ बॉलर और निखिल डोरू को प्लेयर ऑफद टूर्नामेंट घोषित किया गया। इस दौरान राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी महेंद्र शर्मा और 96 बार रक्तदान करने वाले रवींद्र पाल कप्पू का सम्मान किया गया।

# अर्थ स्किन को पुरस्कार

**उदयपुर.** क्लिनिकल कॉस्मेटोलॉजी व कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी के क्षेत्र में अर्थ स्किन को राज्य स्तरीय पुरस्कार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने प्रदान किया। जिसे सीइओ डॉ. अरविंदर सिंह ने ग्रहण किया। डॉ सिंह ने बताया कि अर्थ की शाखाएं शीघ्र ही जयपुर, दिल्ली व लखनऊ में खोली जा रही हैं। अर्थ पर कॉस्मेटोलॉजी की अंतराष्ट्रीय ट्रेनिंग भी आरंभ की जाएगी। उन्होंने बताया कि अर्थ स्किन पर लेजर तकनीक लेजर हेयर रिमूवल, मेडिकल फेशियल, मोटापा कम करना, चेहरे के पिगमेंट हटाना, आदि सेवाएं प्रदान की जाती है।

# उदयपुर महिला बैंक की आम सभा

**उदयपुर.** दी उदयपुर महिला अरबन कॉ-ओपरेटिव बैंक की 28 वीं वार्षिक आम सभा गत दिनों टाउन हॉल में हुई। अध्यक्षा पुष्पा सिंह ने बताया कि कोरोना महामारी के दौर में भी बैंक का जमा व्यवसाय 291 करोड़, ऋण व्यवसाय 102 करोड़ एवं शुद्ध लाभ 1 करोड़ से अधिक रहा। उन्होंने बैंक के वरिष्ठ अधिकारी रोशनलाल सालवी, विरेन्द्र कुमार दोषी, दिनेश कुमार चोर्डिया का सम्मान किया। इस अवसर पर संचालक मण्डल सदस्य सोनल अजमेरा, विनीता समदानी, श्वेता सरूपरिया, स्वाति माहेश्वरी, शीला माथुर, शकुन्तला भादविया, प्रेरणा कोगटा, श्वेता सिंघवी, नीलम सुयल, सोनाली मारू, राधा देवी एवं बोर्ड ऑफ मेनेजमेंट की सदस्या अंकिता ओस्तवाल, राजश्री गांधी एवं वंदना उदावत भी उपस्थित थीं।

# एलजी की 'सबसे बेस्ट शॉप' शुरू

**उदयपुर.** एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने ग्राहकों को बेहतरीन रिटेल खरीदारी और भारतीय कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडस्ट्री में विश्वस्तरीय मानक स्थापित करने के लिए उदयपुर में अपनी सबसे बेस्ट शॉप का गत दिनों शुभारंभ किया। यह शॉप स्टार हीतावाला कॉम्प्लेक्स, पुलां रोड पर लिबर्टी एसोसिएट्स के तौर पर खोली गई है। उद्घाटन एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के सेल्स हेड संजय चितकारा एवं क्षेत्रीय व्यापार प्रमुख तरूण भारद्वाज ने किया। संजय चितकारा ने कहा कि एलजी बेस्ट शॉप घर की सभी डिजिटल जीवनशैली की जरूरतों के लिए वन स्टॉप शॉप के रूप में काम करेगी।

# योग दिवस मनाया

**उदयपुर.** अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अभिनव स्कूल की दोनों शाखाओं में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने विद्यालय में योग और प्राणायाम का अभ्यास किया और योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। अभिनव स्कूल, आदर्श नगर में निदेशक सुरेन्द्रकुमार रावल, प्रधानाचार्य उपेन्द्र रावल ने बालकों को योग का अर्थ और इसकी उपयोगिता के बारे में बताया। भूपेन्द्र शर्मा ने योगाभ्यास करवाया।

# हिंद जिंक को हेल्थ इम्पेक्ट अवार्ड

**उदयपुर.** हिंदुस्तान जिंक को नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार समारोह में छठे सीएसआर हेल्थ इम्पेक्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सीएसआर स्वास्थ्य अभियान श्रेणी में असाधारण प्रदर्शन के लिए कंपनी को अपनी प्रमुख सीएसआर परियोजना, खुशी आंगनवाड़ी नंदघर के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया। जिससे राजस्थान के 5 जिलों उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा और अजमेर के 2,500. गांवों में 1,90,000. बच्चे लाभान्वित हुए। समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास अठावले थे। हिंदुस्तान जिंक की ओर से यह पुरस्कार सीएसआर विभाग के अधिकारी योगेश वर्मा एवं अंजली असीजा ने ग्रहण किया।

# भानावत को सम्मान

**उदयपुर.** डॉ. महेंद्र भानावत को जोधपुर स्थापना दिवस पर गत दिनों गजसिंह द्वारा मारवाड़ रत्न कोमल कोठारी सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. भानावत को यह सम्मान उनके द्वारा विभिन्न जातियों, लोकानुरंजनकारी प्रवृत्तियों व जनजातीय सरोकारों जैसी विधाओं पर लेखन एवं शोध के लिए प्रदान किया गया है।

# स्वास्थ्य और सकारात्मकता पर व्याख्यान

**उदयपुर.** एनआईसीसी की फाउण्डर डॉ. स्वीटी छाबड़ा ने गत दिनों नारायण सेवा संस्थान में दिव्यांगों के बीच स्वास्थ्य एवं सकारात्मकता विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि व्यस्तता और भागदौड़ के वर्तमान जीवन में मनुष्य के लिए स्वस्थ और सकारात्मक रहना बहुत जरूरी है। इसमें योग और मंत्र भी हमारी सहायता करते है। साथ ही मेटा, थीटा और प्राणिक हीलिंग की प्रक्रिया और उसके लाभ बताए। बाद में उन्होंने संस्थान के दिव्यांगता निवारण एवं कौशल विकास के विभिन्न नि:शुल्क प्रकल्पों का अवलोकन भी किया। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल ने उनका स्वागत करते हुए संस्था सेवाओं से उन्हें अवगत कराया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी, जनसम्पर्क अधिकारी भगवान प्रसाद गौड़, राकेश शर्मा, अनिल आचार्य और राजेन्द्र सिंह भी उपस्थित थे।

# वार्षिकोत्सव में छात्रों का सम्मान

**उदयपुर.** रॉयल संस्थान के वार्षिकोत्सव 'साकार-2022' में सरकारी सेवा और कृषि विवि में चयनित छात्रों को सम्मानित किया गया। निदेशक जीएल कुमावत ने बताया कि मुख्य अतिथि कुलपति एमपीयूएटी डॉ. नरेंद्रसिंह राठौड़, आईआरएस भैराराम चौधरी, मांगीलाल जोशी और युधिष्ठिर कुमावत ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान जेट टॉपर गजराज व जसवंत सुमन, राज्य में प्रथम रैंक लाने वाले कृषि पर्यवेक्षक ओम प्रकाश गोदारा को नकद पुरस्कार से नवाजा।

# चिराग मेनारिया सम्मानित

**उदयपुर.** हाल ही घोषित यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम में उत्तीर्ण उदयपुर के चिराग मेनारिया को नारायण सेवा संस्थान द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी, संस्थान के जन सम्पर्क अधिकारी भगवान प्रसाद गौड़ व दीपक मेनारिया ने चिराग के पिता दिलीप मेनारिया, माता गिरिजा देवी व बहिन पूजा को भी दुपट्टा पहना कर सम्मानित किया।

# जुगनू की पुस्तक का विमोचन

**उदयपुर.** महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने सिटी पैलेस में डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू द्वारा संपादित-अनुवादित महाराणा जय सिंह गुणवर्णन पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक की रचना पं. रणछोड़ भट्ट ने महाराणा जयसिंह के कृतित्व और व्यक्तित्व को केन्द्र में रखकर जयसंमद के निर्माणकाल के दौरान की थी। लगभग 300 वर्षों से अनुपलब्ध इस ग्रंथ को डॉ. जुगनू ने लंदन से मंगवाकर तैयार किया।

# बियोंड बुक्स 3.0 का समापन

**उदयपुर.** नीरजा मोदी स्कूल में 10 दिवसीय समर कैंप बियोंड द बुक्स 3.0 का गत दिनों समापन हुआ। चेयरपर्सन डॉ. महेंद्र सोजतिया ने सभी का स्वागत किया। निर्णायक मिस दीया त्रिवेदी और मिस जॉयस रोडरिक्स थे। निर्देशिका साक्षी सोजतिया ने बच्चों के खेलों के प्रति बढ़ते रूझान की सराहना की और बताया कि प्री- प्राइमरी व प्राइमरी के अभिभावक व बच्चों के लिए क्रॉफ्ट एक्टिविटी व ट्रेजर हंट का आयोजन किया गया।

# पार्सल पैकिंग सुविधा का अनावरण

**उदयपुर.** उदयपुर मुख्य डाकघर स्थित व्यवसाय विकास केंद्र में पार्सल पैकिंग सुविधा का अनावरण प्रवर अधीक्षक केके बुनकर ने किया। केंद्र प्रभारी उमेश निमावत ने बताया कि इस सुविधा से अब ग्राहक भारतीय डाक पार्सल को पोस्ट ऑफिस में ही पार्सल पैकिंग की सुविधा का लाभ लेते हुए बुकिंग करा सकेंगे।

# चौकसी ग्रुप ने लगवाया आरओ प्लांट

**उदयपुर.** उदयपुर के चित्रकूट नगर स्थित खेलगांव में चौकसी ग्रुप की ओर से आरओ प्लांट लगवाया गया। जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन ने इसके लिए चौकसी ग्रुप का आभार जताया।

# सुरेन्द्र मुनि को पीएच.डी उपाधि

**दिल्ली.** गुरू पुष्कर-देवेन्द्र की परम्परा में श्रमण संघीय प्रवर्तक डॉ. राजेन्द्र मुनि के सुशिष्य साहित्य दिवाकर सुरेन्द्र मुनि को नई दिल्ली के गुलमोहर सभागार में थियोफ्नी यूनिवर्सिटी (नार्थ अमेरिका) के अवार्ड सरेमनी कार्यक्रम में डी.हार्वे डिप्लोमैट एम्बेसी ऑफ बुक्रिना एफओ.एस नई दिल्ली, श्रीमती साजिया एडमिशन इंचार्ज, डॉ. इंदरजीत घोष, डॉ. अजय राणा, डॉ. पी. के राजपूत, श्रीमती लता सुरेश, विक्रम डोगरा, अभिषेक अग्रवाल आदि की उपस्थिति में 'जैनिज्म में आध्यात्मिकता' विषय में स्वर्ण पदक के साथ पीएच.डी की मानद उपाधि प्रदान की गई।

# संजय भंडारी बने मल्टीपल काउंसिल चेयरमैन

**उदयपुर.** रायपुर छत्तीसगढ़ में संपन्न मल्टीपल 3233 के 5वें बहुप्रांतीय अधिवेशन में प्रांत 3233 ई 2 के प्रांतपाल संजय भण्डारी को वर्ष 2022-23 के लिए मल्टीपल काउंसिल चेयरमैन नियुक्त किया गया है। यह जानकारी प्रांतीय पीआरओ राजेंद्र गांधी ने दी।

# चौहान प्रदेश उपाध्यक्ष बने

**उदयपुर।** कोटा में जिम्नास्टिक्स संघ के प्रदेश स्तरीय सेमीनार के दौरान हुए चुनाव में उदयपुर से जिला जिम्नास्टिक्स संघ के अध्यक्ष हिम्मतसिंह चौहान को प्रदेश उपाध्यक्ष तथा भरतसिंह को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किया गया।

# विवाह योग्य युवक-युवती परिचय पुस्तिका

**उदयपुर.** ब्राह्मण समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों की 21 वीं परिचय पुस्तिका का हाल ही में श्री परशुराम वैवाहिक समारोह एवं कल्याण समिति द्वारा किया गया। सम्पादक संत एच.आर.पालीवाल ने बताया कि पुस्तिका के कवर पेज का विमोचन जिला अदालत परिसर में वरिष्ठ अधिवक्ताओं के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इसके सम्पादन में श्रीमती प्रेमलता पालीवाल का भी सहयोग रहा।

# चंपावत रेलवे की समिति में

**उदयपुर।** चैम्बर ऑफ कॉमर्स उदयपुर संभाग की कार्यसमिति के सदस्य जयेश चंपावत को सांसद अर्जुन लाल मीणा की अनुशंसा पर अजमेर मंडल रेलवे प्रबंधक ने मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति में दो वर्ष के लिए सदस्य नामित किया है।

# कप्पू सिक्ख सेवा समिति अध्यक्ष

**उदयपुर।** सिक्ख समाज सेवा समिति के चुनाव में रविन्द्र पाल सिंह कप्पू को सर्व समिति से अध्यक्ष चुना गया है। सचिव आयुष अरोड़ा ने बताया कि कप्पू 96 बार रक्तदान कर चुके हैं तथा नगर निगम में सहवृत पार्षद हैं।

# सुखाड़िया रोटरी जोन चेयरमैन

**उदयपुर।** रोटरी क्लब हेरिटेज के पूर्वाध्यक्ष रो. दीपक सुखाड़िया को रोटरी प्रान्त 3054 के वर्ष 2022-23 के प्रांतपाल बलवन्त चिराना ने जोन चेयरमैन बनाया है। इनका कार्यकाल 1 जुलाई से प्रारम्भ होगा। कार्य क्षेत्र उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, चित्तौड़ व भीलवाड़ा रहेगा।

# कपिल को अतिरिक्त प्रभार

**उदयपुर।**भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय, प्रताप शोध प्रतिष्ठान के निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार इतिहास विभागाध्यक्ष, डॉ. भानु कपिल को सौंपा गया है। यह जिम्मा निदेशक डॉ. मोहब्बतसिंह राठौड़ के सेवानिवृत्त होने पर दिया गया है।

# कैलाश बने तैलिक साहू समाज अध्यक्ष

**उदयपुर।** श्री पंच महासभा तैलिक साहू समाज चार बैठक के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी देवेंद्र झरवार ने बताया कि अध्यक्ष पद पर पूर्व पार्षद एडवोकेट कैलाश गुलाणिया ने मीठालाल नैणावा को 170 वोट से हराया। उपाध्यक्ष पद पर विजय पड़ियार ने मोतीलाल मंगरोरा को व कोषाध्यक्ष पद पर अनिल मंगरूडिया ने प्रहलाद दया को हराया।

# नई हुंडई वेन्यू उदयपुर में लॉन्च

**उदयपुर.** हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने गत दिनों नई हुंडई वेन्यू को लॉन्च किया। नई वेन्यू अपने बोल्ड डिजाइन, पावर पैक्ड परफॉर्मेंस, स्पेस, आराम, उन्नत तकनीकों और कनेक्टिविटी के साथ ग्राहकों के लिए शानदार अनुभवों को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। इस नई कार को रामजी हुंडई के निदेशक युद्धवीरसिंह शक्तावत की उपस्थिति में पेश किया गया। वहही बडोला हुंडई पर नई वेन्यू का अनावरण मुख्य अतिथि यू.के. ओझा (एडीशनल एसपी, एसीडी उदयपुर) ने किया। बडोला हुंडई टीम ने बताया कि हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड समय-समय पर कार मॉडल्स में अपडेट करती रही हैं।

# शोक समाचार

**उदयपुर।** श्री नवनीतलाल जी चान्द्रायण का 25 मई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल धर्मपत्नी श्रीमती शंकुतला देवी, पुत्र ऋषि, पुत्रियां श्रीमती ललिता, श्रीमती प्रमिला व पौत्र-पौत्रियों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

**उदयपुर।** श्री गुजराती समाज उदयपुर के समाजसेवी किरीट भाई पारीख का निधन होने पर समग्र उदयपुर गुजराती समाज में शोक की लहर छा गई है। गुजराती समाज के अध्यक्ष राजेश बी मेहता ने बताया कि इससे गुजराती समाज को बड़ी क्षति पहुंची है।

**उदयपुर।** श्री दौलतसिंह जी जैन (चपलोत) का 3 जून को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती कमला देवी, पुत्र दिनेश व विनोद, पुत्री संगीता सहित भाई-भतीजों व पौत्र-पौत्रियों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

**उदयपुर।** पूर्व पार्षद श्री भगवतीलाल जी सुथार का 20 मई को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पादेवी, पुत्र विशाल व मनीष, पुत्री मंजूदेवी सहित भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

**उदयपुर।** पंचायत समिति सदस्य एवं कांग्रेस नेत्री कामिनी गुर्जर के पुत्र प्रथम का 11 जून को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त माता, पिता किशनलाल, दादी कमला बाई, बहिन पलक सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक संगठनों व कांग्रेस नेताओं ने गहरा दु:ख व्यक्त किया है।

**उदयपुर।** श्रीमती पुष्पादेवी जी धर्मपत्नी श्री रमेश जी पालीवाल (देलवाड़ा वाला) का स्वर्गवास 23 मई को हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र भूपेन्द्र, चन्द्रप्रकाश व अरुण, पुत्रियां श्रीमती भारती, श्रीमती नमिता तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

**उदयपुर।** श्री गोवर्धनसिंह असारमा का 20 मई को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती शांतिदेवी, पुत्र धारा शंकर, दयालाल, संजयकुमार, पुत्रियां, श्रीमती लता नैणावा, गिरिजा मंगरूडिया तथा भाई-भतीजों, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

**उदयपुर।** राजस्थान पत्रिका के प्रबंधक अरुण शाह की मातुश्री अंजना जी शाह (धर्मपत्नी श्री तेजमल जी शाह) का 9 जून को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र कमल, अरुण, कपिल, शशिकांत, राजेश, पुत्रियां विमला लुहाड़िया, निर्मला बज, आशा सेठी व आरती पाटनी सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का वृहद संपन्न परिवार छोड़ गई हैं।

**उदयपुर।** सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आर.के. राय का 2 जून को निधन हो गया। वे 89 वर्ष के थे। राय ने वर्ष 1992 से 1997 तक विवि में कुलपति का कार्यभार संभाला। प्रो. राय इसरो द्वारा गठित अंतरिक्ष विज्ञान की सलाहकार समिति से भी जुड़े थे। उन्होंने 30 साल तक भौतिक विज्ञान विभाग में सेवाएं प्रदान की। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र डॉ. राघवेन्द्र राय, हिरेन्द्र राय तथा पौत्र-पौत्रियों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

**उदयपुर।** श्री सुनील जी काबरा का 25 मई को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संप्तत धर्मपत्नी श्रीमती स्वाति देवी, पुत्री सुहानी सहित भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

**उदयपुर।** श्रीमती पार्वती शर्मा धर्मपत्नी स्व. श्री संतोषलाल जी शर्मा (गुर्जरगौड़) का 18 मई को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र महेश, राजेन्द्र व कमल, पुत्रियां मंजूदेवी गुंवाल, साधना शर्मा तथा पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

**उदयपुर।** श्रीमती राखी जी पोरवाल (धर्मपत्नी श्री कपिल जी पोरवाल) का 8 जून को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, कांताजी पोरवाल (सासु मां), पुत्रियां मिशा व विवयाना समेत भाई-बहिनों, भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गई हैं।

---

**उदयपुर।** वरिष्ठ अधिवक्ता एवं बार कौंसिल उदयपुर के पूर्व अध्यक्ष श्री शांतिलाल जी पामेचा का 24 मई को आकस्मिक निधन हो गया। वे वागड़-मेवाड़ हाईकोर्ट बैंच संघर्ष समिति, श्री शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, गांवगुड़ा (राजसमंद), कस्तूरबा मातृ मंदिर, उदयपुर सहित अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों में महत्वपूर्ण पदों पर थे। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी, पुत्र एडवोकेट राजीव व दीपक, पुत्रियां श्रीमती करुणा कावड़िया व सुचिता धाकड़ सहित वृहद परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर पूर्व गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत, शहर भाजपाध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, ताराचंद जैन, कुंतीलाल जैन, तेजसिंह बांसी, विष्णु शर्मा हितैषी, डॉ. जयप्रकाश भाटी सहित विभिन्न राजनैतिक व सामाजिक संगठनों ने शोक व्यक्त किया है।

**उदयपुर।** वयोवृद्ध समाजसेवी व उद्योगपति के.जी. गट्टानी का 7 जून को निधन हो गया। वे 84 साल के थे। वरिष्ठ नागरिकों के क्लब मुस्कान के संस्थापक गट्टानी जी ने केजी गट्टानी फाउण्डेशन नाम से एनजीओ भी शुरू किया था। क्लब की चीफ केयर टेकर उनकी पुत्रवधू श्रद्धा गट्टानी ने बताया कि यह संगठन महिलाओं को विभिन्न उत्पाद बनाने के लिए सामग्री, प्रशिक्षण और उपकरण के साथ बाजार मुहैया करवाता है। वे अपने पीछे धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी, पुत्र नीरज व नितिन, पुत्री नीना साबू एवं पौत्र-पौत्रियों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर औद्योगिक, राजनैतिक व सामाजिक संगठनों ने गहरा दु:ख व्यक्त किया है।

## घर आंगन हो हरा-भरा

# Keshav Nursery

*All Type of Plants, Trees, Pots & Gardening Servises Available..*

Plants

Trees

Pots

Outdoor Plants, Indoor Plants, Ornamental Plants,
Flower Plants, Trees, Fruit Plants, Bonsai, Air Plants,
Hanging Plants, Air Plants, Herbal Plants, Climbers,
Cactus and All other Trees Available.

Call- 9413317086, 9461389196 Email- keshavnursery@gmail.com
Address- Babel Sahab ki Badi, Opp. Navdeep School, Kalka Mata Road, Pahada, Udaipur
www.keshavnursery.co.in

vedanta
transforming for good

COMMITTED TO SUSTAINABILITY
IN EVERY WAY

Ranked globally in the Top 5 of the Dow Jones Sustainability Index 2021*

World's 2nd largest zinc-lead miner and 6th largest silver producer

Certified 2.41 times Water Positive company

HINDUSTAN ZINC
Zinc & Silver of India

**Hindustan Zinc Limited,** Registered Office: Yashad Bhawan, Udaipur–313 004, Rajasthan, India. T. +91 294-6604000-02
www.hzlindia.com CIN: L27204RJ1966PLC001208

*In Metals & Mining sector

https://www.linkedin.com/company/hindustanzinc/ https://www.facebook.com/HindustanZinc/ https://twitter.com/Hindustan_Zinc https://www.instagram.com/hindustan_zinc/

15 वर्षों से आपके
गीतांजली हॉस्पिटल
बेहतर स्वास्थ्य के प्रति समर्पित

NABH ACCREDITED
GMCH
GEETANJALI HOSPITAL
HEALTH IS HAPPINESS

# अब घुटनों की चिंता किए बिना जीवन का पूरा आनंद लें।

## गीतांजली एडवांस जोईन्ट रिप्लेसमेन्ट एण्ड ओर्थोपेडिक सेन्टर

जोईन्ट रिप्लेसमेन्ट (घुटना, कुल्हा, कंधा व कोहनी) | रिविज़न रिप्लेसमेन्ट | यूनिकॉन्डिलार नी-रिप्लेसमेन्ट
स्पाइन सर्जरी | दूरबीन द्वारा घुटने की लिगामेंट सर्जरी | ट्यूमर सर्जरी | जटिल फ्रैक्चर सर्जरी

शीघ्र रिकवरी प्रोटोकॉल, कम दर्द, कम ज़ख्म और छोटा चीरा आपको जल्दी ठीक होने में मदद करता है।

अब घुटना प्रत्योरोपण व कुल्हा प्रत्योरोपण सुविधा चिरंजीवी मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना (MMCSBY) | राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम (RGHS) में भी उपलब्ध

### गीतांजली एडवांस ऑर्थोपेडिक सेंटर के अनुभवी एवं सिद्धहस्त डॉक्टर्स की टीम

**डॉ. हरप्रीत सिंह**
M.S. (Orthopedics), Fellowship (Joint Replacement)
AIIMS, New Delhi & CHUV, Switzerland
Consultant Joint Replacement, Spine & Arthroscopy Surgeon
ओपीडी :– सोमवार, बुधवार, शुक्रवार

**डॉ. रामावतार सैनी**
M.S. (Orthopedics) Spine, Trauma, ESVP - USA,
Australia, Germany, UK & Switzerland in
Joint Replacements & Revision Replacements
Consultant Orthopedics | Expert in Unicondylar Knee Replacement
ओपीडी :– मंगलवार, गुरूवार, शनिवार

**डॉ. कमल कुमार अग्रवाल**
MBBS, MS (Orthopaedics)

**डॉ. संगम त्यागी**
MBBS, DNB (Ortho)

**डॉ. अंशु शर्मा**
MBBS, M.S. (Ortho)

**डॉ. निहार शाह**
MBBS, M.S. (Ortho)

• भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ECHS) • कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) • उत्तर पश्चिमी रेलवे (NWR) • हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (HZL)
• स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (SBI) • भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) • भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) • भारतीय खाद्य निगम (FCI)
• राजस्थान राज्य खान एवं खनिज लिमिटेड (RSMM) • सभी महत्वपूर्ण टी.पी.ए. (TPA) व इन्श्योरेन्स से अधिकृत है।

**गीतांजली मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल**
नेशनल हाईवे-8 बायपास, एकलिंगपुरा चौराहा के पास, उदयपुर (राज.)

+91 800 309 0938 | +91 978 400 0127
+91 294 250 0044

# Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed To Be University)

## जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय)

Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Raj.) Ph. & Fax : 0294-2492440, Email: admissions@jrnrvu.edu.in

**समस्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त**

**ADMISSIONS OPEN - 2022-23**

## Manikyalal Verma Shramjeevi College

### Faculty of Social Sciences and Humanities : Ph. : 0294-2413029, 9829160606, 9460826362

**B.A.** : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science, Public Administration, Environmental Science, Jyotish, Music.
**M.A.** : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science, Music. **Diploma Courses** : Diploma in Music (Surmalhar), Diploma in Panchgavya, P.G. Diploma in G.I.S. and Remote Sensing, Bachelor of Journalism and Mass Communication. **Certificate Courses** : Spoken English, Proficiency in English and Communication Skills, Culture of Rajasthan, Research Methods and Data Analyst, Human Rights, Acupressure.

### Faculty of Commerce : Ph. : 0294-2413029, 9460275655, 9460372183

B.Com., B.B.A., M.Com, (Accounting, Business Administration), Master of NGO Management, PG Diploma in Training and Development Certificate Courses: Plastic Processing and Manufacturing Skills, Tally ERP 9.0, Goods and Service Tax (GST).

### Faculty of Science : Ph. 9828072488,7852803736

B.Sc. : Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Computer Science, Botany, Zoology, Biotechnology, Environmental Science, Geology
M.Sc. Chemistry (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)
M.Sc. : Mathematics, Physics, Botany, Zoology, Environmental Science. Statistics, Bioinformatics, Biotechnology.

### Jyotish and Vastu Sansthan - 9460030605

M.A. (ज्योतिर्विज्ञान), **Diploma and Certificate Courses in Astrology** (ज्योतिष), Vastu (वास्तु), Palmistry (हस्तरेखा), Worship System (पूजा पद्धति), Rituals (अनुष्ठान), Vedic Culture (वैदिक संस्कार संस्कृति).

### Faculty of Education - 9460693771

B.A. B.Ed (4 year Integrated Course), B.Sc. B.Ed. (4 Year Integrated Course)

### Manikyalal Verma Shramjeevi Evening College
Mob. - 9414291078, 0294-2426432, 8209630249

B.A., B.A. Additional (All Subject), B.Com. M.Com (All Subjects), M.A. (All Subjects), M.A. (Education), M.A. in Music, M.Sc. (Psychology), B.Lib, M.Lib., B.Ed in Special Education (ID / HI), D.Ed Special Education (HI / VI / MR), PG Diploma in Guidance and Counseling, Diploma in Library Science, PG Diploma in Population Study, PG Diploma in Mental Health Counseling, PG Diploma in Lib. & Inf. Science (Medical / Engg. / Industrial), MBA (Executive), Diploma in Community Based Rehabilitation

### Department of Physical And Yoga Education
M.V. Shramjeevi Collage Campus, Ph.: 9352500445

PhD. Yoga, M.A.Yoga, P.G. Diploma In Yoga, PhD. Physical Education, M.A. Physical Education, Bachelor of Physical Education & Sports, (B.P.E.S), Diploma In Gym Instructor, Diploma in Sports Coaching (NIS) - 1 Year(Wrestling, Judo, Powerlifting, Yoga, Weight Lifting, Boxing, Wusu)

### Department of Physical Education, Pratap Nagar Campus - 9829943205

Master of Physical Education (M.P.Ed.) - 2 Years, Diploma in Sports Coaching (NIS) - 1 Year (Hockey, Football, Kabaddi, Volleyball, Basketball, Badminton)

### Department of Law - 9414343363, 9887214600

B.A.LL.B. (5 Year Integrated Course), LL.B. (3 Year Degree Course), LL.M. (2 Years), Ph.D., PG Diploma (1 Year Course) in Labour Law (PGDLL). Cyber Law (PGDCL), Law & Forensic Science (PGDLFS). Accountancy & Taxation (PGDLTA) and Intellectual Property Laws (PGDIPL). LLM 2 years (Criminal and Business Law)

### Department of Pharmacy - 9414869044

D. Pharma (Diploma in Pharmacy)

### Faculty of Engineering - Rajasthan Vidyapeeth Technology College
Ph. : 0294-2490210, 9829009878, 9950304204

**Diploma in Engineering** - Civil Engineering, Electrical Engineering, Mechanical Engineering. Electronics & Communication Engineering, Computer Science.

### Faculty of Computer Science and Information Technology
Ph. 2494227, 2494217, 9414737125

B.C.A., M.C.A., M.Sc.(CS), B.Sc. in Data Science, P.G.D.C.A., B.Voc in Software Development, DCA (Diploma in ComputerApplications).

### Department of Physiotherapy - Ph. : 0294-2656271, 9414234293

Bachelor of Physiotherapy (B.P.T.). Master of Physiotherapy (M.P.T.). Master of Hospital Management. Fellowship in Palliative Care and Oncology Rehabilitation, Fellowship in Neurological Rehabilitation, MBA in Health Care Management. Fellowship in Geriatric Care and Rehabilitation, Fellowship in Sports Rehabilitation

### Udaipur School of Social Work - Ph. 8118806319, 9829445889

Master of Social Work (MSW). PG Diploma in HRM, PG Diploma in CSR, Post Graduate Diploma in Rural Development (PGDRD), Master of Social Work (MSW - Self Finance Evening Batch), P.G. Diploma in Talent Management.

### Sahitya Sansthan (Institute of Rajasthan Studies)
Ph. : 0294-2491054, 8003636352

M. A. In Ancient Indian Culture and Archaeology, Diploma in Archaeology.

### School of Agricultural Sciences, Dabok - 9460728763

B.Sc. (Hons.) Agriculture, B.Sc. Horticulture, B.Tech. Food Technology, M.Sc. Agronomy and Horticulture

### Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Dabok
Ph. : 0294-2655327, 9460856658, 9694881447, 9079919960

B.A., B.Com., B.Sc., M.A. (English, Hindi, Sanskrit, Pol. Sc., History. Geography, Sociology, Economics), M.Com (Accountancy),
Special Classes for English Speaking and Computer Basics.

### R.V. Homeopathic Medical College and Hospital, Dabok
Ph. : 0294-2655974, 2655975, 9414156701, 9351343740

Diploma in Homoeopathic Pharmacy (DHP).

### Faculty of Management Studies (FMS)
Ph. : 0294-2490632, 9461260408, 9782049628, 9001556306

B.B.A, M.B.A (H.R / Marketing / Finance / Production & Operation Management / I.B / I.T / Tourism and Travel / Retail Management / Agri-Business / Family Business Management), M.H.R.M.

### Department of Travel, Tourism & Hospitality
Faculty of Management Studies - 9950489333

BBA (Tourism and Travel) Specialization in Hotel Management
Diploma in Hotel Management (Food & Beverage Service)
Diploma in Hotel Management (Housekeeping)
Diploma in Hotel Management (Food Production).

### Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Pratapnagar, Udaipur, Mob. : 9928456341, 9929939963

B.A., B.Com, B.Sc. , M.A. Geography, Pol.Sc., Regular Special Classes for Competition exams

### Lokmanya Tilak Teachers Training College, Dabok
Faculty of Education - Ph. : 8306182436, 0294-2655327

M.Ed., M.A. Education, B.Ed.-M.Ed. (3 Year Integrated), B.Ed., B.Ed. (Child Development), B.A.-B.Ed. and B.Sc. B.Ed. (4 Year Integrated), D.El.Ed., PG Diploma in Yoga

SHIVA : 9828244344

**Note :**

**For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website : www.jrnrvu.edu.in, respective prospectus or contact concerned department**

**REGISTRAR**